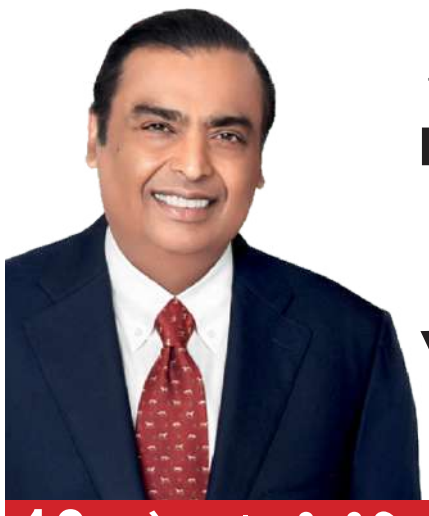

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 मुकेश अंबानी की रिलायंस ने चार दिन में कमा डाले ...

तीन साल बाद चीन पहुंचे जापान के विदेश मंत्री ... 12

वर्ष : 10 | अंक : 318 | पटना, सोमवार, 03 अप्रैल, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

कामयाब रहा इसरो का रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल ऑटोनोमस लैंडिंग मिशन

चिनूक हेलीकॉप्टर से 4.6 किमी. की ऊंचाई पर हवा में छोड़ा गया रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को सुबह डीआरडीओ और भारतीय वायु सेना के साथ कर्नाटक के चित्रदुर्ग स्थित एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज (एटीआर) में रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल ऑटोनोमस लैंडिंग मिशन (आरएलवी लेक्स) का सफलतापूर्वक संचालन किया। भारतीय वायुसेना के चिनूक हेलीकॉप्टर से 4.6 किमी. की ऊंचाई पर हवा में छोड़े गए रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल ने खुद ही आधा घंटे बाद एटीआर में लैंड किया। इसरो ने एक बयान में बताया कि इस रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल ऑटोनॉमस लैंडिंग मिशन को आज सुबह 7 बजकर 10 मिनट पर कर्नाटक के चित्रदुर्ग के एटीआर से संचालित किया गया। आरएलवी लेक्स को भारतीय वायुसेना के चिनूक हेलीकॉप्टर से 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर ले जाकर 4.6 किलोमीटर की रेंज पर छोड़ा गया। इसके बाद रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल ने धीमी गति से उड़ान भरी। इसके कुछ देर बाद उसने लैंडिंग गियर के साथ खुद ही एटीआर में 7.40 बजे लैंड किया। यह परीक्षण सफल होने के बाद रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल के सहारे रॉकेट को दोबारा लॉन्च किया जा सकता है। इस परीक्षण में इसरो के साथ भारतीय वायु सेना, सेंटर फॉर मिलिट्री एयरवर्थनेस एंड सर्टिफिकेशन, वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान और एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट ने योगदान दिया। इसरो बीते कुछ सालों में लगातार एक के बाद एक कामयाबी की इबारत लिख रहा है। इसी क्रम में यह परीक्षण भी

फाइल फोटो

एक और बड़ा कदम माना जा रहा है। इसरो इस पर काफी लंबे समय से काम कर रहा है कि कम लागत में कैसे अच्छी तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ ने भी कहा था कि आने वाले दिनों में इसरो अधिक से अधिक अनुसंधान और उसके डेवलपमेंट पर ध्यान देकर अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़ा कामयाबी हासिल करेगा। यह एक स्वदेशी स्पेस शटल है, जिसे ऑर्बिटल री-एंट्री व्हीकल (ओआरवी) के नाम से भी जाना जाता है। आज का परीक्षण सफल होने के बाद भारत अंतरिक्ष में ना सिर्फ सैटेलाइट लॉन्च कर सकेगा, बल्कि भारत की आसमानी सुरक्षा और मजबूत होगी। ऐसी ही टेक्नोलॉजी का फायदा चीन, अमेरिका और रूस भी लेना चाहते है, क्योंकि ऐसे यानों की मदद से किसी भी दुश्मन के सैटेलाइट्स को उड़ाया जा सकता है। इतना ही नहीं, इन विमानों से डायरेक्टेड एनर्जी वेपन भी चलाया जा सकता है, जिससे दुश्मन की संचार तकनीक को ऊर्जा की किरण भेजकर खत्म किया जा सके। भारत इसी यान की मदद से अपने दुश्मन के इलाके में किसी कंप्यूटर सिस्टम को नष्ट करने या बिजली ग्रिड उड़ाने में सक्षम हो सकता है। इसरो इस प्रोजेक्ट को 2030 तक पूरा करने की तैयारी में है, ताकि बार-बार रॉकेट बनाने का खर्च बच सके। ये सैटेलाइट को अंतरिक्ष में छोड़कर वापस लौट आएगा, जिससे स्पेस मिशन की लागत 10 गुना कम हो जाएगी। अत्याधुनिक और रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल के अगले वर्जन से भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस में भेजा जा सकेगा।

संक्षिप्त खबरें

गंडक में डूबने से तीन की मौत

पटना। मोतिहारी में गंडक नदी में नहाने के दौरान 5 युवक नदी में डूबने की खबर प्रकाश में आया है। जानकारी के मुताबिक तीन की मौत हो गई है। वहीं, दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की खबर मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। मृतक में दो खास चचेरा भाई बताए जा रहे है। जबकि तीसरा युवक उसका दोस्त बताया जा रहा है। यह घटना संग्रामपुर थाना क्षेत्र के इजारा गंडक नदी का है। गंडक नदी में नहाने के दौरान 5 युवक डूब गए। जिनमें से तीन युवक की नदी में ही हुई मौत। वहीं ग्रामीणों के सहयोग से दो युवक को बेहोशी की हालत में नदी से निकाला गया औ उन्हें स्थानीय पीएचसी में भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान इजारा गांव के प्रिंस पण्डेय, सागर पण्डेय और छपरा निवासी अरमान अंसारी के रूप में किया गया। घटना की सूचना मिलते ही संग्रामपुर थाना पुलिस व अंचलाधिकारी घटना स्थल पर पहुचकर शव को कब्जा में लेकर करवाई में जुट गए है। ग्रामीणों के अनुसार इजारा गांव के विश्वकांत पण्डेय के भतीजा का 31 मार्च को उपनयन संस्कार हुआ था। रविवार को पूरा परिवार बाबा सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर माथ लगाने की रस्म करने गए थे। वहां से लौटने के बाद पांचों युवक गंडक नदी में स्नान करने चले गए।

भारत में कोविड-19 के 3,824 नए मामले, पिछले छह महीने में सर्वाधिक

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण के 3,824 नए मामले सामने आए, जो बीते छह महीने में एक दिन में दर्ज सर्वाधिक नए मामले हैं। वहीं, देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 18,389 पर पहुंच गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, भारत में कोविड-19 के 3,824 नए मरीज मिलने के बाद देश में अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,47,22,605 हो गई। वहीं, संक्रमण से पांच और मरीजों के दम तोड़ने से मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 5,30,881 पर पहुंच गई। आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटे के दौरान दिल्ली, हरियाणा, केरल और राजस्थान में एक-एक संक्रमित की मौत हुई। इसके अलावा, केरल ने कोविड-19 से जान गंवाने वाले मरीजों के आंकड़ों का पुनर्मिलान करने के बाद मृतकों की सूची में एक और मामला जोड़ा है। आंकड़ों के मुताबिक, संक्रमण का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 18,389 है, जो कुल मामलों का 0.04 प्रतिशत है। वहीं, कोविड-19 से स्वस्थ होने वालों की राष्ट्रीय दर 98.77 प्रतिशत दर्ज की गई है।

एसटीएफ ने तीन कुख्यात अपराधियों को दबोचा

पटना। बिहार एसटीएफ के विशेष टीम ने बड़ी सफलता हासिल की है। एसटीएफ के विशेष टीम और सिवान जिला पुलिस के संयुक्त अभियान में जिले के कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इन अपराधियों में से एक अपराधी सिंमात सिंह उर्फ छोटु सिंह को सिवान जिला के गोरियाकोठी थाना क्षेत्र से छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया है। जिसके बाद अपराधी से पुछताछ के बाद इसके अन्य सहयोगी अपराधियों को अवैध हथियार और मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया गया है। इन अपराधियों की पहचान शेखर गुप्ता, पिता ब्रजकिशोर गुप्ता और अभिषेक कुमार उर्फ गोलू, पिता जितेन्द्र सिंह के रूप में किया गया है। इन अपराधियों के पास से देशी पिस्टल, जिंदा गोली, स्मैक-35 ग्राम और 3 मोबाईल बरामद किया गया है।

मुख्यमंत्री ने बिहारशरीफ और सासाराम में रामनवमी जुलूस के दौरान हुई घटना को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की, अधिकारियों को दिए निर्देश

किसी भी परिस्थिति में कोई गड़बड़ी नहीं कर पाये इस पर नजर रखें : नीतीश

बोलें-पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहे, पूरी मुस्तैदी बनाए रखें

- उपद्रवियों की पहचान कर उनपर सख्त से सख्त कार्रवाई करें।
- विधि-व्यवस्था पूरी तरह से मेंटेन रखें।
- अफवाह फैलाने वालों पर नजर रखें।
- मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक सभी जिलों के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अविलंब वार्ता कर स्थिति की पूरी जानकारी लें।
- प्रेस वार्ता कर मीडिया को वस्तुस्थिति की जानकारी दें ताकि कोई अफवाह नहीं फैले और लोग भ्रमित न हों।
- मुख्यमंत्री ने रामनवमी जुलूस के दौरान बिहारशरीफ में हुई घटना में मृत व्यक्ति के पिता एवं भाई से दूरभाष पर बात कर अपनी संवेदना व्यक्ति की और घटना की पूरी जानकारी ली।
- मुख्यमंत्री ने मृत व्यक्ति के निकटतम परिजन को मुख्यमंत्री राहत कोष से 5 लाख रुपए का अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया।

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को एक अणे मार्ग स्थित संकल्प में बिहारशरीफ और सासाराम में रामनवमी जुलूस के दौरान हुई घटना को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहे पूरी मुस्तैदी बनाए रखें सभी चीजों पर लगातार नजर बनाए रखें। उपद्रवियों की पहचान कर उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई करें। किसी भी परिस्थिति में कोई गड़बड़ी नहीं कर पाए इस पर नजर रखें। विधि-व्यवस्था पूरी तरह से मेंटेन रखें। उन्होंने कहा कि अफवाह फैलाने वालों पर नजर रखें।

मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को निर्देश देते हुए कहा कि सभी जिलों के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अविलंब वार्ता कर पूरी जानकारी लें। प्रेस वार्ता कर मीडिया को वस्तुस्थिति की जानकारी दें ताकि कोई अफवाह नहीं फैले और लोग भ्रमित न हों। इससे पहले बैठक में मुख्य सचिव आमिर सुबहानी एवं पुलिस महानिदेशक आरएस भट्टी ने बिहारशरीफ और सासाराम में रामनवमी जुलूस के दौरान हुई घटना को लेकर मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने पटना प्रमंडल के आयुक्त, शाहाबाद रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक, रोहतास तथा नालंदा के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से वार्ता कर वस्तु स्थिति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने रामनवमी जुलूस के दौरान बिहारशरीफ में हुई घटना में मृत व्यक्ति के पिता एवं भाई से दूरभाष पर बात कर अपनी संवेदना व्यक्ति की और घटना की पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने मृत व्यक्ति के निकटतम परिजन को मुख्यमंत्री राहत कोष से 5 लाख रुपए का अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, पुलिस महानिदेशक आरएस भट्टी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉएस सिद्धार्थ तथा अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

नवादा के हिसुआ में केंद्रीय गृहमंत्री ने जनसभा को किया संबोधित

नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार बनेंगे प्रधानमंत्री : अमित शाह

लोस चुनाव बाद बिहार में भाजपा की सरकार बनेगी

प्रात : किरण

पटना/नवादा, एजेंसी। बिहार में नवादा जिले के हिसुआ में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद बिहार में महागठबंधन की सरकार गिर जाएगी और भाजपा की सरकार बनेगी। हमारी सरकार बनने पर दंगा करने वालों को उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम करेंगे। हम वोट बैंक की राजनीति नहीं करते। हमारी सरकार में दंगे नहीं होते हैं। नीतीश कुमार के लिए भाजपा के दरवाजे हमेशा बंद रहेंगे। अमित शाह ने सम्राट अशोक जयंती कार्यक्रम को करीब 15 मिनट तक संबोधित किया। उन्होंने कहा, मुझे सासाराम जाना था, वहां सम्राट अशोक की जयंती पर कार्यक्रम होना था लेकिन दुर्भाग्य है कि वहां लोग मारे जा रहे हैं। गोलियां चल रही हैं। इसलिए वहीं जा सका। मैं वहां की जनता से यहीं से क्षमा मांगता हूं। अगले दौरे में सासाराम में सभा जरूर करूंगा। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि बिहार में जल्द ही शांति हो। उन्होंने कहा कि नीतीश बाबू को पीएम बनना है। तेजस्वी को सीएम बनना है। इनके बीच बिहार की जनता पिस रही है लेकिन देश की जनता ने तय किया है कि मोदी को तीसरी बार

भी प्रधानमंत्री बनाएंगे। इसलिए लालू आप ये भूल जाओ कि नीतीश कुमार आपके बेटे को मुख्यमंत्री बनाएंगे। शाह ने कहा कि लालू के बेटे ने नीतीश को सांप, पलटूराम और यहां तक कि गिरगिट भी कह डाला लेकिन नीतीश प्रधानमंत्री बनने के लिए उनके साथ चले गए।

नीतीश-ललन बाबू के लिए दरवाजे बंद : अमित शाह ने कहा कि मैं बिहार की जनता और ललन बाबू को स्पष्ट कहना चाहता हूं कि चुनाव परिणामों के बाद भी नीतीश कुमार के लिए भाजपा के दरवाजे बंद रहेंगे। हमेशा के लिए बंद रहेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि मैंने राज्यपाल को फोन किया तो ललन सिंह बुरा मान गए। वे कहते हैं कि बिहार में क्यों हस्तक्षेप कर रहे हैं। नीतीश कुमार की सत्ता की भूख ने आपको लालू की गोद में बैठने पर मजबूर कर दिया। हमारी कोई मजबूरी नहीं है। हम जनता के बीच जाएंगे। लोगों को बताएंगे। महागठबंधन की सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे।

शाह ने सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया : गृह मंत्री अमित शाह ने महागठबंधन सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति करने और राज्य को अराजकता में धकेलने का आरोप लगाया। नवादा जिले के हिसुआ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, शाह ने बिहारशरीफ और सासाराम में सांप्रदायिक हिंसा की जांच करने में विफल रहने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की और जोर देकर कहा कि अगर मोदी 2024 में सत्ता में लौटे और भाजपा ने राज्य में अगली सरकार बनाई, तो दंगाइयों को उल्टा लटका दिया जाएगा। शाह ने जनसभा में अनुच्छेद 370 को खत्म करने और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण जैसी मोदी सरकार की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि नीतीश की पार्टी जद (यू) और उनके सहयोगी राजद ने अयोध्या में राम मंदिर बनाए जाने का विरोध किया था। उन्होंने जद (यू) और राजद पर अल्पसंख्यकों के तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि इसने देश में आतंकवाद को फलने-फूलने में मदद की।

सेना प्रमुख चार दिवसीय यात्रा पर ऑस्ट्रेलिया हुए रवाना

प्रात : किरण एजेंसी

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ाने के तौर-तरीकों पर विचार करने के लिए रविवार को चार दिनों के लिए ऑस्ट्रेलिया की यात्रा पर रवाना हुए।

जनरल पांडे द्विपक्षीय रक्षा सहयोग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर आस्ट्रेलिया के शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे। सेना ने कहा, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे तीन अप्रैल से शुरू हो रही यात्रा के लिए आस्ट्रेलिया गये हैं। उसने कहा कि वह दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से आस्ट्रेलिया के शीर्ष सैन्य नेतृत्व के साथ भेंटवार्ता करेंगे। सेना ने एक बयान में कहा, जनरल पांडे आस्ट्रेलियाई रक्षा बलों की विभिन्न सेवाओं के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ संवाद करेंगे। आस्ट्रेलिया -भारत रक्षा सहयोग विभिन्न स्तरों पर परस्पर संवाद एवं साझेदारी के साथ लगातार आगे बढ़ रहा है। उनमें वरिष्ठ अधिकारियों की यात्रा, परस्पर पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण आदि शामिल हैं।

ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा के तत्काल समाधान खोजने पर जोर

जी-20 के तहत एनर्जी ट्रांजिशन वर्किंग ग्रुप की दूसरी बैठक गुजरात के गांधीनगर में शुरू हुई

प्रात : किरण एजेंसी

गांधीनगर/अहमदाबाद। भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत एनर्जी ट्रांज़िशन वर्किंग ग्रुप (ईटीडब्ल्यूजी) की दूसरी बैठक रविवार को गांधीनगर में शुरू हुई। केंद्रीय आयुष और महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. महेंद्रभाई मुंजपारा ने अपने मुख्य भाषण में ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा के तत्काल समाधान खोजने पर जोर दिया। मंत्री ने स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और इसे लागत प्रभावी और विश्वसनीय बनाने के लिए नवीन तकनीकों के अनुसंधान और विकास की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस बैठक में जी20 देशों के सदस्य, विशेष रूप से आमंत्रित देशों, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा

एजेंसी, एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग, आसियान और पूर्वी एशिया के लिए यूरोपीय अनुसंधान संस्थान, पेट्रोलियम संगठन निर्यातक देश (ओपेक सहित अंतरराष्ट्रीय संगठनों के 100 से अधिक प्रतिनिधि) और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के सदस्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर चर्चा करने के लिए शामिल हुए हैं। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री मुंजपारा ने प्रधानमंत्री मोदी के ह्यजीवन अभियानह्न या ह्यपर्यावरण के लिए जीवन शैली अभियानह्न के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने व्यक्तियों और समुदायों से संसाधनों के सावधानीपूर्वक और जानबूझकर उपयोग, पर्यावरण के संरक्षण और संरक्षण के लिए इसे एक अंतरराष्ट्रीय जन आंदोलन के रूप में नेतृत्व करने और बनाने का आग्रह किया। संयुक्त कार्रवाई को मान्यता देने के महत्व पर जोर देकर केन्द्र सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के सचिव आलोक कुमार ने कहा कि भारत सरकार ने समान, साझा और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए जी20 सदस्यों के बीच संयुक्त कार्रवाई को मान्यता देने के महत्व पर जोर दिया है। उन्होंने सदस्य देशों से स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन प्राप्त करने के लिए सहयोग करने और ट्रस्टीशिप की भावना पैदा करने का आग्रह किया। उन्होंने केन्द्र सरकार की प्रमुख योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। बैठक में छह प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें प्रौद्योगिकी खामियों को दूर कर ऊर्जा संक्रमण, ऊर्जा संक्रमण के लिए कम लागत का वित्तपोषण, ऊर्जा सुरक्षा और विविध आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा दक्षता, औद्योगिक कम कार्बन संक्रमण और जिम्मेदार खपत, भविष्य के ईंधन में स्वच्छ ऊर्जा तक सार्वभौमिक पहुंच और उपयुक्त, निष्पक्ष और समावेशी ऊर्जा संक्रमण मार्ग शामिल हैं। इस बैठक के साथ ही ग्लोबल ग्रीन हाइड्रोजन इकोसिस्टम-एनेबलिंग नेट जीरो पर एक सेमिनार का आयोजन हुआ।

जानकारी सासाराम और बिहारशरीफ हिंसा को लेकर की गई कार्रवाई की मुख्य सचिव व डीजीपी ने दी जानकारी

राज्य में शांति व्यवस्था हर हाल में बनी रहेगी, गड़बड़ी करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : मुख्य सचिव

प्रात : किरण

पटना। सासाराम और नालंदा के बिहारशरीफ समेत राज्य के कुछ जिलों में रामनवमी जुलूस के दौरान हुए उपद्रव को लेकर प्रदेश के सरकार व प्रशासनिक महकमा अलर्ट पर है। रविवार को मुख्य सचिव आमिर सुबहानी और डीजीपी आरएस भट्टी ने सासाराम और बिहारशरीफ हिंसा को लेकर की गई कार्रवाई की जानकारी संयुक्त रूप से दी। मुख्य सचिव आमिर सुबहानी ने बताया कि रामनवमी के जुलूस को लेकर इस बार हर साल से ज्यादा प्रशासनिक स्तर पर तैयारिया की गई थीं।

एक हफ्ते पहले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी डीएम, एसपी, आईजी, डीआईजी और कमीशनर की बैठक हुई थी। उन्होंने बताया कि दो शहरों को छोड़कर सभी स्थानों पर शांतिपूर्ण हालात रहे। सभी प्रसाशनिक पुलिस पदाधिकारियों ने बेहतर काम किया है। मुख्य सचिव ने कहा कि सासाराम और बिहारशरीफ में अशांति फैलाने की कोशिश की गई लेकिन वरीय

पुलिस प्रशासनिक पदाधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जल्द ही हालात पर काबू पा लिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी इसकी समीक्षा की है। हर हाल में शांति व्यवस्था कायम रखी जाएगी।

जो भी शांति भंग करने की कोशिश करेंगे उनकी पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में शांति व्यवस्था हर हाल में बनी रहेगी। वहीं, डीजीपी आरएस भट्टी ने बताया कि दोनों जगहों पर विधि व्यवस्था नियंत्रण में है। दोनों जगहों से अबतक 109 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। अन्य लोगों की पहचान की जा रही है, पहचान के बाद उनकी भी गिरफ्तारी की जाएगी। डीजीपी ने कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। राज्य की शांति को भंग करने की कोशिश की गई है। ऐसे और भी लोगों की पहचान कर आगे कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी ने कहा कि उपद्रव के दौरान एक व्यक्ति की मौत हुई हैं।

सासाराम में ब्लास्ट के मामले पर उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति बम बना रहा था वह अपराधी था। बम बनाने वाले शख्स के साथ कुल 6 लोग घायल हुए हैं। राज्यभर में 1832 जुलूस चल रहे थे, सभी को बेहतर तरीके संपन्न करा लिया गया है। एक-एक वीडियो की छानबीन की जा रही है। रामनवमी के मौके पर चार अतिरिक्त कम्पनी बिहार को मिली हैं। रामनवमी के अवसर पर जो सुरक्षा की तैयारी होती हैं वह सभी तैयारियां की गई थीं।

चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मी तैनात, स्थिति नियंत्रण में

नालंदा/सासाराम, एजेंसी। बिहार के नालंदा जिले के बिहारशरीफ में बीती रात झड़प हुई। बिहार शरीफ के एएसआई सुरेंद्र पास्वान ने बताया कि बिहार शरीफ में धारा 144 लगा दी गई है। पूरे इलाके में सुरक्षाकर्मी तैनात है। मामले में जांच की जा रही है। जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने बताया कि रात में 2-3 जगहों पर घटनाएं हुई लेकिन फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण है। उपद्रवियों को चिह्नित कर 80 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी की गई है। कर्फ्यू नहीं लगाया गया है, धारा 144 लगाई गई है। आज बाहर से 9 कंपनियां बुलाई गई हैं। उधर, बिहार पुलिस ने बताया कि रोहतास के सासाराम में बम विस्फोट की घटना की जानकारी मिली। एक स्कूटी भी बरामद हुई है। एफएसएल की टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। प्रथम दृष्टया यह सांप्रदायिक घटना नहीं लगती। रोहतास पुलिस के मुताबिक, रोहतास में एक निजी संपत्ति पर अवैध विस्फोटकों को संभालने के दौरान 6 व्यक्ति घायल हो गए। फोरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम मौके पर जांच कर रही है। दो व्यक्ति गिरफ्तार किए गए हैं।

सासाराम के जिलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि सासाराम में बम ब्लास्ट हुआ। घायलों को अस्पताल रेफर किया गया है। हम अभी सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं। धमाके का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। रोहतास के सासाराम में हुए धमाके पर डीएम धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि रात 8-8:30 बजे सूचना मिली थी कि एक समुदाय के लोगों द्वारा एक समुदाय के धार्मिक स्थल पर विस्फोटक फेंका गया, जिसमें 6 लोग घायल हुए। जांच में पता चला कि बगल के कमरे में रखे विस्फोटक को गलत तरह से रखा था। एफएसएल की टीम ने भी इसकी सत्यता की है। हमने फोर्स तैनात की है। लोगों अफवाहों पर ध्यान न दें। एसपी विनीत कुमार (सासाराम, रोहतास) ने बताया कि हमने अब तक करीब 32 लोगों को गिरफ़्तार किया है। हम टीम बनाकर छापेमारी कर रहे हैं। हम वायरल वीडियो, सीसीटीवी फुटेज का सत्यापन करते हुए गिरफ़्तारियां कर रहे हैं। दंगाईयों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करेंगे। संवेदनशील जगाहों पर फोर्स तैनात की है। विश्वास बहाली के लिए फ्लैग मार्च कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

बैंड बाजा व झांकियों को किया गया पुरस्कृत

पटना सिटी (प्राकि)। गायघाट स्थित श्री गौरीशंकर मंदिर के समीप आयोजित सम्मान समारोह में रामनवमी पर निकले शोभायात्रा में शामिल बैंड बाजा, म्यूजिकल ग्रूप व झांकियों को पुरस्कृत किया गया। श्री रामजन्मोत्सव शोभायात्रा समिति की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में महापौर सीता साहू व डॉ अजय प्रकाश ने झांकियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष राजेश कुमार चंद्रवंशी व संचालन प्रो अरुण कुमार ने किया। पुरस्कार वितरण में प्रभाकर मिश्र, बाबू भाई, चुन्नू चंद्रवंशी, नरेंद्र कुमार, मुरारी राय, विनय कुमार बिट्टू, सुधीर कसेरा, श्रवण चंद्रवंशी, संतोष कुमार सोनू, शंकर महतो, कीर्ति यादव, सुजीत कुशवाहा, गौरव राज, संतोष चौरसिया, गायघाट सेवा समिति के अध्यक्ष गंगाधर गिरी आदि शामिल थे।

ऑटो पलटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई

दानापुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत सगुना मोड प्रगति नगर मोड के पास रविवार की सुबह यात्रियों से सवार ऑटो पलट गई। इस घटना में एक यात्री की मौत हो गई। जबकि एक यात्री जख्मी हो गए। जख्मी आशीष कुमार को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक का पहचान मधेपुरा जिले के मदन मेहता के रूप में की गई है। यातायात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अनुमंडलीय अस्पताल में पोस्टमार्टम करा कर परिजनों के हवाले कर दिया गया है। ऑटो को पुलिस ने जब्त किया है। चालक फरार हो गया है। मृतक के भाई छेदन मेहता ने बताया कि रविवार को अहले सुबह पुणे दानापुर ट्रेन से दानापुर स्टेशन उतरा था और स्टेशन से ऑटो पर सवार होकर दानापुर आ रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से ऑटो चालक सगुना मोड की ओर जा रहा था कि अचानक सामने बाइक आ जाने के कारण चालक ने ब्रेक लगाने के कारण गाडी असंतुलित होकर पलट गई। जिससे ऑटो चालक के सीट के बगल में बैठा मेरा भाई 36 वर्षीय मदन मेहता की ऑटो से दबने से मौत हो गई और यात्री आशीष कुमार जख्मी हो गए । बाकी को मामूली चोट आया ।मृतक के भाई ने बताया कि पूणे में मजदूरी करते है और अपने घर जा रहे थे। यातायात प्रभारी थानाध्यक्ष रवि पासवान ने बताया कि सगुना मोड के पीछे ऑटो पलटने से एक यात्री की मौत व एक जख्मी हो गया है। ऑटो को जब्त कर मामला की छानबीन की जा रही है ।मृतक के भाई छेटन मेहता के बयान पर चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

मैरेज हॉल में शराब पार्टी करते हुए चार शराबी गिरफ्तार

दानापुर । पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बीते रात सगुना मोड स्थित नयी मैरेज हॉल में शराब पार्टी करते हुए चार शराबियों को गिरफ्तार किया गया है। दो बोतल अंग्रेजी शराब बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष केपी सिंह ने बताया कि शनिवार की रात गुप्त सूचना मिला कि सगुना मोड स्थित एक मैरज हॉल में शराब पार्टी चल रही है। सूचना पर गश्ती टीम में तैनात सहायक प्रभारी मुकेश कुमार ने दल बल के साथ छापेमारी किया। छापेमारी में शराब पार्टी करते हुए चार शराबियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है और दो बोतल अंग्रेजी शराब बरामद किया गया है। गिरफ्तार जितेंद्र उर्फ जीतू छोटी पहाडी अगमकुआं , रॉकी राज बिहारीशरीफ , सूरज कुमार उर्प मुकेश खिरौटी मठ, घोसी जहानबाद व कुमार राजीव रंजन उर्फ राजीव हनुमाननगर साकेतपुरी पत्रकारनगर को गिरफ्तार किया गया है। जबकि आदित्य कुमार फरार हो गया है। गिरफ्तार जितेंद्र, रॉकी, सूरज व राजीव से पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

50 पुडिया स्मैक व आधा किलो गांजा के साथ पति-पत्नी गिरफ्तार

दानापुर। थाना क्षेत्र के शाहपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर दाउदपुर मस्जिद के पास छापेमारी कर 50 पुडिया स्मैक व 500 ग्राम गांजा व पांच हजार नगद रुपए के साथ तस्कर पति-पत्नी को गिरफ्तार किया गया है। जबकि पुत्र फरार हो गया है। थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि गुप्त सूचना मिला कि दाउदपुर मस्जिद के पास स्मैक व गांजा की बिक्री किया जा रहा है। सूचना के आधार पर दाउदपुर मस्जिद के पास रहने वाले सुजीत कुमार के घर छापेमारी कर 50 पुडिया स्मैक व 500 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। पांच हजार नगद रुपए बरामद किया गया है। पुलिस ने सुजीत की पत्नी बिंदू देवी को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार सुजीत व उसकी पत्नी बिंदू देवी को एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। जबकि फरार सन्नी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि चार माह पूर्व गिरफ्तार अजीत के पुत्र सन्नी को भी मादक पदार्थ बेचने के आरोप में जेल भेजा चुके है।

ईसाइयों ने मनाया खजूर रविवार का पर्व

निकाला शोभायात्रा, चर्च में हुआ मिस्सा पूजा बलिदान

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

पादरी की हवेली स्थित महागिरजाघर में खजूर रविवार का मिस्सा पूजन रखा गया। यह गुड फ्राइडे के पहले का इतवार माना जाता है, जहां पर प्रभु येशु के आखिरी बार नाजरथ शहर में आगमन को बहुत ही हर्षोल्लास से मनाया गया था। क्रूस पर बलि होने से पहले, प्रभु यीशु मसीह अपने बाल्यकाल के स्थान नाजरथ गए, जहां पर लोगों ने उन्हें अपना राजा मान कर बहुत ही उत्साह के साथ खजूर की डालियों के साथ उनका स्वागत किया था। इस दिन को पर्व के रूप में ईसाई समाज हर्ष और उत्साह के साथ चर्च में मनाता है। इसके पूर्व गुरहट्टा स्थित कब्रिस्तान से पदयात्रा कर जुलूस निकाला गया। ईसाई समुदाय के लोग हाथों में खजूर की टहनियां लेकर प्रार्थना करते व भजन गीत गाते हुए पादरी की हवेली चर्च पहुंचे। यहां पवित्र मिस्सा बलिदान पूजा हुआ। इस पूजन विधि को पादरी की हवेली के पल्ली पुरोहित फादर ललित, सहायक पुरोहित फादर प्रदीप और फादर प्रवीण ने किया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि खजूर रविवार का जुलूस हमें येरुसेलम नगरी में प्रभु यीशु के प्रतापी प्रवेश का स्मरण कराता है। फादर ने कहा कि आज से हमलोग पवित्र सप्ताह में प्रवेश कर गए हैं। कार्यक्रम में सहायक पुरोहित फादर प्रदीप और फादर प्रवीण, मिशनरी ऑफ चैरिटी व माता सदा सहायिका की धर्म बहनों के साथ पल्ली परिषद के अभिषेक पैट्रिक, विक्टर अल्फेंस, विजिल लकड़ा, रिचर्ड रंजन, लाल बिहारी, एडवर्ड अल्फेंस, अजीता कुजूर, अग्नेस जरीमी, आलोक कुमार, राजेश कुमार के साथ अन्य शामिल थे। फादर ने बताया कि शुक्रवार को गुड फ्राइडे और रविवार को ईस्टर का पर्व मनाया जाएगा।

बालाजी गुणगान महोत्सव पर हुआ सामूहिक सुंदरकांड पाठ

गायकों ने पेश किया भजनों की लरी, महाप्रसाद का वितरण

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

राधेश्याम परिवार के द्वारा रविवार को चौक स्थित सनातन धर्म सभा में 11वां मेहंदीपुर बालाजी गुणगान महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत रविवार की सुबह राजस्थान से आए कारीगरों द्वारा बालाजी का अलौकिक श्रृंगार किया गया। इसके बाद 56 भोग एवं बालाजी का प्रिय प्रसाद लड्डू का भोग लगाया गया। फिर अखंड ज्योति के साथ पूजन किया गया। 701 महिलाओं द्वारा राजस्थानी लाल साड़ी में सामूहिक संगीतमय सुंदर कांड का पाठ किया गया। पाठ कराने दिल्ली से आए विजेंद्र चौहान जी ने स्वर दिया। रविवार को आयोजित गुणगान महोत्सव में भजन संध्या में कानपुर से कोमल तिवारी, कोलकाता से रवि शर्मा एवं राजू चौहान और दिल्ली की श्री आयुषी राज जय बाबा के भजनों से भक्तों को झूमाया। पंजाब से आए विशाल सैनी के मधुर आवाज पर भक्तों के बीच नृत्य कर बालाजी महाराज को अर्जी लगाई। संस्थापिका शोभा गुप्ता ने बताया कि बालाजी के दरबार में पटना साहिब के सांसद रविशंकर प्रसाद, पूर्व मंत्री सह विधायक नंदकिशोर यादव, पटना की मेयर श्रीमती सीता साहू, डिप्टी मेयर रेशमी चंद्रवंशी सहित गण्यमान्य लोगों ने हाजरी लगाई। व्यवस्थापक चक्रेश अग्रवाल, संयोजक आलोक गुप्ता एवं संजय गोलवारा ने बताया कि रविवार शाम बालाजी का खजाना का वितरण किया गया। साथ ही मां अन्नपूर्णा के महाप्रसाद को लोगों के बीच टिफिन प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम की सफलता के लिए रमेश गुप्ता, विजय मित्तल, उर्मिला मिश्रा, अंकित अग्रवाल, सीमा शर्मा, सरोज जयसवाल, रवि अग्रवाल, बाबूलाल जी अग्रवाल, उज्जवल चौधरी, चंदन अग्रवाल, सोनू लोयलका, संजीव मिश्रा, विपुल जगनानी, पंकज लोयलका, राजाराम शर्मा, भगवती मोदी और राधेश्याम परिवार के सदस्य कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय रहे।

शिव को गुरु बना कर ही परिवार व विश्व का कल्याण

पटना सिटी। शिव गुरु शिष्यता ही एकमात्र विकल्प है। हम सभी शिव को अपना गुरु मानकर मानव कल्याण में अपने भाव को समर्पित करें। कारण कि आज शिव के बिना जगत का कल्याण संभव नहीं है। यह बात रविवार को गणेश उत्सव हॉल में भाई मिथलेश कुमार ने शिव शिष्यों के बीच कही। उन्होंने शिव परिचर्चा महोत्सव में श्रद्धालुओ के बीच कहा कि शिव को अपना गुरु मान कर तीन सूत्र के साथ आप मानव कल्याण कर सकते हैं। आप कहीं भी किसी भी समय किसी को भी तीन सूत्र देकर शिव के शिष्य बना सकते हैं और उनका जग कल्याण में नाम का सुमिरन करें। शिव शिष्यों की बात को लोगों ने सुमिरन किया। भाई मिथलेश और बहन निर्मला सिंह कहते हैं कि भैया गुरु हरिन्द्रानंद और गुरु शिष्या दीदी नीलम ने ही भगवान शिव को गुरु मान कर लोगों के बीच संदेश दिया कि भगवान शिव के बिना कल्याण संभव नहीं है। गुरु बिना ज्ञान नहीं पाया जा सकता है। इसलिए जग कल्याण में शिव से बड़ा कोई न देवता है और न ही गुरु। इस मौके पर सपना रानी, मुन्ना प्रसाद, रामा जी, रिंकी देवी आदि शिव भक्त शामिल रहे।

गौरी शंकर महादेव को चांदी का छत्र, शिवलिंग का अरघा व त्रिशूल भेंट किया

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

गायघाट स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर में भक्त के द्वारा चांदी का छत्र बाबा भोलेनाथ को समर्पित किया गया। बबुआगंज गोसाई घाट के रहने वाले पवन कुमार उर्फ डब्बू के द्वारा यह शिवलिंग को अर्पित किया गया। बजरंगपुरी के भक्त संजय कुमार के द्वारा बाबा भोलेनाथ के शिवलिंग को अरघा एवं त्रिशूल दान में दिया गया। इस अवसर पर भगवान का पूजा अनुष्ठान कर मंदिर में दान देने वाले और बाबा के भक्तों को प्रसाद ग्रहण कराया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्री गौरी शंकर मंदिर न्यास समिति के सचिव विश्वनाथ चौधरी, उपाध्यक्ष राजेंद्र यादव, कोषाध्यक्ष दिलीप गुप्ता, सदस्य संजय सिंह, विनय केसरी, संजय कुमार, अवधेश कुमार, मीडिया प्रभारी शंकर चौधरी, वार्ड पार्षद किरण मेहता, शोभा देवी, अधिवक्ता नवीन कुमार सिन्हा, बलराम मंडल, सीता शर्मा, डॉ सर्वदेव प्रसाद गुप्ता, डॉ अजय प्रकाश आदि शामिल हुए।

नीतीश संतुष्टिकरण नहीं तुष्टिकरण की राजनीत कर रहे : रविशंकर

सांसद खेल समारोह में महागठबंधन की सरकार पर बोला हमला

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाजपा का साथ छोड़ कर जबसे राजद, कांग्रेस और अन्य दलों के सहयोग से सरकार बनाए हैं, तब से संतुष्टिकरण नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं। उन्हें जो कुछ भी करना है, कर लें। गृह मंत्री अमित शाह बिहार की धरती पर आते रहेंगे। भाजपा के नेता आएंगे और वर्ष 2025 में यहां भाजपा की सरकार बनेगी। इसे महागठबंधन के नेता नहीं रोक सकते। कारण कि जनता मन बना चुकी है। यह बात सांसद रविशंकर प्रसाद ने सांसद खेल समारोह का मनोज कमलिया स्टेडियम में उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान कह रहे थे। श्री रविशंकर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सवाल पूछा है कि आपकी सरकार कैसे चल रही है। देश के गृहमंत्री पटना आए हैं। उनकी सासाराम में सभा होनी थी। सासाराम में आपसी सौहार्द बिगड़ गया। वहां के डीएम कह रहे हैं कि यहां बिल्कुल शांति की स्थिति है। वहीं जदयू के नेता ललन सिंह कर रहे हैं कि वहां भीड़ नहीं जुटी थी। सच्चाई क्या है भाई। अगर नीतीश सरकार समझती है कि धारा 144 लगा कर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का कार्यक्रम फेल करेंगे, तो नीतीश जी इस मुगालते में नहीं रहें। इस बार रामनवमी के अवसर पर बिहार, झारखंड और बंगाल में सद्भाव बिगाड़ने का काम हुआ, जबकि यूपी जिस बात के लिए बदनाम था, आखिर वहां किसी तरह का कोई बावेला क्यों नहीं हुआ। सासाराम के बाद नालंदा, नवगछिया आदि जगहों पर क्या हो रहा है। जबसे नए दल के नेताओं के साथ गए हैं नीतीश जी, बिहार को बर्बाद करने और तुष्टिकरण की राजनीति पर आप आ गए हैं। वोट बैंक के नाम पर राजनीति किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी यह जान लें कि बिहार की धरती पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अनेक बार आएंगे। जनता के बीच जाएंगे। भाजपा के वरीय नेतागण भी यहां आएंगे और जनता को सभा के माध्यम से संबोधित करेंगे। वर्ष 2025 में यहां जनता ने भाजपा की सरकार और मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प ले रखा है और यह होकर ही रहेगा।

सांसद खेल महोत्सव पर हुआ फुटबॉल मैच

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

पटना साहिब संसदीय क्षेत्र में हो रहे चार दिवसीय सांसद खेल महोत्सव का आगाज हो चुका है। खेल के आज दूसरे दिन मनोज कमलिया स्टेडियम में सांसद रविशंकर प्रसाद जाकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और गुब्बारा उड़ाकर विधिवत शुभारंभ किया। खेल शुरू होने से पूर्व श्री प्रसाद ने खिलाड़ियों के साथ परिचय किया।

उनके साथ पटना नगर निगम के डिप्टी मेयर रेशमी चंद्रवंशी की थीं। श्री रविशंकर ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए ग्राउंड में खिलाड़ियों के साथ कुछ देर के लिए फुटबॉल खेलते नजर आए। इस मौके पर सिटी से पुराने खिलाड़ियों प्रह्लाद यादव, कृष्णा रजक व एक को सम्मानितकिया गया। विदित हो कि सांसद खेल महोत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना में से एक है। इस दूरगामी सोच का परिणाम है कि छोटे-छोटे कस्बे और गांव से बच्चे खेल प्रतियोगिता में भाग लेकर आगे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेकर मान बढ़ाएंगे। अनुमान के अनुसार इस पूरे खेल में हजार से अधिक बच्चों ने अपना पंजीयन कराया है और खेल में भाग ले रहे हैं। सांसद खेल महोत्सव में प्रतिभागियों के साथ ही उनके परिवार के सदस्यों का उत्साह भी देखने लायक था। इसका समापन मंगलवार चार अप्रैल को पाटलिपुत्र खेल परिसर में होगा, जहां विजेता सहित सभी सहभागी को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर देश के मान बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस दौरान पूर्व उप महापौर संतोष मेहता, डा त्रिलोकी प्रसाद गोलवारा, संजीव कुमार यादव, अमित कानोडिया, नवल किशोर सिन्हा, पवन मेहता, सुरेश सिंह पटेल आदि मौजूद थे।

तख्तश्री कमेटी के चुनाव को आज से नाम जोड़ने को मिलेगा फॉर्म

हर हलका का प्रतिनिधित्व करने वाले को जिम्मेवारी, अधिवक्ता गुरमीत बने आरओ

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

तख्तश्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी के चुनाव को लेकर सोमवार से फॉर्म मिलने का काम शुरू हो जाएगा। जिन लोगों की उम्र 18 वर्ष पूरी हो चुकी है या किसी अन्य कारण से उनका नाम मतदाता सूची में नहीं है, वह सब तख्तश्री कमेटी के कार्यालय से फॉर्म लेकर उसे भरकर 23 अप्रैल तक हर हाल में जमा कर देना होगा।

यह जानकारी कमेटी के वरीय उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह और महासचिव इंद्रजीत सिंह ने रविवार को दी। बताया गया कि इसके पूर्व तख्तश्री कमेटी ने वोटर लिस्ट का प्रारूप तैयार करने के लिए बतौर चुनाव पदाधिकारी अधिवक्ता गुरमीत सिंह को पत्र सौंपकर जिम्मेवारी दी है। उनके सहयोग में अधीक्षक दलजीत सिंह, प्रबंधक दिलीप सिंह पटेल और डिस्पेचर को जोड़ा गया है। वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, संशोधन करने या सूची से हटाए जाने को लेकर फॉर्म तीन से 23 अप्रैल तक लिया जा सकेगा और हर हाल में 23 अप्रैल के अपराह्न पांच बजे तक जमा कर देना होगा। इसके बाद आवेदन नहीं लिया जाएगा। दरअसल पटना के तीन हलका और उत्तरी बिहार एवं दक्षिण बिहार के मतदाता सूची के संशोधित प्रारूप का काम शुरू होना है। इसके लिए हलका संख्या-1 की जिम्मेवारी कमेटी के प्रधान जगजोत सिंह सोही, हलका संख्या-2 से प्रतिनिधित्व कर रहे हरवंश सिंह खनूजा और हलका-3 से गुरुविंदर सिंह के साथ सरदार जगजीवन सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उत्तरी बिहार से लखविंदर सिंह और दक्षिणी बिहार से (अब झारखंड) से इंद्रजीत सिंह वोटरों के नाम जोड़ने, संशोधित करने और हटाए जाने के मामले में फॉर्म देने और मॉनिटरिंग करने का काम करेंगे। नाम मतदाता सूची में जोड़े जाने को लेकर फॉर्म भरने के साथ ही आधार कार्ड और फोटो जमा किया जाना है। वहीं मतदाता सूची में जिनका नाम दर्ज है और उनका निधन हो गया है या वह संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में अब नहीं रहते हैं, तो ऐसे लोगों का नाम मतदाता सूची से भी हटाने का काम किया जाएगा। यदि किसी के नाम, पता या उम्र में कोई गलती है, तो उसे भी संशोधन कराया जा सकेगा।

अखंड कीर्तन को लेकर निकली भव्य शोभायात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

फतुहा। प्रखंड के चकरहिमा गांव स्थित शिव मंदिर में अखंड कीर्तन को लेकर निकली भव्य शोभायात्रा ।फतुहा प्रखंड के चक्र हेमा गांव स्थित शिव मंदिर में अखंड कीर्तन को लेकर भव्य शोभायात्रा निकली, यह शोभायात्रा चकरहिमा गांव से पैदल चलकर गौरीचक स्थित पुनपुन नदी पहुंची जहां से जल भरकर गाजे-बाजे के साथ भक्ति गीतों पर नाचते गाते शिव भक्तों ने कलश में जल भरकर पैदल ही चकरहिमा गांव पहुंची। इस कलश यात्रा में हजारों की तादाद में महिला पुरुष भक्त श्रद्धालु शामिल हुए। कलश यात्रा शिव मंदिर चकरहिमा पहुंचने के बाद विधि विधान के साथ कलश स्थापना की गई। उसके बाद अखंड कीर्तन का कार्य शुरू हुआ। आयोजक सदस्यों में अभिनय कुमार आनंद ने बताया कि अखंड कीर्तन समापन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आसपास के दर्जनों गांव के लोग प्रसाद ग्रहण करेंगे। मौके पर अभिनय कुमार आनंद, धर्मवीर कुमार, सुजीत कुमार, जितेंद्र कुमार, मनीष कुमार, कंचन कुमार, ज्ञानी कुमार, सतीश कुमार, सुजीत कुमार समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद ।

सही शिक्षा व मार्गदर्शन से छात्रों का विकास

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी। स्थानीय डीपीएस जूनियर इंटरनेशनल स्कूल, बहादुरपुर हाउसिंग कॉलोनी हनुमान नगर में नव नामांकित छात्रों के आरंभ कार्यक्रम के तहत उद्घाटन समारोह किया गया। इस दौरान वरीय पत्रकार अरुण पांडेय, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश वर्मा, संस्थापक संजय गुप्ता, विद्यालय की निदेशिका द्वय श्रीमती आशा वर्मा एवं पुष्पा सिंह के अतिरिक्त शिक्षक एवं छात्रगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस दौरान विद्यालय के छात्रों द्वारा आकर्षक एवं रोमांचकारी रंगारंग प्रदर्शन किया गया। प्राचार्या श्रीमती शिखा ने स्वागत भाषण के दौरान जीवन में अभिभावकों एवं नौनिहाल के माधुर्य स्नेहिल संबंध के महत्व और अनिवार्यता पर बल दिया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में प्रेरक शिक्षा से होने वाले अनेकानेक लाभ को स्पष्ट करते हुए कहा कि उचित शिक्षा एवं शिक्षक के सही मार्गदर्शन से व्यवहार में गुणात्मक लाभ तो होता ही है, साथ ही संगठन क्षमता, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। संस्थापक ने आरंभ शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बच्चों में संभावनाओं के अनंत बीज होते हैं। व्यावहारिक शिक्षा भी बच्चों की संभावनाओं को व्यावहारिक रूप देने का लोकप्रिय माध्यम है। कार्यक्रम का समापन विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती शिखा कुमारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

अंग व नेत्रदान करने वाले 50 लोगों का संकल्प पत्र सौंपा

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के पटना सिटी शाखा के चैयरमेन गोविन्द कानोडिया के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल सांसद सुशील कुमार मोदी से मिला। इसमें संजीव यादव, अमित कानोडिया और विनोद किसलय शामिल हो पूर्व डिप्टी सीएम सह सांसद सुशील कुमार मोदी एवं दधीचि देहदान समिति के महासचिव पद्मश्री बिमल जैन से मिलकर 50 लोगों का अंग दान का संकल्प पत्र सौंपा गया। संकल्प पत्र भरने वालों में लोग देहदान, अंग दान और नेत्र दान करने वाले हैं। इस अवसर पर उपाध्यक्ष डॉ सुभाष प्रसाद, वरीय नेत्र रोग विशेषज्ञ गुरु रहमान, अरुण कुमार सत्यमूर्ति, नंदकिशोर अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

दो भाइयों को गोली मारने के मामले में गिरफ्तारी नहीं

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी। चौक थाना क्षेत्र में रामनवमी वाले दिन रात में हुई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने अब तक किसी को गिरफ्तार करने में असफल रही है। दरअसल उस रात आदित्य कुमार सिंह और उसके चचेरे भाई सुमित कुमार सिंह को गोली मारकर घायल कर दिया गया था। दोनों के पैर में गोली लगी थी। इस संबंध में आदित्य कुमार सिंह के फर्द बयान पर चौक थाना में मामला दर्ज किया गया है। दर्ज कराए गए प्रथमिकी में आदित्य ने कहा है कि 30 मार्च की रात करीब सवा दस बजे लंगूर गली का रहने वाला जितेंद्र कुमार यादव पिता लक्ष्मी यादव और मारूफगंज का रहने वाला अमन सम्राट अन्य पांच-छह अपराधियों के साथ हरवा हथियार से लैस होकर डकैती करने के उद्देश्य से उसके घर की गली में प्रवेश कर रहा था। उस समय वह और उसका चचेरा भाई सुमित कुमार सिंह खाना खाने के बाद टहल कर घर में प्रवेश करने के लिए अपनी गली में पहुंचे। अपराधियों को देखे, तो विरोध किया। इस दौरान जितेंद्र कुमार अपने हाथ में पिस्तौल लिए हुए था और जान से मारने के इरादे से फायर करना शुरू कर दिया। गोलीबारी में एक गोली उसे लगी और दो गोली उसके चचेरे भाई को जांघ में लगी। इसके बाद अमन सम्राट ने भी उसे जान से मारने की नीयत से जानलेवा हमला करते हुए फायर किया, जो कि उसके कनपटी से निकल गई। गोलीबारी की आवाज होने और लोगों के झांकताक करने से भागने के क्रम में जितेंद्र ने उसका सोने का करीब 50 ग्राम का लॉकेट और अमन सम्राट ने सुमित के हाथ में रहे घड़ी झपट कर भाग निकला। वह दोनों गोली लगने के बाद घायल स्थिति में गिर गए। इसके बाद घर से उसके भाई अधिवक्ता संदीप कुमार सिंह, रंजीत कुमार सिंह उर्फ अमित और आसपास के अनेक लोगों ने देखा है। बाद में जानकारी हुई कि यह सब पेशेवर अपराधी हैं। हत्या, लूट, डकैती और रंगदारी इन लोगों की दिनचर्या है। थानाध्यक्ष गौरी शंकर गुप्ता ने कहा कि पीएमसीएच के टीओपी में रहे प्रभारी के द्वारा आदित्य कुमार सिंह का बयान लिया गया था। इसके बाद चौक थाना की पुलिस ने कांड 154/23 दर्ज किया है। मामले की जांच एसआई रमेश कुमार कर रहे हैं। फिलहाल इस मामले में दो नामजद और पांच-छह अज्ञात हैं। सभी फरार चल रहे हैं।

सासाराम व नालंदा में हुए उपद्रव पर छिड़ा सियासी घमासान, आरोप-प्रत्यारोप जारी

इंटेलिजेंस व सरकार की नाकामी से हुआ बवाल : गिरिराज

पटना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिहार अब बंगाल की राह पर चल पड़ा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नालंदा और सासाराम में हिंदू घर छोड़कर जाने को मजबूर हैं। उनका पलायन हो रहा है। पलायन वहां हो रहा है जो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का गृह जिला है। गिरिराज सिंह ने सवालिया लहजे में कहा कि क्या उन्हें हिंदुओं का वोट नहीं चाहिए? यदि नहीं चाहिए तो वह स्पष्ट रूप से कह दें। गिरिराज सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से यह भी सवाल किया कि क्या बिहार सरकार और सरकार के अधिकारियों को यह नहीं पता था कि रामनवमी पर जुलूस निकाला जाएगा? केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार के इंटेलिजेंस पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार सरकार की नाकामी है। उन्होंने कहा कि या इंटेलिजेंस की भी नाकामी है। गिरिराज सिंह ने कहा कि रामनवमी जुलूस पर हमले के लिए पत्थर जमा किए जा रहे थे। इसकी जानकारी ना तो बिहार कि पुलिस के पास थी और ना ही बिहार के मुख्यमंत्री के पास। गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इस चूक की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने कहा-यदि बिहार के मुख्यमंत्री को इसकी जानकारी नहीं है तो इससे बेहतर होगा वह इस्तीफा दे दें।

संवैधानिक पदों पर बैठने वालों ने संवैधानिक मर्यादाओं को तोड़ा : गगन

पटना। राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर आरोप लगाते हुए कहा है कि संवैधानिक पदों पर रहते हुए भी उनके द्वारा नवादा जिले के हिसुआ में आयोजित भाजपा की एक सभा में खुलेआम संवैधानिक मर्यादाओं को तोड़ा गया है। राजद प्रवक्ता ने कहा है कि सभा को संबोधित करते हुए गृहमंत्री ने झूठ बोलते हुए कहा है कि सासाराम में लोग मारे जा रहे हैं , गोलीयां चल रही है, टियर गैस छोड़े जा रहे हैं। जबकि सासाराम में एक भी व्यक्ति न हताहत हुआ है, न गोली चली है और न टियर गैस हीं छोड़ा गया है। सच्चाई यह है कि दलित छात्रों के लिए बने छात्रावास से पूर्व प्रधानमंत्री स्व जगजीवन राम का नाम हटा दिए जाने के कारण दलितों में भारी आक्रोश है जिसके वजह से भाजपा वालों ने वहां अमित शाह के कार्यक्रम को रद्द कर दिया था। गृहमंत्री का कार्यक्रम एसएसबी कैम्प और भाजपा कार्यालय में क्यों रद्द हो गया ?राजद प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि केन्द्रीय गृहमंत्री की उपस्थिति में केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह जी ने सभा को संबोधित करते हुए लोगों को जबाब देने के लिए ललकार कर खुलेआम संवैधानिक मयादाओं का उल्लंघन किया है। क्या ऐसे लोगों को संवैधानिक पदों पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि जिस बिहारशरीफ में घटनाएं घटित हुई है वहां से मात्र चंद किलोमीटर की दूरी पर स्थित हिसुआ में भड़काऊ भाषण देकर भाजपा नेता क्या संदेश देना चाहते हैं ? बिहार को बदनाम करने की साजिश जो की जा रही है उसे बिहार की जनता भलिभांति समझ रही है और समय आने पर जबाब भी देगी।

चिराग ने गृह मंत्री को लिखा पत्र, स्थिति से कराया अवगत

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व जमुई सांसद चिराग पासवान ने देश के गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर बिहार की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया है। चिराग पासवान ने बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। पत्र में चिराग ने कहा कि 30 मार्च को रामनवमी के दौरान नालंदा के बिहारशरीफ और सासाराम में भड़की हिंसा की आग में बिहार अभी तक दहक रहा है। राज्य सरकार और स्थानीय सुरक्षा तंत्र हिंसा को रोक पाने में पूरी तरह विफल साबित हुआ है। जिसके कारण लोगों के मन में डर और दहशत का माहौल बना हुआ है। शांति स्थापित कराने में बिहार की सरकार विफल रही है। पिछले कई वर्षों के दौरान इस तरह की घटनाएं होती रही हैं, लेकिन इससे ना तो कोई सबक ली गयी और ना ही कोई पुख्ता इंतजाम ही किये गये। हिंसा की घटनाएं प्रदेश के लोगों का सुख-चैन छीनने का काम कर रही है। इसलिए बिहार की वर्तमान हालत को देखते हुए बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। चिराग ने कहा कि बिहार के लोगों का विश्वास पूरी तरह राज्य सरकार से उठ चुका है। मुख्यमंत्री से अब बिहार नहीं संभल रहा है। प्रदेश के लोगों के हित में बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग लोजपा रामबिलास करती है। साथ ही राज्य में जल्द से जल्द शांति स्थापित कराने का अनुरोध करती है।

बिहार में हो रहे दंगे प्रायोजित : पप्पू यादव

- दोषियों पर स्पीडी ट्रायल चलाकर सजा हो

पटना। जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद पप्पू यादव ने हिंसा को लेकर बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। रविवार को प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि जो त्योहार आज से 15 साल 20 साल पहले जब त्योहार प्रेम का कारण था, एक दूसरे से मिलने का कारण था, एक महीने से लोग त्योहार पर तैयारी करते थे ।लेकिन अब लोग अपने परिवार को लेकर डरते हैं, अब लगता है कि कोई बम चला दे या गोली चला दे । पप्पू यादव ने कहा कि इससे पहले जब भी रामनवमी हुई तो कभी इतना बड़ा दंगा नहीं हुआ, जितना बड़ा दंगा इस बार हुआ है, उन्होंने कहा कि हर धर्म में भगवान मानवता, इंसानियत, कल्याण का रास्ता दिखाते हैं ।लेकिन नई विचारधारा ने लोगों के रिश्ते को खत्म कर दिया है ।उन्होंने कहा कि बीजेपी ने भगवान को जाति में बदल दिया है ।बीजेपी नेता गिरिराज सिंह पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वो हिंदू की बात करते हैं और दलितों से भेदभाव करते है। पप्पू यादव ने गिरिराज सिंह को चुनौती देते हुए कहा कि उन्हें हिम्मत है तो अयोध्या में वाल्मिकी का मंदिर बनाकर दिखाएं ।उन्होंने कहा कि 2014 के लिए उनके पास कोई मुद्दा नहीं था तो उन्होंने ऐसे मुद्दे उठाने शुरू कर दिये हैं पप्पू यादव ने कहा कि बीजेपी और आरएसएस 2024 के लिए कुछ भी करने को तैयार है और वो कुछ भी करेगी ।दंगा के बिना ये लोग चुनाव नहीं जीत सकते । पूरा देश महंगाई से परेशान है लेकिन इन्हें चिंता नहीं है ।देश के किसान परेशान हैं, आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है लेकिन ये लोग सिर्फ अपना एजेंडा चलाने में मशगूल हैं ।श्री यादव ने कहा कि बीजेपी वाले हारने के बाद दंगे कराती है । उन्होंने बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद को बैन करने की मांग की ।

सांप्रदायिक उन्माद फैलाने की हो रही साजिश : भाकपा माले

पटना। भाकपा माले विधायक महबुब आलम ने भाजपा पर हमला बोला है। प्रेस वार्ता में माले विधायक ने कहा कि बिहार की सत्ता से बेदखली के बाद भाजपा द्वारा बिहार में राजनीतिक ध्रुवीकरण के लिए सांप्रदायिक उन्माद-उत्पात फैलाने की लगातार कोशिशें जारी हैं। रामनवमी के जुलूस की आड़ में इस बार बिहारशरीफ, सासाराम, गया आदि जगहों पर काफी सोची समझी रणनीति के तहत उन्माद फैलाया गया। बिहारशरीफ में स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। जिस स्तर पर विश्व हिंदु परिषद और बजरंग दल जैसे उन्मादी संगठनों से निपटना चाहिए, उसमें कमी दिख रही है। प्रशासनिक चूक ने स्थिति को बेहद गंभीर बना दिया है। संवाददाता सम्मेलन में सचेतक अरूण सिंह और फुलवारी विधायक गोपाल रविदास ने कहा कि बिहारशरीफ में रामनवमी के एक दिन बाद जुलूस निकाला गया, जो अपने आप में कई सवाल खड़े करता है। 10 से 12 साल के बच्चों को हाथों में तलवार देकर मुस्लिम समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगाने के लिए भड़काया गया। सबसे खतरनाक बात यह कि शिक्षा के केंद्रों पर हमला किया गया। सोबरा कॉलेज और मदरसा जिजिया को पूरी तरह से आग के हवाले कर दिया गया। मुस्लिम समुदाय के लोग आतंक के साए में जी रहे हैं। सिटी पैलेस, एशिया होटल सहित सैकड़ो दुकानों को आग के हवाले कर दिया गया। माले जांच टीम ने जिलाधिकारी से मुलाकात की। जिलाधिकारी ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज देखकर सभी उन्मादियों और आयोजकों पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार को उन्मादी ताकतों के प्रति सचेत रहना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से बिहारशरीफ मामले में और त्वरित कदम उठाने की मांग की है।

मुख्यमंत्री ने अतिपिछड़ों को सशक्त व मजबूत किया : चौधरी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में दलित, अभिवंचितों और पिछड़ों की आवाज को बुलंद किया गया है, उन्हीं के निदेशानुसार बाबा साहब के सपने को साकार करने व उनके द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलने के लिए लोगों को प्रेरित करना भीम संवाद कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। मंत्री पार्टी द्वारा नवगछिया एवं भागलपुर में आयोजित भीम चौपाल सह संवाद कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। श्री चौधरी ने कहा कि बिहार इस देश का पहला राज्य है जहाँ त्रिस्तरीय पंचायतों की सभी कोटियों में एकल पदों सहित सभी पदों पर महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गयी। उन्होंने कहा कि हमारे नेता ने आरक्षण एवं शिक्षा के साथ अभिवंचितों, दलितों एवं अतिपिछड़ों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का निर्माण किया है। उन्होंने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन-जाति तथा अतिपिछड़ा परिवार से आने वाले हमारे युवा साथियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण परिवहन योजना का निर्माण किया जिसके अंतर्गत प्रत्येक पंचायत के पांच चयनित लाभुकों, जिसमें तीन अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जन-जाति एवं दो अत्यंत पिछड़ा वर्ग के समुदाय से होते हैं, को वाहन की खरीद पर खरीद मूल्य का 50 प्रतिशत का अनुदान का प्रावधान किया गया। उन्होंने कहा कि इसके साथ देश में पहला ऐसा राज्य बिहार है जिसमें मुख्यमंत्री सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना जैसी अनुकरणीय योजना लागू की गयी ताकि आर्थिक रूप से कमजोर अनुसूचित जाति/ जनजाति, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के मेधावी छात्र -छात्राओं को निश्चिंत होकर आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। श्री चौधरी ने आगे कहा कि नीतीश कुमार दूरदर्शी हैं और प्रदेश की जनता के विकास के प्रति अति संवेदनशील भी हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने प्रदेश की जनता के लिए बिजली, पेयजल, सड़कों की व्यवस्था सुनिश्चित की एवं शिक्षण संस्थान और शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था के साथ अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की। श्री चौधरी ने कहा कि अतिपिछड़ों के कल्याण के लिए जितना काम नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री रहते हुए अपने कार्यकाल में किया है, किसी मुख्यमंत्री ने, चाहे वो किसी भी दल का हो, शायद ही किया है। इस कार्यक्रम में सांसद अजय मंडल, विधायक गोपाल मंडल सहित सम्मानित कार्यकर्ता साथियों एवं गणमान्यजनों की मौजूदगी रही।

2015 में भाजपा को बिहार ने सिखाया था सबक : राजद

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव एवं एजाज अहमद ने नवादा में आयोजित गृह मंत्री की जनसभा पर तंज कसा है। राजद नेताओं ने कहा कि 2015 में महागठबंधन ने जिस तरह से भाजपा को परास्त किया था, शायद वह भूल रहे हैं अगर उन्हें यह बात याद रहती तो वह 2024 की बात नहीं कहे होते। उन्हें भी पता है कि 2024 में वह सत्ता में वापस नहीं आने वाले हैं देश की जनता बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी , बढ़ती गरीबी ,अदानी और अंबानी के साथ वाली यारी सहित भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार से तंग आ चुके हैं और देश की जनता अब बदलाव चाहती है और परिवर्तन का मन बना चुकी है ।बिहार में भाजपा को जबसे महागठबंधन सत्ता से बेदखल किया है उससे देश को एक संदेश गया है कि सभी विपक्षी दल अगर एक हो जाएं तो भाजपा को सत्ता से बेदखल किया जा सकता है, और उस दिशा में निरंतर विपक्षी दलों में देश स्तर पर एका देखने को मिल रही है जो नरेंद्र मोदी और अमित शाह के डर और बेचैनी से समझा जा सकता है। नेताओं ने कहा कि नवादा के हिसुआ में अमित शाह की सभा में भीड़ का नहीं जुटना यह स्पष्ट करता है कि भाजपा के आडंबर, जुमलाबाजी और भ्रम की राजनीति से लोग आजिज आ चुके हैं। बेतहाशा खर्च करके गया, नालंदा ,शेखपुरा और अन्य जिलों से लोगों को लाने के लिए लदुआ भीड़ का इस्तेमाल किया,तब भी लोगों की रुचि भाजपा की सभा में नहीं दिखी। नेताओं ने आगे कहा कि भाजपा के नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण से यह स्पष्ट होता है कि वह भीड़ नहीं होने के कारण बौखलाहट और बेचैनी में जिस तरह का प्रलाप कर रहे थे। उससे स्पष्ट होता है कि भाजपा को जनता और जनता के मुद्दों से मतलब नहीं है। उन्हें सिर्फ लालू प्रसाद ,नीतीश कुमार और तेजस्वी प्रसाद यादव के खिलाफ प्रलाप करने में ही रहा। एक बार भी बिहार की जनता को अमित शाह यह नहीं बताया कि वह विशेष राज्य का दर्जा कब देने जा रहे हैं ,विशेष पैकेज और बिहार के विकास के लिए केंद्रीय योजनाओं में बिहार का हिस्सा कब देंगे। राजद प्रवक्ताओं ने कहा कि यह बिहार है और यहां पर उन्माद और उन्मादी तत्वों को ना पहले पनपने का मौका दिया गया है, और ना आगे मौका दिया जाएगा। और जो भी इस तरह के मामलों में लिप्त रहे हैं उनको अंतिम मुकाम तक पताल से भी ढूंढकर पहुंचाने का काम किया जाएगा।

लोजपा रा ने बिजली के मुद्दे पर सरकार को घेरा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। लोजपा (रा) के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक राजू तिवारी ने कहा कि सरकार बताये कि क्या कारण है कि मंहगी बिजली खरीद कर बिहार के लोगों को वितरण कर रहे है। 2 रूपया 46 पैसे का चीज आप 5 रूपया28 पैसे में खरीद कर क्या संदेश देना चाहती है यह जनता जानना चाहती है। आगे श्री तिवारी ने कहा कि बिहार में बिजली में हुई गडबड़ी को बिहार के आम-अवाम के बीच रखने का काम किया है। बीपीएल परिवारों को 150 यूनिट फ्री बिजली मुहैया कराने, आम जन के बिजली बिल को 30 प्रतिशत कम करने, अनाप शनाप बिलिंग में व्यापक सुधार करने एवं स्मार्ट मीटर पर अविलम्ब रोक लगाने जैसे ज्वलंत मुद्धो को उठाने का काम किया है। रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में श्री तिवारी ने कहा कि रपार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने बिहार शरीफ और सासाराम में राज्य सरकार की लापरवाही के कारण हुई उत्पन्न स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है और इस घटना को लेकर राज्य सरकार को जिम्मेवार ठहराया है पार्टी की ओर से श्री तिवारी ने राज्य में गिरती हुई कानुन व्यस्था को लेकर प्रदेष में राष्टपति शासन लागू करने की मांग की है। पार्टी के प्रदेश मिडीया प्रभारी कुन्दन पासवान ने बताया की संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रीय सचिव, अरविन्द सिंह, बिहार चुनाव अभियान प्रमुख, सुरेन्द्र विवेक, प्रदेष उपाध्यक्ष, विष्णु पासवान, मुख्य प्रवक्ता, राजेष भट्ट, प्रवक्ता, जितेन्द्र यादव, अनुपम पासवान, मिडीया संयोजक राजेश सिंह, मिडीया प्रभारी, कुन्दन पासवान, निशांत मिश्रा, संजीव श्रीवास्तव, रिता गहलौत, एसीएसटी प्रदेश अध्यक्ष, पशुराम पासवान, ओम प्रकाश भारती आदि नेता उपस्थित थे।

2015 के परिणाम को नहीं भूल पा रही भाजपा : शिवानंद

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राजद के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी ने भाजपा पर हमला बोला है। श्री तिवारी ने कहा है कि लोकसभा के अगले चुनाव में बिहार में पिछले चुनाव के नतीजे के उलट जाने की संभावना से भाजपा डरी हुई है। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने अपनी सभा में बिहार के लिए अपमान जनक भाषा का इस्तेमाल किया है। उस सभा में उन्होंने बिहार की सरकार को दंगाइयों की सरकार कहा। उन्होंने यह भी कहा कि लोग मारे जा रहे हैं। जबकि बिहार सरकार की ओर से बताया गया कि सासाराम और बिहार शरीफ में एक एक व्यक्ति की मौत हुई है। हालाँकि यह मौत भी दुखद है। बिहार की सरकार का मानना है कि दोनों जगहों का गंभीर साज़िश का परिणाम है। सरकार ने कहा है कि यह जाँच कर रही है और जल्दी इस साज़िश का पदार्फाश करेगी। श्री तिवारी ने कहा कि देश के गृहमंत्री ने बिहार की हालत की जानकारी के लिए मुख्यमंत्री से बात नहीं किया। बल्कि राज्यपाल से हालत का जायजा लिया। गृहमंत्री जी भूल गए कि बिहार में भी एक सरकार है। हमारे देश में शासन का संघीय ढाँचा. संविधान में केंद्र और राज्य सरकारों के अधिकारों की स्पष्ट सूची बनी हुई है। उनको याद रखना चाहिए था कि जैसे दिल्ली में मोदी की सरकार है उसी प्रकार बिहार में नीतीश की सरकार है। दरअसल भाजपा बिहार को लेकर डरी हुई है। वह 2015 भूल नहीं पा रही है। उस समय भी लालू-नीतीश का गठबंधन बना था। नतीजा हुआ कि मोदी और अमित शाह बिहार की गली गली का खाक छानते रहे। लेकिन दो तिहाई बहुमत से बिहार में उस गठबंधन की सरकार बनी थी। अमित शाह की भाषा पर इसी डर का प्रभाव दिखाई दे रहा था।

कांग्रेस के ज़िलाध्यक्षों और प्रभारियों की बैठक कल

- जय भारत सत्याग्रह को लेकर होगी चर्चा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने जय भारत सत्याग्रह को लेकर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में चार अप्रैल को ज़िला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्षों और ज़िला प्रभारियों की अहम बैठक का आयोजन किया है। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस प्रभारी भक्तचरण दास व अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व में जय भारत सत्याग्रह की सफलता एवम्-ज़िलों में इसके सुचारू क्रियान्वयन को लेकर अहम बैठक का आयोजन किया जा रहा है। इस बैठक में सभी ज़िलाध्यक्षों और ज़िला प्रभारियों को पटना बुलाया गया है जिनके साथ प्रदेश प्रभारी भक्तचरण दास प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह व सचिव प्रभारी अजय कपूर अहम बैठक लेंगे।

जनता के सामने एक्सपोज हो चुकी है भाजपा : राजीव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की नवादा में आयोजित जनसभा को गोईठा में घी पिलाने की कोशिश बताते हुए जदयू के राष्ट्रीय महासचिव व प्रवक्ता राजीव रंजन ने आज कहा है कि जैसी उम्मीद थी अमित शाह एक बार फिर से नवादा में भाषण के नाम पर जुमलेबाजी कर के चले गये हैं। अमित शाह जी समझ लें कि बिहार भाजपा अपने नेताओं के कारण गोईठा बन चुकी है, इसमें जुमलेबाजी का घी पिलाने से कोई फायदा नहीं। बिहार भाजपा के अतिपिछड़ा विरोधी नेता उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर देंगे। इसलिए बिहार के जिले घूम कर जनता का पैसा और समय बर्बाद करने से बेहतर है कि वह अपने नेताओं को अतिपिछड़ा समाज और बिहार की जनता का सम्मान करने की नसीहत दें। उन्होंने कहा कि अमित शाह जी जान लें कि अपनी राजनीति चमकाने के लिए भाजपा ने जिस तरह से सासाराम और नालंदा की जनता को दंगाई बताने का काम किया है उससे लोगों में काफी आक्रोश है। उनकी सभा और दंगे भड़काने की कोशिशों की टाइमिंग से लोगों को समझ में आ गया है कि यह सब संयोग है या किन्ही खास लोगों का सोचा समझा प्रयोग। बिहार की जनता के सामने भाजपा एक्सपोज हो चुकी है। अब चाहे वह 10 सभाएँ कर लें या 10 हजार बिहार की जनता उनके झांसे में आने वाली नहीं है।

जदयू प्रदेश मुख्यालय में भामाशाह जयंती समारोह की तैयारी को लेकर बैठक का आयोजन

नीतीश कुमार के रहते व्यवसायी समाज के मान-सम्मान को कोई ठेस नहीं पहुंच सकती: उमेश कुशवाहा

- लालकिले पर झंडा फहराने का सुनहरा अवसर: सर्राफ
- नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही केन्द्र सरकार: नीरज

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के रहते व्यवसायी समाज के मान-सम्मान को कोई ठेस नहीं पहुंच सकती। श्री कुशवाहा रविवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में भामाशाह जयंती समारोह की तैयारी को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक ओर हमारे नेता विकासशील बिहार को विकसित राज्यों की श्रेणी में लाने के लिए दिन-रात अथक प्रयत्न कर रहे हैं। वहीं, केन्द्र की सरकार सब कुछ बेचने पर उतारू है। बेरोजगारी और महंगाई से पूरे देश में त्राहिमाम की स्थिति है। देश आज महापरिवर्तन चाहता है। उन्होंने कहा कि अगर आप सभी ठान लें तो विपक्षी दल के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में बिहार में खाता खुलना भी मुश्किल हो जाएगा। वहीं, आगामी 23 अप्रैल 2023 को आयोजित भामाशाह जयंती के संदर्भ में उन्होंने कहा कि दानवीर-शूरवीर भामाशाह व्यवसायी समाज के गौरव के प्रतीक हैं। आज की पीढ़ी के लिए जरूरी है कि उनके इतिहास को जाने। उनकी जयंती हर तरह से भव्य होगी। जदयू व्यावसायिक एवं उद्योग प्रकोष्ठ के संयोजक, प्रदेश कोषाध्यक्ष सह विधानपार्षद ललन सर्राफ ने कहा कि हमारे नेता नीतीश कुमार ने पिछले 17 वर्षों में जिस तरह बिहार का कायाकल्प किया, हमारे कारोबार के अनुकूल माहौल दिया और गर्व करने के लायक राज्य की आधारभूत संरचना दी, उसी के अनुरूप 2024 के लिए हमारी तैयारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता की धुरी बनकर उभरे हैं। इस बार बिहार के बेटा के लिए लालकिले पर झंडा फहराने का सुनहरा अवसर दिख रहा है। हमें किसी कीमत पर इस अवसर को चूकना नहीं है। मुख्य प्रवक्ता सह विधानपार्षद नीरज कुमार ने कहा कि आज हमारा राज्य और देश कठिन परिस्थिति से गुजर रहा है। सामाजिक सद्भाव में खलल डालने की कोशिश हो रही है। धर्म के नाम पर उन्माद फैलाया जा रहा है। हमें अपनी जान की बाजी लगाकर भी इसे रोकना है। उन्होंने कहा केन्द्र में बैठी सरकार देश के नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। अब तक नौकरी के लिए आए 22 करोड़ 5 लाख 99 हजार 238 आवेदनों में से मात्र 7 लाख 22 हजार 311 लोगों को ही नौकरी मिल पाई है। राष्ट्रीय सचिव सह विधानपार्षद रवीन्द्र सिंह ने कहा कि संगठन के माध्यम से पार्टी की नीतियों, विचारों और कार्यक्रम को लोगों के बीच ले जाना बड़ा कार्य है। जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमरदीप ने कहा कि 2024 में अपने नेता की अगुआई में हम सभी को मिलकर इतिहास बनाना है। कार्यक्रम के प्रारंभ में व्यावसायिक एवं उद्योग प्रकोष्ठ के वरिष्ठ नेता अरविन्द कुमार निराला उर्फ सिन्दूरिया ने सभी आगुतंकों का स्वागत किया तथा प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष (उत्तर बिहार) श्री धनजी प्रसाद ने अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया। बिहार प्रदेश जदयू के सचिव राहुल खंडेलवाल, गणेश कानू, प्रकोष्ठ के सचिव सुजित पाठक, कार्यालय सचिव कुणाल गौरव आदि की कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता रही।

बिहार को बदनाम करने की साजिश : नीरज

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। नवादा में गृह मंत्री अमित शाह के सभा को संबोधित करने के बाद एक बार फिर बिहार की राजनीति गरमा गई है। गृह मंत्री के संबोधन पर जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने तंज कसा है। जदयू के प्रवक्ता ने कहा कि देश के गृह मंत्री गैर जिम्मेदाराना बयान देकर बिहार को बदनाम करना चाहते हैं। कहा कि जिस धरती पर जाकर अमित शाह सभा को संबोधित कर रहे थे। वहां उन्होंने श्री बाबू का नाम तक नहीं लिया जो श्री बाबू बिहार के आधुनिक युग के निमार्ता रहे हैं। जदयू प्रवक्ता ने आगे कहा कि हिसुआ से महज 12 किलोमीटर पर खंडवा गांव है। जहां पर श्री बाबू की जन्मस्थली है। गृह मंत्री का उनके स्थली पर जाना तो छोड़िए उन्होंने उनका नाम लेना भी मुनासिब नहीं समझा। यह श्री बाबू का अपमान है। और साथ ही साथ उन लोगों का भी अपमान है, जिस समुदाय से आते हैं। श्री बाबू के इस अपमान को बिहार नहीं सहेगा।

आर्थोस्कोपी एवं ओस्टियोटोमी कोर्स में जुटे देशभर के हड्डी रोग विशेषज्ञ

पारस एचएमआरआई और ओआरईएफ ने किया दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। एक और दो अप्रैल को पारस एचएमआरआई अस्पताल और आथोर्पेडिक रिसर्च एंड एजुकेशन फाउंडेशन (ओआरईएफ) के संयुक्त प्रयास से जोड़ों एवं लिगामेंट के ट्रीटमेंट संबंधित विषय पर पटना के होटल मौर्या में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। पारस एचएमआरआई अस्पताल की ऑर्थो टीम की ओर से संचालित इस कार्यशाला में देशभर के हड्डी रोग से जुड़े डॉक्टर्स एवं विशेषज्ञ शामिल हुए। इस दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान पारस एचएमआरआई अस्पताल की ऑर्थो टीम एवं देश के कोने-कोने से आये हड्डी रोग विशेषज्ञों ने जोड़ों एवं लिगामेंट से संबंधित विषय पर अपने-अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए और इस क्षेत्र में हुए नवीनतम तकनीक एक दूसरे से साझा किए। कार्यशाला में दूसरे राज्यों से आये हड्डी रोग विशेषज्ञों ने जोड़ों के ट्रीटमेंट से जुड़े मामलों पर गहन चर्चा की तथा अपने अनुभवों को भी साझा किया। दो दिनों तक चले इस कार्यशाला में अनुभवी डॉक्टरों ने जोड़ों एवं लिगामेंट से जुड़े मामलों पर पांच लाइव सर्जरी का डेमो भी किया। पारस के डायरेक्टर एवं औरगेनाइजिंग चेयरपर्सन डॉ.जॉन मुखोपाध्याय ने एचटीओ से जुड़े मामले पर लाइव सर्जरी की। पारस के चीफ कंसल्टेंट, अर्थोस्कोपिक सर्जन एवं औरगेनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ. अरविंद प्रसाद गुप्ता ने मल्टी लिगामेंट नी इंजुरी से जुड़े मामले की लाइव सर्जरी की। वहीं, दूसरी ओर डॉ. राजकुमार अमरावती ने मेनिसकस से जुड़े मामले में लाइव सर्जरी का प्रदर्शन किया। इसके अलावा कोलकाता के डॉ. रंजीत रमन, डॉ. दीपक जोशी, लखनऊ के डॉ. अशीष कुमार, दिल्ली के डॉ. भरत बहरे एवं डॉ. भूषण सबनीश ने अलग-अलग मामलों से जुड़े जटिल सर्जरी का लाइव प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में पारस हेल्थ के रीजनल डाइरेक्टर (इस्ट) डॉक्टर सुहास आराध्ये भी मौजूद थे।

भाजपा के नफरती टूल किट का उद्भेदन हो जाएगा : भाई अरुण

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश महासचिव भाई अरुण कुमार एवं युवा राजद नेता मनोज यादव ने संयुक्त प्रेस बयान जारी कर कहा की बिहार भगवान बुद्ध एवं गांधी के कर्मभूमि रही है और यहां से शांति का संदेश पूरे देश में जाता है। परंतु पिछले 2 दिनों से बिहार के सासाराम एवं बिहार शरीफ जिलों में किस प्रकार संप्रदायिक दंगे भड़के हैं, लग रहा है किया दंगा आने वाले लोकसभा चुनाव की प्रयोगशाला के तौर पर प्रयोग किया जा रहा है जिस प्रकार गुजरात में दंगे फैलाकर भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आई। वही प्रयोग भारतीय जनता पार्टी बिहार में करना चाह रही है। बिहार में भारतीय जनता पार्टी का नफरती टूल किट, काम कर रहा है। भारतीय जनता पार्टी के बड़े-बड़े नेता जो बिहार के दौरा कर रहे थे उनके दुष्परिणाम दंगे के रूप में नजर आ रहा है। परंतु बिहार में महागठबंधन की सरकार है जिसके नेता की छवि धर्मनिरपेक्ष सरकार के रूप में विश्व प्रचलित है। जिसके मुखिया नीतीश कुमार जैसे अनुभवी एवं तेजस्वी प्रसाद यादव जैसे युवा नेता कर रहे हैं। उससे भी ऊपर इन सब का मॉनिटरिंग जन नेता लालू प्रसाद कर रहे हैं। इन नेताओं ने आशा प्रकट की है कि जल्द ही भाजपा के नफरती टूल किट का उद्भेदन हो जाएगा। इन नेताओं ने मुख्यमंत्री से मांग किया है कि सारी घटनाओं की जांच एसआईटी या निगरानी विभाग के द्वारा करवाई जाए, जिससे कि इस घटना में शामिल लोगों का पता चल सके।

संक्षिप्त खबरें

पिस्टल के साथ युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कल्याणपुर, समस्तीपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के टांरा चौक के पास पुलिस ने एक युवक को पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। बताया गया कि गश्ती के दौरान संदिग्ध दिख रहे एक बाइक सवार युवक पुलिस के द्वारा रुकने का इशारा की जाने के बाद भागने लगा, जिसे पुलिस के द्वारा खदेड़ कर पकड़ लिया गया। राशि लेने पर उस युवक के पास से पुलिस ने एक लोडेड पिस्टल बरामद किया। जिसमें दो गोली होने की बात बताई लोगों ने बताया है। वहीं पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर पुलिस थाने ले आया। वहीं लोगों के बीच इस गिरफ्तार युवक को ले काफी चर्चा का विषय बना हुआ। वहीं थानाध्यक्ष गौतम कुमार ने कुछ भी बताने से इनकार किया।

प्राण-प्रतिष्ठा यज्ञ में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन प्रखंड के वाजिदपुर मेयारी में बजरंगबली की मूर्ति की स्थापना को लेकर आयोजित प्राण-प्रतिष्ठा यज्ञ भक्ति भाव के साथ संपन्न हो गया। इस दौरान यज्ञ परिसर में श्री राम जय राम, जय जय राम के जयकारे चार दिनों तक गूंजते रहे। वहीं अखंड हवन एवं प्रवचन का भी आयोजन हुआ। इस आयोजन में पंचायत के मुखिया बिरजू राय के अलावा आनंद साह, देवानंद साह, अमित साह, सुरेंद्र साह, रंजीत साह, रूपेश साह, वसंत साह, मनोज साह, अर्जुन साह, मोहन कुमार, ललन साह, सुशील साह, विनोद साह, प्रमोद साह आदि ने सक्रिय सहयोग दिया।

महावीर जयंती की पूर्व संध्या पर जैनियों ने निकाला अहिँसा यात्रा

पटना। जैन धर्म के 24 वें तीर्थकर भगवान महावीर स्वामी के जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर आज यहाँ जैन धर्मावलंबियों ने एक भव्य अहिँसा यात्रा का आयोजन किया। इस अहिंसा यात्रा के संयोजक सुबोध जैन ने बताया कि यह यात्रा जैन संघ, पटना, रोटरी पाटलिपुत्र एवं जैन युवा जागृति मंडल के संयुक्त तत्वावधान में निकाली गई। यह अहिँसा यात्रा प्रातः सात बजे कारगिल चौक से निकलकर खादी मॉल, आरबीआई, होटल मौर्य, फ्रेजर रोड, एसपी वर्मा रोड, न्यू डाक बंगला रोड, डाक बंगला चौराहा होते हुए मौर्य लोक पर इसकी समाप्ति हुई। इस अहिंसा यात्रा में सैकड़ों की संख्या में लड़के, लड़कियां, महिलाएं एवं पुरुषों ने भाग लिया। लड़के एवं पुरुष सफेद परिधान में एवं महिलाएं साड़ी एवं गणवेश में चल रही थी। इस अहिंसा यात्रा में लोग हाँथो में तख्तियां लेकर चल रहे थे जिनपर अहिंसा परमो धर्म शाकाहार सर्वोत्तम आहार निरोगी जीवन का एक ही मंत्र- शाकाहार शाकाहार शाकाहार हम सबने ठाना है - पानी को बचाना है सहित अनेको संदेश लिखे हुए थे। इस अहिंसा यात्रा को सफल बनाने में श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन महिला मंडल की सरला जैन एवं अर्चना जैन सहित मीठापुर दिगम्बर जैन महिला मंडल की ममता जैन सहित जैन युवा जागृति मंडल, रोटरी पाटलिपुत्र आदि का विशेष सहयोग रहा। मौके पर जैन संघ के महासचिव मुकेश जैन ने बताया कि संध्या बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स में महिला समितियों द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया सरस्वती वंदना से किया गया। इसमे छोटे छोटे बच्चों का भाव नृत्य किया गया। साथ हीं मीठापुर की महिलाओं एवं बच्चों द्वारा भक्ति नृत्य किया गया। मौके पर जैन संघ के अध्यक्ष प्रदीप जैन ने बताया कि मंगलवार चार अप्रैल को जैन संघ द्वारा एक भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी जो मीठापुर दिगम्बर जैन मंदिर से निकलकर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कदमकुआं पर समाप्त होगी। मीठापुर दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष बिजय जैन ने बताया कि मीठापुर दिगम्बर जैन मंदिर में इसकी तैयारियां चल रही है। जैन संघ के मीडिया सचिव एम पी जैन ने बताया कि यह शोभा यात्रा मीठापुर दिगम्बर जैन मंदिर से प्रातः आठ बजे निकालकर दस बजे कदमकुआं स्थित दिगम्बर जैन मंदिर पसहुँचेगी। यहां पर भगवान महावीर का 108 कलशों से अभिषेक होगा। आज की इस अहिंसा यात्रा में जैन संघ, पटना, रोटरी पाटलिपुत्र के सदस्यगण एवं जैन युवा जागृति मंडल के आशीष जैन, निखिल जैन, कार्तिक जैन, रोशन जैन, उमंग जैन, वरुण जैन एवं जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, पटना के अध्यक्ष पूनमचंद सिंघी, मंत्री राकेश कुमार रामपुरिया तेरापंथ युवक परिषद पटना अध्यक्ष विनय प्रकाश सेखानी, मंत्री राहुल बोथरा सदस्य अमृत भूटोरिया, नितिन जैन, ऋषभ दुगर, रोहित कोठारी, लक्ष्य जैन सहित पूरे पटना जैन समाज का सहयोग रहा।

हिंदू पुत्र संगठन ने शहर में निकाली श्रीरामनवमी की विशाल शोभायात्रा, श्रीराम के नारों से गुंजायमान रहा शहर

विधि व्यवस्था को लेकर समस्तीपुर एसपी व सदर डीएसपी खुद कर रहे थे मॉनिटरिंग, चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल के जवान रहे तैनात

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर शहर में रविवार को हिन्दू पुत्र संगठन के द्वारा श्रीरामनवमी की विशाल शोभायात्रा निकाली गई। इस विशाल शोभायात्रा में श्रीराम भक्त हिंदू पुत्र संगठन के कार्यकताओं व युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सासाराम और नालंदा की घटना को देखते हुए जिला प्रशासन के द्वारा काफी चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। विधि व्यवस्था को लेकर शोभायात्रा के मार्ग में चप्पे-चप्पे पर बड़ी संख्या में पुलिस बल के जवान तैनात थे। समस्तीपुर एसपी, सदर डीएसपी व विभिन्न थानों के थानाध्यक्ष सहित सैकड़ों की संख्या में पुलिस बल के जवान शोभा यात्रा के दौरान मुस्तैदी के साथ शोभायात्रा के साथ-साथ चल रहे थे। शहर के भोला टॉकीज के पास स्थित लक्ष्मेश्वर मंदिर से जय श्रीराम के गगनभेदी नारों के साथ विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा ने पूरे शहर का भ्रमण किया और जिस कारण शोभायात्रा वाले मार्ग में घंटों सड़क जाम रहा। समूचा शहर उत्साही हिंदू युवाओं की टोलियों के जय श्रीराम के नारों से गुंजायमान रहा। बता दें कि शोभायात्रा में पचास से अधिक घोड़ा, भगवान की झांकी और श्रीराम भक्तों की 25 हजार से अधिक भीड़ के साथ निकली। कार्यक्रम का नेतृत्व और संयोजन हिंदू पुत्र संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अविनाश कुमार उर्फ बादल सिंह कर रहे थे। कार्यक्रम में हिंदू पुत्र संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव ब्रह्मर्षि, भाजपा नेता रामसुमरन सिंह और विधान परिषद उम्मीदवार वरुणेश विजय आकर्षण के केन्द्र बने रहे। मौके पर शिवम सिंह सौरभ, प्रशांत पांडे, राहुल पांडे, आर्य वत्स, एनएसयुआई नेता चंचल कौशिक, पीयुष राय, भाजयुमो नेता चिन्मय चौधरी, अखिलेश शर्मा, मदन पांडेय रेवाडी, आरएसएस जिला सह कार्यवाह शिवम कुमार सनातनी सहित शहरवासियों की पूरा हुजूम था। हम (से) नेता वरुणेश विजय ने बताया कि मयार्दा पुरुषोत्तम राम के नीतियों पर चलना ही हमारे जीवन का उद्देश्य हैं। भगवान श्रीराम भारत वासियों के कण-कण में विराजमान हैं। रामचरितमानस और राम विरोधी तमाम दुष्टों को नैतिकता के आधार इस भीड़ जो आम जनमानस की है कि लिए चुप रहकर प्रभु की वंदना करनी चाहिए। शोभायात्रा काशीपुर, पटेल मैदान, गोलंबर, ओवरब्रिज होते हुए स्टेशन रोड, गोला रोड में जाकर खत्म हुआ। शोभायात्रा का जगह-जगह लोगों ने छत से फूल बरसाकर स्वागत किया।

स्वर्ण व्यवसायी से पिस्तौल के बल पर 30 लाख के जेवरात की लूट

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले के सिंघिया थाना क्षेत्र अंतर्गत एक स्वर्ण व्यवसायी से पिस्तौल के बल पर करीब 30 लाख रुपए मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात लूट लिए गए। घटना शनिवार की रात की बतायी गई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद सिंघिया थाने की पुलिस के द्वारा थाना क्षेत्र के विभिन्न चौक-चौराहों की नाकेबंदी कर अपराधियों की तलाश की जा रही थी। मिली जानकारी के अनुसार, पिपरा घाट चौक पर दुकान करने वाला स्वर्ण व्यवसायी शनिवार रात करीब 8:30 बजे अपनी दुकान बंद कर बाइक से हरहदिया गांव स्थित घर लौट रहा था। स्वर्ण व्यवसायी बाइक पर तीन लोगों के साथ था। बताया जाता है कि स्वर्ण व्यवसायी के दुकान बंद कर घर जाते समय ही बदमाश पीछे लग गये थे। बदमाश भी तीन की संख्या में थे। जैसे ही रास्ते में सुनसान जगह पर ओवरटेक कर बदमाशों ने घेरने के बाद पिस्तौल से हमला कर दिया। सिर पर वार किए जाने से स्वर्ण व्यवसायी व उसके साथ के लोग जमीन पर गिर गए। उसके बाद तीनों बदमाश सोने-चांदी के जेवरात वाला बैग लेकर सिंघिया की ओर नहा निकला। जिसके बाद स्वर्ण व्यवसायी ने पुलिस को घटना की सूचना दी। दुकानदार राजा साह का कहना है कि उसके बैग में 25 से 30 लाख के सोने और चांदी के जेवरात थे। इस संबंध में सिंघिया थानाध्यक्ष केके मंडल ने बताया कि बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए चौक-चौराहों की नाकेबंदी कर जांच शुरू कर दी गयी है। मामले की पूरी तरह जांच के बाद ही लुटे गए जेवरात के बारे में स्पष्ट रूप से जानकारी दी जा सकती है। विदित हो कि उक्त स्वर्ण व्यवसायी की दुकान में इससे पहले भी चोरी की भीषण घटना हुई थी, जिसमें चोर लाखों की जेवरात ले गए थे।

बिहार के जल संसाधन मंत्री ने बिहार टॉपर छात्र को किया सम्मानित

शिवाजीनगर, प्रात : किरण संवाददाता

खानपुर प्रखंड क्षेत्र के डीपीएस सिरोपट्टी के परिसर में जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने रविवार को बिहार बोर्ड की परीक्षा 2023 में 481 अंक के साथ पांचवां स्थान प्राप्त करने वाले चंदन कुमार को मिथिला की परंपरा के अनुसार पाग, चादर और माला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंत्री श्री झा ने कहा कि बिहार में मेधा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता है कि उसे सही मार्गदर्शन मिले। उन्होंने चंदन कुमार की प्रसंशा करते हुए कहा कि मन लगाकर पढ़िए और देश में नाम रौशन कीजिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित की सेवा सबसे बड़ी सेवा है। अतः अपने देश को दुनिया की परिधि में लाने के लिए समुचित योजना बनाकर उसपर काम कीजिए। ताकि पूरे समाज के लोग आप पर गर्व कर सकें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्थानीय जिला पार्षद स्वर्णिमा सिंह ने कहा कि बिहार में गांव और गरीब के बच्चे काफी मेहनती होते हैं। कठिन परिश्रम, लगन और संघर्ष कर वे देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने चंदन कुमार को राज्य में 5वां स्थान प्राप्त करने पर बधाई देते हुए आगे और अच्छा करने के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उनके माता पिता को तनाव मुक्त वातावरण निर्माण के लिए आग्रह किया। ताकि बच्चे बाधा रहित वातावरण में अध्ययन और अध्यापन का कार्य कर सकें। मौके पर पूर्व सांसद प्रतिनिधि रविन्द्र नाथ सिंह, डीपीएस के संस्थापक रामदेव सिंह, डायरेक्टर प्रकाश कुमार, जदयू प्रखंड अध्यक्ष रामनारायण सिंह, जिला पार्षद स्वर्णिमा सिंह, मुखिया अरुण कुमार सिंह, पैक्स अध्यक्ष डॉक्टर चंद्रभूषण गुप्ता, डॉ लाल बाबू, समाजसेवी रामबली चौधरी, मनोज कुमार सिंह, उपेंद्र कुमार सिंह, डॉक्टर दिलीप कुमार महतो, सुरेंद्र कुमार सिंह, अजीत कुमार सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

दी गई स्वच्छता संबंधी जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन प्रखंड की वाजिदपुर मेयारी पंचायत के वार्ड 05 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण अभियान के तहत जागरूकता अभियान का आयोजन हुआ। इसमें योग, स्वच्छता, रक्ताल्पता एवं परिवार नियोजन के संबंध में पोषक क्षेत्र की महिलाओं को विस्तृत जानकारी दी गई। मुखिया बिरजू राय ने कहा कि जीवन में स्वच्छता का विशेष महत्व है। स्वयं को स्वस्थ एवं स्वच्छ रखते हुए अपने नौनिहालों की उचित देखभाल करना माताओं का विशेष दायित्व है। माताएं जितनी जागरूक होंगी, उनके बच्चे उतने ही स्वस्थ एवं प्रसन्नचित्त रहेंगे। मौके पर आंगनबाड़ी सेविका वीणा कुमारी एवं प्रखंड समन्वयक आंचल कुमारी के अलावा पोषक क्षेत्र की दर्जनों महिलाएं मौजूद थे।

शिवाजीनगर प्रखंड कांग्रेस कमिटी ने प्रेस वार्ता का आयोजन किया

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

शिवाजीनगर, समस्तीपुर। शिवाजीनगर प्रखंड में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर बिहार सहित पूरे देश के सभी प्रखंडों में जय भारत सत्याग्रह के शुभारंभ करने वास्ते प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में आरोप लगाते हुए कहा गया कि मोदी सरकार के द्वारा लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। विपक्ष के द्वारा उठाए जा रहे हैं आवाज का जवाब देने के बदले आवाज को दबाया जा रहा है। संसद में खड़ा होकर अडानी के बेईमानी संपत्ति के बारे में सवाल पूछते हैं तो झूठा केस में फसाया जा रहा है। अडानी के खाते में 20 हजार करोड़ रूपया किसका है, इसका जवाब देने की मांग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की गई। आवाज बुलंद करते हुए कांग्रेस कार्यकताओं के द्वारा कहा गया कि राहुल गांधी की सदस्यता बहाल करनी होगी। मौके पर प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष नंदकुमार चौधरी, वरिय कांग्रेस नेता कन्हैया चौधरी, युवा कार्यकर्ता अजीत कुमार सिंह, सूरज पासवान, विनोद झा, नीतीश कुमार, फौजदार सदा एवं दिलीप झा आदि उपस्थित थे।

गंगापुर के पूर्व मुखिया व शिक्षक के निधन पर वित्त मंत्री ने जताया दुख

प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन, समस्तीपुर। बिहार सरकार के वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी ने रविवार को गंगापुर गांव स्थित मुखिया विजय राय के पिता स्व० राजेंद्र राय 70 एवं भोजपुर गांव निवासी स्व० शिक्षक शंभु राय 43 के परिजनों मिले। श्री मंत्री ने दोनों मृतक के परिजनों से मिलकर संतावना देते हुये ढाढ़स बंधाया। श्री चौधरी ने परिजनों से कहा की इस दुख की घरी में धैर्य और साहस से काम लेने की सलाह दिया। और कहा कि हम इस दुख की घड़ी में आपके शोक संतप्त परिवार के साथ हर हमेशा साथ हैं और साथ रहेंगे। वहीं श्री चौधरी ने क्षेत्र के एक दर्जन गांवों का भ्रमण भी किया और लोगों से मिलकर हालचाल जाना। इससे पूर्व मंत्री ने पूर्व मुखिया के प्रति दो मिनट का मौन रखकर श्रदांजलि दिया। और मृतक की आत्मा की शांति की कामना किया। मौके पर जदयू प्रखंड अध्यक्ष रामाश्रय प्रसाद, प्रमुख वीणा कुमारी, उप प्रमुख संजीव ठाकुर, संतोष पटेल, अखिलेश ठाकुर, रंजीत पटेल, राजीव दास, संजय राय, ऋषभ कुमार ठाकुर, विकास कुमार ठाकुर, दयानंद दास, दानिश कमाल, शहादत हुसैन, संतोष राम आदि सैकड़ों लोगों ने साथ रहकर सांत्वना दिया।

पत्नी के मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी के आरोपी पति को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कल्याणपुर, प्रातः किरण संवाददाता। चकमेहसी थाना क्षेत्र के डढिया गांव से शनिवार की देर रात पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर पत्नी के साथ मारपीट करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान डढिया गांव निवासी बैधनाथ दास के पुत्र संतोष कुमार के रूप में हुई है। वह चकमा से पुलिस ने जख्मी के फर्द बयान के आधार पर उक्त आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। ज्ञात हो कि डडिया गांव में शनिवार को ससुराल वालों ने एक महिला को आपसी विवाद को लेकर मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। परिजनों ने जख्मी महिला को ईलाज के लिए पीएचसी कल्याणपुर में भर्ती कराया। जहां मौके पर मौजूद डॉ मोहम्मद हैदर ने जख्मी महिला की स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद इलाज के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर के लिए रेफर कर दिया गया। डॉक्टर ने बताया कि महिला को प्राइवेट अंग में गंभीर चोट होने कि बात कहा है। जिसको लेकर सदर अस्पताल समस्तीपुर रेफर कर दिया गया है। वहीं थाना अध्यक्ष चन्द्र किशोर टुडू ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

द्वितीय चरण के जाती आधारित जनगणना प्रशिक्षण प्रारंभ।

शिवाजीनगर, प्रात : किरण संवाददाता

शिवाजीनगर में जाति आधारित गणना की द्वितीय चरण की प्रपत्र आधारित और मोबाइल ऐप आधारित प्रशिक्षण राधा कृष्ण गोविंद गोस्वामी महाविद्यालय शिवाजीनगर में प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण को प्रखंड चार्ज पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी हरिओम शरण ने प्रारंभ कराया। प्रशिक्षण प्रारंभ के अवसर पर उन्होंने कहा द्वितीय चरण की गणना में दोहरी प्रविष्टि नहीं होनी चाहिए। गलती करने वाले पर्यवेक्षक एवं प्रगणक पर होगी कार्रवाई। मास्टर ट्रेनर के द्वारा प्रशिक्षण में विस्तृत रूप से जाति आधारित गणना संपन्न कराया जा सके। इसको लेकर प्रशिक्षण में भाग ले रहे सभी पर्यवेक्षक को सभी प्रगणक को मोबाइल ऐप एवं प्रपत्र आधारित इंट्री करना एक-एक कर बारी-बारी से सिखाया गया। प्रशिक्षण में प्रपत्र में 17 प्रकार की प्रश्न को भरवा कर भी बताया गया। एक अप्रैल 2023 से 10 अप्रैल 2023 तक क्षेत्र वार तभी प्रवेक्षक एव प्रगणक को प्रशिक्षण दिया जाएगा। मौके पर मास्टर ट्रेनर सह पूर्व बीआरपी बालमुकुंद सिंह, मृत्युंजय राय, उमेश राय, मृत्युंजय कुमार सिंह, सहायक ट्रेनर राजकुमार मुखिया, रामनाथ राय, शांति भूषण राय, राजू कुमार, रामबालक सिंह, नित्यानंद सिंह, राजेश कुमार साह, राम किशोर सिंह, कृष्ण कुमार सहित अन्य ने भाग लिया।

नशीला पेय पदार्थ पिलाने के बाद ई-रिक्शा चालक की गला दबाकर हत्या, एक महिला हिरासत में

विभूतिपुर, प्रातः किरण संवाददाता। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के मंदा गांव में एक 35 वर्षीय ई-रिक्शा चालक की हत्या नशीले पेय पदार्थ पिलाने के बाद गला दबाकर करने का मामला प्रकाश में आया है। मृतक की पहचान मंदा वार्ड 08 निवासी स्वर्गीय जयजय राम सिंह के पुत्र आलोक कुमार सिंह उर्फ बिल्टा (35 वर्ष) के रूप में किया गया है। मृतक का शव मंदा ठाकुरबारी के चबूतरे पर पड़ा हुआ था। देखने से प्रतीत हो रहा था कि अन्यत्र नशीले पेय पदार्थ पिलाने के बाद गला दबाकर हत्या कर शव को ठाकुरबारी के चबूतरा पर लाकर रख दिया। हत्या का कारण अवैध संबंध की चर्चा हो रही है। वहीं विभूतिपुर थाना घटनास्थल पर पहुंचकर पूछताछ के लिए एक महिला को हिरासत में लिया है। मृतक की पत्नी रानी देवी की रो-रोकर बुरा हाल हो रहा था। मृतक के 2 पुत्र बताया गया है जिसमें एक का उम्र 10 वर्ष एवं एक का 8 वर्ष बताया गया है। घटना के संबंध में थानाध्यक्ष संदीप पाल ने बताया कि प्रेम-प्रसंग को लेकर नशीले पेय पदार्थ पिलाने के बाद गला दबाकर हत्या करने का प्रतीत हो रहा है। एक महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही हैं।

जल संसाधन मंत्री संजय झा ने शिवाजीनगर प्रखंड में जदयू कार्यकताओं से की मुलाकात

प्रात : किरण संवाददाता

शिवाजीनगर, समस्तीपुर। जल संसाधन मंत्री संजय झा ने बहेड़ी प्रखंड के मधुबन गांव स्थित पुराने समाजवादी जदयू नेता रघुनाथ मंडल की निधन हो जाने पर उनके परिवार वालों से मिलकर सांत्वना दी। वहीं दौडा के क्रम में शिवाजीनगर प्रखंड के पूर्व प्रखंड प्रमुख अशफीर्लाल सिंह के निधन पर परिजनो से मिले। उसी दौरान डुमरा मोहन पंचायत के मुखिया सुनैना देवी के घर पर रुक-कर कर जदयू कार्यकताओं से मिले। बल्लीपुर गांव में भी रूक कर कार्यकर्ताओ से मिले हाल समाचार ली। मौके पर संतोष कुमार सिंह, प्रखंड अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह मुखिया रामपुकार सिंह, पूर्व समिति बसंत कुमार सिंह, दीपक कुमार, श्ववन कुमार सिंह, मिथिलेश कुमार सिंह, अनिल सिंह, प्रदीप कुमार, बीएन सिन्हा, रामबाबू, रामपुकार सिह इंजीनियर, पंचायत अध्यक्ष विनोद कुमार, अरुण सहनी, सुरेश प्रसाद सिंह सहित अन्य कार्यकताओं ने भाग लिया।

किसनपुर और डीह बेलसंडी में गेहूं के खेत में लगी आग लगभग आठ बीघा का हुआ नुकसान

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर प्रखंड के डीह बेलसंडी एवं किशनपुरा टभका में आग लगने से लगभग आठ बीघा जमीन में लगी गेहूं के फसल जलकर खाक हो गया। लाखों के क्षति का अनुमान लगाया गया है। जिसमें डीह बेलसंडी में सत्तो पासवान, शिव शंकर कुमार, जागेश्वर सिंह, चंद्रशेखर ठाकुर, उपेंद्र महतो, राम शगुन सिंह, राम उदगार सिंह, राम बहादुर सिंह सहित अन्य लोग कि भी फसल जलकर खाक हो गया। वहीं टभका पंचायत के किशनपुर टभका में परमानंद चौधरी, कामेश्वर चौधरी, नेवालाल दास, कपल दास, सेठ दास, घनश्याम चौधरी लगभग 5 बीघा सहित अन्य लोगों के फसल जलकर नष्ट हो गए। इसकी सूचना पर पहुंची अग्निशामक दस्ता एवं स्थानीय ग्रामीणों के अथक प्रयास आग पर काबू पाया गया। जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक में सारा फसल जलकर नष्ट हो चुका था। अंचलाधिकारी अशोक कुमार यादव ने बताया कि गेहूं की फसल में आग लगने की सूचना मिली है हल्का कर्मचारी को निर्देशित किया गया है। फसल का सर्वे कराया जा रहा है उचित मुआवजा जांच उपरांत दिया जाएगा।

भाजपा को करारी शिकस्त का डर सता रहा : कुशवाहा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह के दुष्प्रचार और जुमलेबाजी को बिहार की जनता अच्छी तरह से समझ चुकी है। वें प्रदेश की होशियार जनता को बेवकूफ बनाने और समझने की गलतफहमी कत्तई न पालें। झूठ और गलतबयानी से जनता को आप बार-बार मूर्ख नहीं बना सकतें। भाजपा नेताओं का असली चाल और चरित्र जनता अब स्पष्ट रूप से समझ गई है। वो जानती है कि भाजपा के लोगों ने मूल मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने में महानता हासिल कर रखी है। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बिहार की जनता को झूठ के सहारे भरमाने का कोई भी प्रयास कभी सफल नहीं होने वाला। समाजिक सौहार्द को बिगाड़कर भाजपा के लोग अपनी सत्ता की भूख को शांत करना चाहते है। इन लोगों को जनहित से दूर-दूर तक कोई वास्ता नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह बिहार आते हैं तो उन्हें इस बात का जवाब भी देना चाहिए कि अन्य अमीर राज्यों के मुकाबले केंद्र सरकार गरीब राज्य बिहार को सबसे महंगी बिजली क्यों देती है? उन्हें जवाब देना चाहिए कि पिछड़े-अतिपिछड़े छात्रवास योजना को बंद क्यों किया? प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह को 2024 के लोकसभा चुनाव में बिहार की सभी चालीस लोकसभा सीटों पर करारी शिकस्त का डर सता रहा है। क्योंकि बिहार की जनता केंद्र सरकार की दोहरी नीति से बेहद नाराज है। भाजपा के लोग यहाँ की जनता के गुस्से को देखते हुए समझ चुके हैं कि इस बार बिहार में उनका सफाया निश्चित है और इसीलिए सारे भाजपाई बौखलाए हुए हैं।

बाबासाहेब व संत गाडगे के आदर्शों पर चल रहें मुख्यमंत्री : उमेश कुशवाहा

- धोबी स्वाभिमान सम्मेलन में बोले जदयू के प्रदेश अध्यक्ष

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। अखिल भारतीय धोबी महासमाज द्वारा आयोजित धोबी स्वाभिमान सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा आप सभी से रू-ब-रू होकर मुझे बड़ी प्रसन्नता हो रही है, विशेषकर इस बात से कि आपलोगों ने इस सम्मेलन का नाम स्वाभिमान सम्मेलन रखा है। अपने स्वाभिमान, मान-सम्मान, स्थान और अपने उज्जवल भविष्य के निर्माण के लिए सजग और संगठित होना तथा मिलकर संघर्ष करना, यही हमें बाबासाहेब अंबेडकर और संत गाडगे जैसे महापुरुषों ने सिखाया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामेश्वर रजक ने किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध आजीवन लड़ने वाले बाबासाहेब अंबेडकर और संत गाडगे जैसे महापुरुषों के विचारों और आदर्शों पर चलकर ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने 17 वर्षों के कार्यकाल में वंचित तबकों के उत्थान के लिए जितने कार्य किए हैं उसकी आज चारों ओर चर्चा होती है। कहा कि आज बिहार में आपके लिए हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का समान अवसर उपलब्ध है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार आप किसी भी मामले में किसी अन्य से पीछे नहीं हैं। इन सबके बावजूद भी अगर आप सभी की कुछ मांगें हैं, जो किसी कारणवश अब तक पूरी नहीं हो पाई हों, तो उन्हें हमारी सरकार तत्परता के साथ पूरा करेगी। उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार के लिए पूरा बिहार ही उनका परिवार है और राजनीति को उन्होंने हमेशा सेवा का जरिया माना है। आपलोगों को आज मैं आश्वस्त करना चाहता हूँ कि धोबी घाटों के जीर्णोद्धार तथा अन्य तमाम जरूरी सुविधाओं के लिए आप जो भी सुझाव देंगे, उन पर अमल करने का हरसंभव प्रयत्न होगा।

जाति आधारित जनगणना को लेकर दिया जाएगा प्रशिक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड के जनता महाविद्यालय के सभागार में जाति आधारित जनगणना में भाग लेने वाले प्रगणक और पर्वेक्षक का प्रशिक्षण 3 अप्रैल से 6 अप्रैल तक होगा। यह जानकारी देते हुए बीडीओ ने बताया की प्रखंड में प्रतिनियुक्त सभी पर्यवेक्षक एवं प्रगणक भाग लेकर प्रशिक्षण लेंग। उन्होंने बताया है कि जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार जाति आधारित जनगणना को लेकर के प्रगणक एवं पर्यवेक्षक का प्रशिक्षण देना है। जिसके लिए समय निर्धारित किया गया है। जिसमें 3 अप्रैल से 6 अप्रैल तक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

अरहर काटने के विवाद को लेकर हुई मारपीट में आधा दर्जन जख्मी

गोपालगंज। जिले के भोरे थाना क्षेत्र के शुक्ल डूमर गांव में अरहर काटने के विवाद को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प हो गया। जिसमें एक पक्ष के आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सभी को स्थानीय अस्पताल से गोपालगंज सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि डूमर नरेंद्र गांव निवासी संजीव कुमार ने आरोप लगाया है कि अरहर की फसल काटने के दौरान कुछ लोगों ने धारदार से हमला कर जख्मी कर दिया। इस घटना में दोनों पक्षों से घायल मोहन पाल, सुरेंद्र पाल, सोमारी पाल, सरस्वती देवी, फुलेना पाल और शिवम का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है।

भोरे में शराब के नशे में किशोर सहित छह गिरफ्तार

गोपालगंज। जले के भोरे थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र की अलग-अलग जगहों से शराब के नशे में हंगामा करते किशोर सहित छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया। जिन्हें आवश्यक कार्रवाई के बाद कोर्ट में पेश किया गया। पकड़े गए लोगों में थाना क्षेत्र पडरौना गांव के एक किशोर और अरुण कुमार, हरिहरपुर के रामेश्वर राम, सेमरौना धीरन शर्मा, कुआड़ीडीह के नंदजी साह एवं सीवान जिले के दरौली के राजू राम है।

लुहसी नहर से 60 बोतल शराब के साथ दो आरोपित गिरफ्तार

गोपालगंज। जिले के उचकागांव थाना क्षेत्र के लुहसी नहर के समीप पुलिस ने सूचना के आधार पर छापेमारी कर नहर के तलहटी में बोरे में रखकर छुपाए गए 60 बोतल देसी शराब बरामद कर लिया। इस दौरान पुलिस ने मौके से भाग रहे दो आरोपितों को भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान थाना क्षेत्र के लुहसी गांव के गुड्डू महतो और उनके भाई सुशील कुमार के रूप में की गई है। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी करने के बाद दोनों गिरफ्तार आरोपितों को रविवार के दिन न्यायालय में प्रस्तुत किया।

हत्याकांड समेत 55 आरोपित गिरफ्तार, भेजे गये जेल

गोपालगंज। गोपालगंज पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर हत्या के एक आरोपित समेत 55 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में हत्या के एक, हत्या के प्रयास के एक, शराब कांड के मामले में 33, एनडीपीएस एक्ट में एक, चोरी कांड में एक तथा 16 वारंटी शामिल है। इसके साथ ही पुलिस ने एक ट्रक, एक कार, दो बाइक, एक साईकिल, 115.4 ग्राम गांजा के साथ 281.2 लीटर देशी व 2980.26 लीटर विदेशी शराब को जप्त किया है। इस दौरान पुलिस के द्वारा 45 वारंट के मामलो का निष्पादन भी किया गया है। अभियान के दौरान दो मामलों में इस्तेहार चस्पा किया गया। वही वाहन जांच के दौरान पुलिस ने 5000 रुपएं जुमार्ने के रूप में वसूल किया है।

थावे में मारपीट कर छीन लिए 25 हजार रुपए

गोपालगंज। जिले के थावे थाना क्षेत्र के पिठौरी गांव में एक युवक को मारपीट कर घायल कर दिया गया और जेब में रखा 25 हजार रुपये छीन लिया गया। घटना 26 मार्च की बताई जा रही है। जिसको लेकर मांझागढ़ थाना के धोबवलिया गांव के समी एजाज ने प्राथमिकी में आरोप लगाया है कि धोबवलिया बाजार पर चाय पीने जा रहा था। जैसे ही थावे थाना क्षेत्र के पिठौरी वाला सड़क पर पहुँचा तो पहले से घात लगाए हुए परबेज आलम व शोएब अख्तर सहित अन्य लोग रोककर गाली गलौज करते हुए मारपीट कर घायल कर पॉकेट में से 25 हजार रुपये निकाल लिए। घायल का इलाज सदर अस्पताल में हुआ। जिसको लेकर समी एजाज ने थावे थाना में मांझागढ़ थाना के धोबवलिया गांव के रहमतुल्लाह व अब्दुल अजीज सहित पांच नामजद के विरुद्ध प्राथमिकी कराई है।

नीलाम पत्र वाद का दो वारंटी गिरफ्तार

गोपालगंज। जिले के थावे थाने के एएसआई भगवान प्रसाद यादव ने नीलाम पत्र वाद में जारी किए गए वारंट के आधार पर दो वारंटी को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष शशि रंजन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार वारंटी गोपलामठ गांव के समीम अंसारी व नंदू राम के पास बैंक का बकाया है। पूछताछ के बाद दोनो गिरफ्तार वारंटी को रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

शराब के नशे में हंगामा कर रहे दो युवक गिरफ्तार

गोपालगंज। जिले के थावे थाने की पुलिस ने शराब के नशे में हंगामा कर रहे दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक थावे थाना के एसआई धीरेन्द्र कुमार को सूचना मिली थी कि शराब के नशे में दो युवक हंगामा कर रहे है। जिसके आधार पर त्वरित कारवाई करते हुए दोनो युवको को गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गए आरोपितों की पहचान थाना क्षेत्र के चितुटोला गांव के पंकज साह व अमन कुमार पांडेय के रूप में की गई है।

गोपालगंज में लाखों की जब्त शराब पर चला बुलडोजर

प्रशासन व मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में 5277 लीटर शराब को किया गया नष्ट

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

गोपालगंज में छापेमारी में जब्त की गई शराब की बोतलों को जेसीबी चला कर नष्ट किया गया। उत्पाद विभाग व पुलिस ने पिछले दिनों जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की थी, इसमें 2902 लीटर देसी और 2368.505 लीटर विदेशी शराब जब्त किया गया था।

इसके बाद अब कानूनी प्रक्रिया के तहत जब्त शराब की बोतलों पर बुलडोजर चलवा दी गई। रविवार को हथुआ एसडीपीओ नरेश कुमार, उत्पाद अधीक्षक राकेश कुमार सहित मद्य निषेध विभाग के अधिकारी और मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में हथुआ अनुमंडल के सबेया फिल्ड में 2902 लीटर देशी और 2368.505 लीटर विदेशी शराब पर जेसीबी चलाया गया।

नष्ट किए गए शराब की कीमत लाखों में बताई जा रही है। उत्पाद अधीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि शराबबंदी अभियान को सफल बनाने के लिए पुलिस पड़ोसी उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में लगातार छापेमारी कर कार्रवाई कर रही है। इसका नतीजा है कि उत्पाद विभाग व पुलिस के द्वारा 56 कांडो में जप्ब करीब 5277.505 लीटर अवैध शराब को जब्त कर उसे जेसीबी से नष्ट कराया गया। शराब को नष्ट करने की इस कार्रवाई की वीडियोग्राफी करवा कर इसे कोर्ट के साथ-साथ जिलाधिकारी को भी सौंपा जाएगा। उन्होने कहा कि शराब तस्करों को पनाह नहीं दी जाएगी। उत्पाद विभाग की टीम लगातार अभियान चलाकर शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करेगी, साथ ही अवैध शराब को भी नष्ट करेगी।

बाबा साहेब की जयंती धूमधाम से मानने को लेकर हुई बैठक

बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का किया गया आह्वान

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के फुलवरिया प्रखंड के कौशल विकास केंद्र परिसर में रविवार को अध्यक्ष सह मुखिया अल्ताफ हुसैन की अध्यक्षता में मौजूद गणमान्य जनप्रतिनिधि व प्रबुद्ध व्यक्तियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें पंचायत में आगामी 14 अप्रैल को बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी इसपर विचार विमर्श

किया गया। साथ ही उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लोगों से आह्वान भी किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष सह मुखिया अल्ताफ हुसैन ने कहा कि बाबा साहेब की जयंती को धूमधाम से मनाया जाएगा और उनकी प्रतिमा स्थापना को लेकर स्थल का भी चयन किया जा रहा है। इस दौरान बैठक में मौजूद कई लोगों ने बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के विचारों व उनके उद्देश्यों पर चर्चा करते हुए अपना वक्तव्य भी दिया। बैठक में देवेंद्र राय उर्फ देवी बाबू, उपेंद्र यादव, अगस्त शर्मा, योगेंद्र राम, गौतम माझी, राजेश कुमार साह, सुभाष यादव, शिवजी, सुदीश यादव, मेघनाथ राम, बद्री विशाल आदि लोग मौजूद रहे।

दो पक्षों के बीच चाकूबाजी

छपरा। सारण जिले के कोपा थाना अंतर्गत पतीला गांव में रविवार की सुबह में शौच करने जा रहे एक युवक को कुछ युवकों ने घेर लिया और मारपीट करने लगे इस सुचना मिलते ही परिजन उसे बचाने पहुंचे तो उक्त मन बढ़त युवकों ने चाकू से वार करने लगे जिस से चार लोगो को चाकू घोंप कर घायल कर दिया। आनन-फानन में चारो लोगों को छपरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां गंभीर स्थिति को देखते अस्पताल में मौजूद डॉक्टर ने तीन लोगों को बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। चाकू लगने से जख्मी में कोपा थाना क्षेत्र के पतीला ग्राम निवासी जितेंद्र राम का 24 वर्षीय पुत्र कमलेश राम, रामदेव राम का 45 वर्षीय पुत्र जितेंद्र राम, प्रशांत राम का 19 वर्षीय पुत्र अंकित कुमार एवं शंकर राम का 36 वर्षीय पुत्र जयराम शामिल है।

फुलवरिया में अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराई, एक घायल

भागीपट्टी समउर-मीरगंज मुख्य पथ पर हुई घटना पहुंची पुलिस

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के फुलवरिया थाना क्षेत्र के भागीपट्टी समउर-मीरगंज मुख्य पथ के किनारे बथुआ बाजार के समीप बालेपुर के पास एक अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकरा गई। जिसमें बाइक सवार एक वृद्ध व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। सड़क के किनारे घायल को देख ग्रामीणों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए थाने में पदस्थापित एएसआई धनंजय सिंह पुलिस बल के जवानों के साथ पहुंचे। जहां खून से लहूलुहान घायल को आनन-फानन में ग्रामीणों की मदद से इलाज के लिए बथुआ बाजार स्थित एक निजी हॉस्पिटल में दाखिला कराया। जहां

चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति नाजुक देख बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज रेफर कर दिया। घायलों में धूम नगर गांव के निवासी लक्ष्मण माली है। उधर घटना के बाद पुलिस घायल के परिजनों को दुर्घटना की सूचना दी। जहाँ परिजन पहुंचकर घायलों का इलाज करा रहे हैं। वही घटना के बाद लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश के अनुसार होगी मतगणना प्रक्रिया: निर्वाची पदाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। निवार्ची पदाधिकारी, 03-सारण स्नातक/शिक्षक निर्वाचन 2023 क्षेत्र-सह-आयुक्त, सारण प्रमंडल, सर्वानन एम. के द्वारा बताया गया कि बिहार विधान परिषद के 03 सारण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र एवं 03-सारण शिक्षक निर्वाचन द्विवार्षिक/उप निर्वाचन-2023 हेतु मतगणना का कार्य 05 अप्रैल राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, छपरा में संपन्न होगा। मतगणना को स्वच्छ एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु संपूर्ण मतदान प्रक्रिया की विडियोग्राफी करायी जाएगी। रविवार को मतगणना के लिए प्रतिनियुक्त मतगणना पर्यवेक्षक के लिए आहूत प्रशिक्षण सत्र में निवार्ची पदाधिकारी- सह-आयुक्त सारण प्रमंडल सर्वानन एम के द्वारा भाग लिया गया। निवार्ची पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि मतगणना से संबंधित कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से निर्धारित समय सीमा के अन्दर सफलतापूर्वक कराने के उद्देश्य से 03- सारण स्नातक एवं 03-सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना हेतु राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, छपरा में अलग-अलग मतगणना केन्द्र बनाया गया है, जिसमें 14-14-गणना टेबुल एवं 01 ए.आर.ओ. टेबुल लगाये गये हैं। निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश के आलोक में प्रत्येक गणना टेबुल के लिए

एक पर्यवक्षक एवं दो गणना सहायकों की नियुक्ति की जाएगी। इसके साथ सही मतगणना के लिए प्रतिनियुक्त सभी सहायकों एवं कर्मियों को उनके कार्यों एवं दायित्वों की विस्तृत जानकारी प्रशिक्षण के माध्यम से दे दिया गया है। उन्हें निदेशित किया गया है कि मतगणना टेबुल चार्ट के अनुसार बजगृह से मतदान केन्द्र से संबंधित मतपेटिकाओं का ऑडेसिंग टैग से मिलान कर मतपेटिकाओं को प्राप्त करेंगे। मतपेटिका को खोलते समय पेपर सील को मतगणना अभिकत्ताओं को दिखाना होगा। आपत्ति होने पर इसकी जानकारी सहायक निवार्ची पदाधिकारी को देना सुनिश्चित करेंगे। गणना चार्ट के आधार पर गणना टेबुल पर पोल्ड मतपेटिकायें रखवाने, प्रत्येक गणना टेबुल से प्राप्त प्राथमिक गणना परिणाम एवं विस्तृत गणना परिणाम को संकलित करने और चक्रवार परिणाम तैयार करने से संबंधित सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा के अन्दर पूर्ण करने हेतु निदेशित किया गया है।

03- सारण स्नातक एवं 03- सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के मतगणना हॉल में एक-एक ए.आर.ओ टेबल स्थापित किया जाता है। 03-सारण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के मतगणना हेतु सहायक निवार्ची पदाधिकारी -सह- जिला पदाधिकारी पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी होंगे जबकि 03-सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए सहायक निवार्ची पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी, सीवान को नामित किया गया है। मतगणना केन्द्र पर विधि-व्यवस्था के प्रभार में सहायक निर्वाचन पदाधिकारी-सह- जिलाधिकारी, सारण एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव मंगला रहेंगे। सिविल सर्जन सारण को मतदान के एक दिन पहले संपूर्ण मतगणना हॉल एवं परिसर का सेनेटाईजेशन करवाने एवं मतगणना के दिन एम्बुलेंस एवं आवश्यक जीवन रक्षक दवा के साथ मेडिकल टीम की प्रतिनियुक्ति करने हेतु निदेशित किया गया। मतगणना केन्द्र पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु विद्युत कार्यपालक अभियंता को निदेशित किया गया है। उन्हें आदेश दिया गया है कि मतगणना कार्य की समाप्ति तक निर्बाध रुप से विद्युत की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। साथ ही मतगणना केन्द्र पर सफाई, जलापूर्ति, नास्ता - चाय, खाना आदि की व्यवस्था करने हेतु संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया गया है। प्रशिक्षण सत्र में सहायक निवार्ची पदाधिकारी -सह-जिला पदाधिकारी, सारण राजेश मीणा, उप विकास आयुक्त सारण श्री अमित कुमार, अपर समाहर्ता सारण डॉ गगन, जिला स्तरीय पदाधिकारी गण, 03-सारण स्नातकध शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित सभी जिला के उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं प्रतिनियुक्त मतगणना पर्यवेक्षक उपस्थित थे।

प्रशांत किशोर का सीएम नीतीश कुमार पर बड़ा हमला

नीतीश कुमार ही नहीं चाहते कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिले, वे बस इस मुद्दे पर राजनीति करते हैं: प्रशांत किशोर

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जन सुराज पदयात्रा के 183वें दिन की शुरूआत सारण के छपरा सदर प्रखंड अंतर्गत पूर्वी तेलपा पंचायत स्थित पदयात्रा कैंप में सर्वधर्म प्रार्थना से हुई। उसके बाद प्रशांत किशोर ने जिले के पत्रकारों के साथ संवाद किया। इसके बाद प्रशांत किशोर सैकड़ों पदयात्रियों के साथ पूर्वी तेलपा पंचायत से पदयात्रा के लिए छपरा शहर में निकले। प्रशांत किशोर की पदयात्रा का सारण में आज 20वां दिन है। इस दौरान वे जिले के अलग-अलग प्रखंडों के सैकड़ों गांवों में गए स्थानीय लोगों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को समझ कर उसका संकलन कर उसके समाधान के लिए ब्लू प्रिंट तैयार करने की बात कही। आज दिनभर की पदयात्रा के दौरान प्रशांत किशोर 2 पंचायत के 4 गांवों से गुजरते हुए 9 किमी की पदयात्रा तय की।

जन सुराज पदयात्रा के दौरान सारण के छपरा में मीडिया संवाद कार्यक्रम के दौरान सीएम नीतीश कुमार पर हमला करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा

देने की मांग नीतीश कुमार और अन्य दल तभी करते हैं, जब उनको उसका राजनीतिक लाभ हो। नीतीश कुमार जब केंद्र के विपक्ष में होते हैं, तब वो विशेष राज्य की मांग करते हैं। नीतीश कुमार के 17 साल के शासनकाल में 15 साल वो भाजपा के साथ सरकार में रहे है और उन 15 सालों में करीब 10 साल भाजपा केंन्द्र में रही है, उसके बाद नीतीश कुमार ये कहते हैं कि केंद्र सरकर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दे रही है। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलने से बिहार को ज्यादा लाभ नहीं होगा। बिहार में आईटी पार्क नहीं है, बिहार में चीनी मिल नहीं है, इन समस्याओं का विशेष राज्य से कोई लेना देना नहीं है। जब चंपारण और सारण प्रमंडल में 50 चीनी मिल थे, तब उस समय बिहार विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त नहीं था। लेकिन आज विशेष राज्य की मांग को राजनीति से जोड़ दिया गया है।

महागठबंधन सरकार पर पीके का बड़ा हमला: बोले - बिहार में पिछले कुछ महीनों में कानून व्यवस्था की स्थिति तेजी से बिगड़ रही है।

छपरा में पत्रकार वार्ता के दौरान बिहार में बढ़ रही आपराधिक घटनाओं का जिक्र करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि पदयात्रा के दौरान पिछले 2 महीने से कानून व्यवस्था को लेकर लोगों की चिंता के बारे में सबसे ज्यादा सुन रहा हूं। जब चंपारण से पदयात्रा शुरू हुई थी तब एक दो लोग कहते थे कि महागठबंधन के सत्ता में आने के बाद कानून व्यवस्था बिगड़ सकती है। लेकिन पिछले 2 महीने से सुनने को मिल रहा है कि कानून व्यवस्था बहुत तेजी से बिगड़ी है। लोग सिवान और छपरा में हर दिन हत्या, लूटपाट, डकैती, रंगदारी जैसे मामले की चर्चा कर रहे है। पूरे बिहार में इस साल 15 से ज्यादा मुखिया और 6 से ज्यादा सरपंचों को गोली मार दी गई है। बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था पिछले 2 महीनों में एक गंभीर समस्या बन गई है।

बिहार में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि जैसे 10 बड़े क्षेत्रों में बिहार को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल कराने की योजना बना रहे हैं: प्रशांत किशोर

जन सुराज पदयात्रा के दौरान छपरा में मीडिया संवाद के दौरान प्रशांत किशोर ने कहा कि यदि लोग सही तरीके से वोट करते हैं और एक सही विकल्प सत्ता में आ जाता है, जो बिहार के लोगों के द्वारा बनाया गया हो उसके पास एक सोची समझी योजना होनी चाहिए।

पदयात्रा का जो तीसरा उद्देश्य है कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, कृषि, शहरी विकास, ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय, खेल-कूद आदि जैसे 10 महत्वपूर्ण क्षेत्र के लिए एक 10 साल की सोची समझी योजना बनाई जाए। ऐसी योजना जो अफसरों के द्वारा ऑफिस में बैठकर नहीं बनाई गई हो। गाँव-गाँव से लोगों से सुझाव लेकर एक ऐसी योजना बना रहे हैं ताकि अगले 10 सालों में बिहार को देश के 10 अग्रणी राज्यों में शामिल किया जा सके।

आईआईटी की परीक्षा में विशाल नट ने किया बेहतर प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर। प्रखंड के लौवां पंचायत के मुड़वां खास गांव निवासी भरत नट के पुत्र विशाल कुमार ने देश की प्रतिष्ठित आईआईटी की मेंस परीक्षा में 83.4 प्रतिशत अंक लाकर गांव समेत प्रखंड का नाम रोशन किया है। गांव देहात में रहकर सीमित संसाधनों के बीच अपनी कड़ी मेहनत व लगन की बदौलत इस मुकाम तक पहुंचने पर परिजनों तथा ग्राम वासियों को अपने लाड़ले पर गर्व है। पिता सुखी लकड़ी की खरीद बिक्री कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। हालांकि वे अपने बच्चों की पढ़ाई के प्रति भी काफी सजग रहते हैं। आईआईटी की मेंस परीक्षा में सफल होने की खबर जैसे ही परिजनों को मिली उनके खुशी का ठिकाना नहीं रहा। गांव के सामाजिक कार्यकर्ता तथा बीडीसी रजांती देवी के पति हरेराम कुमार राम ने विशाल के घर पहुंचकर उसे मिठाइयां खिलाकर बधाइयां दीं तथा उसे प्रोत्साहित किया। साथ ही कहा कि मेघा में गरीबी अमीरी कोई मायने नहीं रखता। सच्ची लगन व परिश्रम से किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है।

5 से शुरू होगा 21वीं सारण जिला कबड्डी प्रतियोगिता

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। 21वीं सारण जिला कबड्डी प्रतियोगिता के सुपर आठ मुकाबले का आयोजन आगामी 7 एवं 8 अप्रैल को राम जंगल सिंह महाविद्यालय दिघवारा के खेल प्रांगण में आयोजित होगा । इस बात की जानकारी सारण जिला कबड्डी संघ के सचिव पंकज कश्यप ने दी । उन्होंने बताया कि सारण जिला के 16 प्रखंडों में कबड्डी के 70 से ज्यादा क्लब में बच्चे अभ्यास कर रहे, 1000 से ज्यादा खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते है । अध्यक्ष रमाकांत सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु सारण जिला को चार जोनों में बांटा गया है, प्रत्येक जोन से दो टीमों को सुपर 8 के मुकाबले के लिए एंट्री मिलेगी । इस आयोजन में छपरा जोन के अंतर्गत रिविलगंज, माझी, एकमा, जलालपुर एवं नगरा प्रखंड को रखा गया है, तथा इसके संयोजक सूरज कुमार एवं सह संयोजक सुशील सिंह को बनाया गया है । मसरख जोन के अंतर्गत बनियापुर ,लहलादपुर ,मसरख,इसुआपुर, तरैया प्रखंड को रखा गया है एवं इसके संयोजक कुमार कौशलेंद्र तथा सहसंयोजक अमित गिरी को बनाया गया है । गरखा जोन के अंतर्गत अमनौर, मरहौरा, गरखा एवं दिघवारा प्रखंड को रखा गया है, श्री राजेश कुमार को संयोजक एवं प्रमोद कुमार को सह संयोजक बनाया गया है । सोनपुर जोन के अंतर्गत दरियापुर, परसा, मकेर एवं सोनपुर प्रखंड को रखा गया है एवं सतीश कुमार को संयोजक एवं दीपक कुमार को संयोजक बनाया गया है। 05 अप्रैल को छपरा एवं गरखा जोन के मैच संबंधित जोन में खेले जाएंगे 06 अप्रैल को मसरख एवं सोनपुर जोन के मुकाबले खेले जाएंगे। सभी जोन से चयनित 02-02 टीम को सुपर 8 के लिए प्रवेश मिल सकेगा। सुपर 8 के मुकाबले 07 अप्रैल को राम जंगल सिंह महाविद्यालय के प्रांगण में आयोजित होगा। अशोक सिंह को आयोजन अध्यक्ष एवं दीपक कुमार को आयोजन सचिव बनाया गया है। आयोजन समिति में सारण जिला कबड्डी संघ के डॉ सुरेश प्रसाद सिंह, सभापति बैठा, डॉ हरेंद्र सिंह, देव कुमार सिंह, अमरेंद्र कु सिंह को संरक्षण मंडल में रखा गया है।

आपसी विवाद में हुई चाकूबाजी में दो घायल, एक की हालत गंभीर

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज। जिले के भोरे थाना क्षेत्र के हरदिया गांव में आपसी विवाद को लेकर हुयी चाकूबाजी में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन फानन में इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां एक युवक की हालत को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

बताया जाता है कि रामनरेश यादव का 18 वर्षीय पुत्र रंजय कुमार शनिवार की देर शाम अपने घर में बैठा था कि उसी समय उसी गांव का मंजूर आलम का पुत्र रब्बानी आलम ने उसे घर से बुलाया और गांव के बाहर स्कूल के पास आने के लिए कहा। इसके बाद रंजय यादव अपने दोस्त सोहेल मियां के साथ बगीचे में चला गया। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद आधा दर्जन लोगों ने दोनों के साथ मारपीट शुरू कर दी। जब तक दोनों कुछ समझ पाते, तब तक रब्बानी आलम ने रंजय यादव पर ताबड़तोड़ चाकू से वार कर दिया। जिससे रंजय यादव गंभीर रूप जख्मी होकर जमीन पर गिर पड़ा। उसे बचाने आ रहे सोहेल मियां को भी चाकू मार दिया गया। दोनों लहूलुहान होकर घटनास्थल पर गिर गया। पास से ही गुजर रहे कुछ लोगों ने शोर सुनकर जब पास जाकर देखा, तो दोनों वहीं रक्तरंजित पड़े थे। दोनों को तत्काल ही ग्रामीणों ने भोरे अस्पताल पहुंचाया, जहां रंजय यादव की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे गोपालगंज के लिए रेफर कर दिया गया. गोपालगंज में भी स्थिति खराब होने पर उसे गोरखपुर भेज दिया गया। चाकूबाजी के इस घटना की खबर जैसे ही स्थानीय पुलिस को मिली एहतियात के तौर पर कई थानों को भोरे बुला लिया गया। इस मामले में घायल रंजय यादव की मां उषा देवी के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है। पुलिस मामले की जांच पडताल करने में जुटी हुयी है।

विजयीपुर में भाकपा माले का तीसरा पंचायत सम्मेलन सम्पन्न

ललन गुप्ता को सर्वसम्मति से चुना गया पंचायत सचिव

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगं। लोकतन्त्र बचाओ, देश बचाओ भगत सिंह अंबेडकर के सपनो का भारत बनाओ नारे के साथ भाकपा माले का तीसरा पंचायत सम्मेलन नवका बगरा मे सम्पन्न हुआ। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए भाकपा माले के जिला सचिव इंद्रजीत चैरसिया ने कहा कि अहियापुर पंचायत का तीसरा पंचायत सम्मेलन हम ऐसे समय मे करने जा रहे है जब देश मे फासीवादी ताकतो का कब्जा है। मोदी सरकार लगातार तानाशाही थोप रही है। राहुल गाँधी पर मानहानि के केश मे दो साल की सजा, तुरन्त लोकसभा सदस्यता की समाप्ति, तत्काल उनका बंगला खाली कराना, आप पार्टी के नेता द्वारा मोदी हटाओ, देश बचाओ नारे पर 139 कार्यकर्ता पर मुकादमा, राहुल गाँधी की सजा देने वाले जज का प्रमोशन, ओम बिडला की बेटी बगैर परीक्षा व इंटरभियु का आईएस बनाना तानाशाही का ठोस उदाहरण है। उन्होंने कहा की आज वक्त की जरूरत है की तमाम लोग एकजुट होकर इन ताकतो के खिलाफ संघर्ष करें। सम्मेलन के अंत मे 15 सदस्यीय पंचायत कमिटी का चुनाव किया गया। कमिटी ने सर्व सम्मति से ललन गुप्ता को सचिव के रूप में चुना। सम्मेलन को प्रखण्ड सचिव राजेश यादव, अजय कुमार, ललन गुप्ता, रमेश बैठा, मनोज गोंड, दीपक चैहान, रमेश साहू, छोटे लाल मांझी, उमेश कुशवाहा सहित कई लोगों ने सम्बोधित किया।

अब गांव वार अपराधियों की सूची बनायेगी पुलिस

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

अब पुलिस गांव वार अपराधियो की सूची बनायेगी। सूची में लाल वारंटी, फरार वंछित अपराधी, जमानत पर रिहा अपराधियों की सूची के साथ-साथ शराब माफियाओं की जानकारी एकत्रित की जाएगी।

इसको लेकर एसपी स्वर्ण प्रभात ने वीसी के माध्यम से सभी थानाध्यक्ष व चैकीदारों को विलेज क्राइम नोटबुक बनाने का निर्देश दिया है। एसपी ने वीसी के माध्यम से चैकीदारों को अपराधी और शराब माफिया से संबधित आसूचना संकलन करने का निर्देश दिया है। एसपी के निर्देश के बाद सभी चैकीदार अपने-अपने गांव के लाल वारंटी, फरार वंछित

अपराधी, जमानत पर रिहा अपराधी के साथ-साथ शराब माफियाओं की सूची तैयार करने में जुट गए है। वीसी में सदर एसडीपीओ संजीव कुमार, प्रशिक्षु डीएसपी साक्षी राय, मुख्यालय डीएसपी ज्योति कुमारी, सदर इंस्पेक्टर हीरालाल प्रसाद, नगर इंस्पेक्टर प्रशांत राय, मांझा थानाध्यक्ष विशाल आनंद, बरौली थानाध्यक्ष अश्वनी कुमार तिवारी, जादोपुर थानाध्यक्ष विक्रम कुमार, थावे थानाध्यक्ष शशि रंजन कुमार सहित सभी थानाध्यक्ष व चैकीदार मौजदू थे।

विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के आह्वान पर सारण जिला विधिक जागरूकता समिति के तत्वावधान में नालसा वरिष्ठ नागरिकों के लिए सेवा योजना 2016 पर आधारित एक जागरूकता शिविर का आयोजन शहर के दौलतगंज स्थित गाँधी उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज में किया गया जिसमें पैनल अधिवक्ता डॉ. अमित रंजन ने विषय को विस्तार से रखा। डॉ. रंजन ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण उनके पुत्रों का सामाजिक नैतिक और कानूनी दायित्व है यदि ऐसे वरिष्ठ जनों का निरादर, प्रताड़ना, उपेक्षा, परित्याग अगर उनकी संतान द्वारा किया जाता है तो ये कानूनन दण्डनीय अपराध है जिसके तहत तीन साल की सजा और 5000ध- रुपये अर्थदण्ड का प्रावधान है। इसके कवल पैनल एडवोकेट ने वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार और केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा दी गई सेवाओं की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि पूरे विश्व में बुजुर्गों की जनसंख्या का 8 वाँ हिस्सा भारत में रहता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पीठ लिपिक नजरे इमाम ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों

के भरण पोषण और उनके अधिकारों के संरक्षण के लिए अनुमंडल पदाधिकारियों के नेतृत्व में ट्रिब्यूनल बनाया गया है जहाँ पीड़ित और प्रताड़ित बुजुर्ग अपने भरण पोषण और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए वाद ला सकते हैं। इस ट्रिब्यूनल का अपीलीय प्राधिकार जिला पदाधिकारी हैं। दोनों वक्ताओं ने नालसा बालसा और डालसा के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए विभिन्न लिंग आयुवर्ग के मुफ्त विधिक सहायता के नालसा की विभिन्न योजनाओं और उनकी पात्रता और उपलब्धता की जानकारी दी। जागरूकता शिविर में छात्र छात्रा शदफ नाज, हर्षराज, रुकैया खातून, हर्षित कुमार, अभिषेक कुमार, ममता कुमारी और शिक्षक वीरेन्द्र बिहार

सम्पादकीय

भारत की सबसे खतरनाक रास्ते की रोमांचक और साहसिक यात्रा

भारत में यूं तो बहुत सारे घाट, घाटी और पहाड़ी रास्ते हैं, लेकिन इनमें से कुछ तो ऐसे खतरनाक हैं कि जहां हर वक्त मौत का साया मंडराता रहता है। वाहन चालक का ध्यान जरा भी चूका तो समझो निश्चित ही चालक सहित सभी सवारी मौत के मुंह में चली जाएगी। हालांकि यदि आप रोमांचक और साहसिक यात्रा के शौकिन है तो यह रास्ते आपने लिए सबसे अच्छे साबित होंगे, लेकिन यदि आप डरते हैं तो इन रास्तों पर से सही सलामत गुजर जाने के बाद आपको जिंदगी भर इसी के सपने आते रहेंगे। गंगटोक-नाथुला रोडः नाथुला दर्रा भारत के सिक्किम में डोगेक्या श्रेणी में स्थित है। यह दर्रा हिमालय के अंतर्गत पड़ता है। नाथूला दर्रा भारत के सिक्किम राज्य और दक्षिण तिब्बत में चुम्बी घाटी को जोड़ता है। यह 14 हजार 200 फीट की ऊंचाई पर है। इसी रास्ते से होकर कैलाश मानसरोवर जाया जा सकता है। हाल ही में चीन ने इसका रास्ता खोल दिया है। यह दर्रा प्राचीन रेशम मार्ग (सिल्क रूट) का भी एक हिस्सा है। यह दर्रा गंगटोक के पूर्व की ओर 54 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। गंगटोक से नाथुला दर्रा तक जो रोड जाती है वह विश्व की खतरनाक सड़कों में से एक है। नाथूला दर्रे से निकटतम रेलवे स्टेशन न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन है। गंगटोक भारत के उत्तर-पूर्व में स्थित सिक्किम की राजधानी है। गंगटोक देश के प्रमुख महत्त्वपूर्ण हिल स्टेशनों में एक है। मसूरी रोडः देहरादून से मसूरी तक का रास्ता ऊंची ऊंची पहाड़ियों से होकर गुजरता है। लगभग 333 किलोमीटर का यह खतरनाक रास्ता हरे भरे वृक्षों से लदा हुआ है। रोमांच की चाह रखने वालों के लिए यह बहुत ही शानदार सफर है। यदि आप पुणे की पहाड़ियों से होकर मसूरी पहुंचते हैं तो रास्ते का रोमांच आप जिंदगी भर याद रखेंगे। धनोल्टी से मसूरीः धनोल्टी से मसूरी का सफर भी बहुत ही खतरनाक और रोमांच भरा है। यहां के घाट और रास्ते में पड़ने वालों गांवों की सकरी गलियों में सफर करना बहुत ही सुखदायक है। घने वृक्षों, बर्फ की पहाड़ी और जंगलों से भरे इस रास्ते के अनुभव यादगार रहेंगे। पहाड़ों पर विहंगम दृश्यों को देखकर आप उसे कभी नहीं भूल पाएंगे। देवभूमि उत्तराखंड तो वैसे ही प्राकृतिक संपदा से भरपूर है, लेकिन यहां के रास्ते बहुत ही खतरों से भरें हुए हैं। रोहतांग पासः हिमाचल प्रदेश में स्थित रोहतांग पास बहुत ही खतरनाक रोड है। यहां किसी भी प्रकार का वाहन चलाना आसान नहीं है। यहां आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। पहले रोहतांग को भृगु तुंग कहते थे। मनाली से रोहतांग पास जाना बहुत ही खतरों और रोमांच से भरा है। यहां रोहतांग दर्रा है जो उत्तर में मनाली, दक्षिण में कुल्लू शहर से 51 किलोमीटर दूर यह स्थान मनाली-लेह के मुख्यमार्ग में पड़ता है। पूरा वर्ष यहां बर्फ की चादर बिछी रहती है। यह सड़क मई से नवंबर तक आम तौर पर खुला है। रोहतांग दर्रा और सोलांग वैली देखने के लिए कई साहसी पर्यटक रोहतांग पास की यात्रा करते हैं। रोहतांग का सफर बहुत ही सुहाना और रोमांचकारी होता है। हालांकि यहां के खतरनाक मोड़ और घाटियां दिल दहला देने वाली है। रोहतांग दर्रा समुद्री तल से 4111 मीटर की ऊंचाई पर स्थित हैं। यह हिमालय का एक प्रमुख दर्रा है। हाइवे पर व्यास नदी के साथ चलते हुए सारा रास्ता प्राकृतिक नजारों से भरा पड़ा हुआ है। प्रकृति की गोद में पड़ने वाले बर्फ से ढंकी पहाड़, नदी, नाले, छोटे-छोटे घर, घने वन और हरियाली के बीच में बने होटल, रिसोर्ट, लहराती सड़कों के दृश्य अपने आप में अजूबे हैं। किलाड़-किश्तवाड़ रोडः भारतीय राज्य जम्मू और कश्मीर में स्थित किलाड़ से किश्तवाड़ के बीच की सड़क दुनिया की सबसे खतरनाक सड़कों से एक है। यहां कार से जाने का मतलब सीधे-सीधे आत्महत्या करने जैसा है। हिमाचल और जम्मू एवं कश्मीर में स्थित पांगी घाटी में स्थित है यह घाटी मार्ग। जम्मू क्षेत्र से कश्मीर जाने के लिए तीन रास्ते हैं-पहला जम्मू-श्रीनगर हाईवे, दूसरा है मुगल रोड और तीसरा है किश्तवाड-अनन्तनाग मार्ग। बटोड से डोडा-किश्तवाड 110 किलोमीटर है। पुलडोडा से किश्तवाड लगभग 55 किलोमीटर है। श्रीनगर के रास्ते में सिंथन टॉप दर्रा पडता है जो लगभग 3800 मीटर ऊंचा है। सिंथन टॉप रोहतांग का सहोदर है। दोनों ही दर्रे पीर पंजाल की श्रंखला में स्थित हैं। किश्तवाड से आगे चेनाब के साथ-साथ यही सड़क पद्दर, पांगी होते हुए लाहौल भी जाती है। बाइक से इसका सफर भी मौत के मुंह में जाने जैसा है। यदि बाइक से आप रोड पार कर जाओ तो फिर किसी मंदिर या दर्गा पर जाकर माथा जरूर टेक देना।

अगले चुनाव में मुख्य मुकाबला सोनिया-मोदी के बीच...!

ओम प्रकाश मेहता

इन दिनों देश की समूची राजनीति सिर्फ और सिर्फ करीब एक साल बाद होने वाले आम चुनाव पर केंद्रीय है, अब हर राजनीतिक दल सब कुछ भूल कर फिर अगले चुनाव के बाद अपने भविष्य की चिंता से ग्रस्त है। अगले चुनाव के बाद सत्ता का सिंहासन हथियाने की यह स्पर्धा मुख्य रूप से देश पर राज कर रही भाजपा तथा मुख्य प्रतिपक्षी दल कांग्रेस के बीच है और इसी वास्तविकता को समझकर देश के करीब-करीब सभी प्रतिपक्षी दलों ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री सोनिया गांधी को अपनी संयुक्त नेत्री मान लिया है, इसी से यह अभी से स्पष्ट हो रहा है कि 2024 की राजनीतिक जंग मुख्य रूप से मौजूदा प्रधानमंत्री और भाजपा के सर्वमान्य नेता नरेंद्र भाई मोदी और प्रतिपक्ष की सर्वमान्य नेत्री सोनिया गांधी के बीच ही होगी और सोनिया के दीर्घ राजनीतिक अनुभव को उनके विगत राजनीतिक कौशल से परिचित भाजपा का हर छोटा बड़ा नेता इस जंग को काफी महत्वपूर्ण मान रहे है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की हत्या के बाद से ही सोनिया जी राजनीति में सक्रिय हुई करीब दो दशक तक कांग्रेस की अध्यक्षा रही इस बीच कई राजनीतिक मुकाबलों में अपना जोहर भी दिखाया और फिर 2004 में उन्होंने अपने बेटे राहुल गांधी को आगे लाकर उसे नेतृत्व के योग्य बनाने की कवायद शुरू की, किंतु डेढ़ दशक से भी अधिक समय में राहुल राजनीतिक तौर पर परिपक्व नहीं हो पाए और अब अपने विवादित बयानों के कारण न सिर्फ मानहानि का दंश झेल रहे हैं, बल्कि अब शायद उन्हें देश के विभिन्न न्यायालयों के दरवाजों पर भी दस्तक देनी पड़ सकती है, इन्हीं सब स्थितियों को ध्यान में रखकर सोनिया गांधी को फिर कमर कसकर अगली चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करना पड़ा और उनके इस संकल्प को देखकर देश के डेढ़ दर्जन से अधिक प्रतिपक्षी दलों को उनका नेतृत्व स्वीकार करने को मजबूर होना पड़ा। अब सोनिया जी पर अपनी पार्टी के साथ ही अन्य प्रतिपक्षी दलों की भी भावनाएं समझ कर अपना अगला राजनीतिक एजेंडा तैयार करने की अहम जिम्मेदारी आ गई है, क्योंकि अब हर प्रतिपक्षी दल उनमें अगली सत्ता की किरण देखने लगा है। .... फिर आज के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य का आंकलन कर हर दल यह स्वीकार भी करने लगा है कि देश का कांग्रेस सहित कोई भी राजनीतिक दल मोदी की कथित राजनीतिक आंधी का अकेले मुकाबला नहीं कर सकता, हर दल यह महसूस करने लगा है कि जब तक देश के सभी प्रमुख विपक्षी दल एकजुट होकर मोदी का मुकाबला नहीं करेंगे तो फिर अगले चुनाव में मोदी को पुनः सत्ता से रोकना काफी मुश्किल हो जाएगा, इसलिए इसी दिशा में हर दल ने अपना रुख कर लिया है। और अब इस दिशा में स्वयं कांग्रेस ने ही अपना कदम आगे बढ़ाया है, जिसका ताजा उदाहरण कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा आयोजित संयुक्त रात्रि भोज है, इस भोज में कांग्रेस से दूरी बनाकर रखने वाले तृणमूल कांग्रेस पीआरएस और आम आदमी पार्टी जैसे दल भी शामिल हुए।। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि जो दल राहुल गांधी का नेतृत्व पसंद नहीं करते थे, वह अब सोनिया के नेतृत्व के प्रति आस्थावान हो गए हैं। यदि हम सोनिया को केंद्र में रखकर विगत राजनीति का विश्लेषण करें तो यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि सोनिया की समझदारी ने हीं 2004 से 2024 तक यूपीए को सत्ता में रखा और इस सोनिया ही एकमात्र नेत्री है, जो मौजूदा हालातों में प्रतिपक्षी दलों को सत्ता नसीब करवाकर मोदी से छुटकारा दिला सकती है। इस प्रकार कुल मिलाकर आज यदि यह कहा जाए कि प्रतिपक्ष की पूरी राजनीति सिमट कर सोनिया पर केंद्रित हो गई है, तो कतई गलत नहीं होगा और सोनिया ने भी इस भावी चुनौती को स्वीकार करने की मानसिक रूप से तैयारी कर ली है, इसलिए अब यह तय है कि 2024 का मुख्य मुकाबला मोदी व सोनिया के बीच ही होगा और यह राजनीतिक युद्ध देश के लिए कई दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

कर्नाटक आरक्षण मुद्दा: ध्रुवीकरण की दिशा में एक और कदम

पिछले दिनों सूरत की एक अदालत द्वारा राहुल गांधी को संसद की सदस्यता से अयोग्य ठहराये जाने का मामला भी नरेंद्र मोदी सरकार के लिये गले की फांस बन गया है। इन परिस्थितियों में मुस्लिम विरोध व उत्पीड़न के साथ हिन्दुत्ववाद की धर्म ध्वजा को बुलंद रखना केवल यही रणनीति भाजपा को फायदा पहुंचा सकती है। सरकार की तमाम नाकामियों के बीच कर्नाटक में मुसलमानों का आरक्षण खत्म किये जाने का मुद्दा राज्य में 10 मई को होने जा रहे विधानसभा चुनाव से लेकर 2024 के आम चुनावों तक एक मुद्दा जरूर रहेगा। इससे भाजपा को क्या लाभ होगा यह तो आने वाला वक़्त ही बतायेगा परन्तु यह तो तय है कि कर्नाटक आरक्षण मुद्दा भाजपा के हिंदूवादी मतों के ध्रुवीकरण के प्रयासों की दिशा में ही एक और कदम है।

तनवीर जाफरी
लेखक वरिष्ठ स्तंभकार है

चुनाव आयोग ने कर्नाटक विधानसभा चुनावों की तारीख की घोषणा कर दी है। राज्य में विधानसभा चुनाव हेतु 10 मई को केवल एक चरण में ही मतदान होगा। जबकि चुनाव के नतीजे 13 मई को आएंगे। चुनावों की तारीख की घोषणा से ठीक एक सप्ताह पूर्व राज्य की वर्तमान भारतीय जनता पार्टी की बासवराज बोम्मई सरकार ने धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए दिये जा रहे चार प्रतिशत आरक्षण को समाप्त करने की घोषणा की है। साथ ही आरक्षण के इस 4 फीसदी कोटे को राज्य के दो प्रमुख समुदायों को दिये जा रहे वर्तमान आरक्षण में जोड़ने की घोषणा भी कर दी। राज्य सरकार के इस निर्णय के बाद ओबीसी श्रेणी के 2बी वर्गीकरण के अंतर्गत राज्य के मुसलमानों को अब तक दिए जा रहे 4 प्रतिशत आरक्षण को अब दो बराबर हिस्सों में विभाजित कर दिया गया है। वोक्कालिंगा और अन्य समुदाय के लिए पूर्व में दिया जा रहा चार प्रतिशत आरक्षण अब बढ़कर छह प्रतिशत हो जाएगा। साथ ही वीरशैव पंचमसाली और अन्य (लिंगायत) समुदाय जिन्हें राज्य में अब तक पांच प्रतिशत आरक्षण हासिल था, उन्हें अब सात प्रतिशत आरक्षण मिलने लगेगा। गौर तलब है कि 1994 में जब एचडी देवगौड़ा कर्नाटक के मुख्यमंत्री बने थे उसी के बाद 1995 में राज्य के मुसलमानों को आरक्षण देने का फैसला किया गया था। इसके तहत आरक्षण की कैटेगरी बी-2 बनाकर अलग से अल्पसंख्यकों को 4 फीसदी आरक्षण का प्रावधान रखा गया था। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के बाद रंगनाथ कमीशन ने मुसलमानों की दशा देखते हुये अपनी रिपोर्ट में मुस्लिमों को अलग से आरक्षण देने की सिफारिश की थी। बहरहाल इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण बयान गृह मंत्री अमित शाह का था। शाह ने पिछले दिनों अपने कर्नाटक दौरे पर बीदर में आयोजित चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुए कर्नाटक सरकार के उस निर्णय का बचाव किया जिसके तहत मुस्लिम समुदाय को अब तक दिया जा रहा 4 फीसदी आरक्षण खत्म कर दिया गया है। उन्होंने कथित ह्यवोट बैंक की राजनीतिह्न के लिए मुस्लिमों को चार प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान करने के लिए कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुये कहा कि- ह्यभाजपा कभी तुष्टिकरण में विश्वास नहीं करती। इसलिए उसने आरक्षण व्यवस्था में बदलाव का फैसला किया। उन्होंने कहा, ह्यबीजेपी ने अल्पसंख्यकों को दिया गया चार प्रतिशत आरक्षण समाप्त कर दो प्रतिशत आरक्षण वोक्कालिंगा और दो प्रतिशत आरक्षण लिंगायत समुदाय को दिया। उन्होंने यह भी कहा कि ह्यअल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण संवैधानिक तौर पर वैध नहीं है। संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। कांग्रेस सरकार ने इसे अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के तहत किया और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की। यहां यह भी काबिल-ए-गौर है कि यही वह राज्य है जहां गत वर्ष दक्षिणपंथियों ने कॉलेज में मुस्लिम लड़कियों के हिजाब पहनने का विरोध किया था उसके बाद यही हिजाब विवाद अंतर्राष्ट्रीय सुर्खियों में भी छाया था। इसी राज्य में अक्सर यही दक्षिण पंथी ताकतें शेर-ए-मैसूर स्वतंत्रता सेनानी टीपू सुल्तान का विरोध करती रहती हैं। सत्ता में आने के तुरंत बाद बीजेपी सरकार ने टीपू सुल्तान की जयंती समारोह को खत्म कर दिया था। बीजेपी की इसी बोम्मई सरकार में ही इसी राज्य में हिजाब विवाद के अतिरिक्त मलाली मंदिर-मस्जिद विवाद, हलाल मांस, मुस्लिम कारोबारियों के बहिष्कार, कभी अजान का विरोध तो कभी हेडगेवार के भाषण को आधिकारिक तौर पर स्कूली पाठ में शामिल करने जैसी विवादस्पद बातों को लेकर काफी सांप्रदायिक तनाव रहा है। इसके अतिरिक्त राज्य के तुमकुरु और शिमोगा में सावरकर और टीपू सुल्तान के पोस्टर को लेकर विवाद पैदा हुआ था और साम्प्रदायिक हिंसा भी हुई थी। राज्य में हिंदू संगठन रेस्टोरेंट, पार्क, बार और पब आदि में युवक-युवतियों पर हमला करके मॉरल पुलिसिंग करने की कोशिश कर चुके हैं। यहां लव जिहाद नामक कैंपेन भी चलाया जा चुका है। लव जिहाद के नाम पर कट्टरपंथी हिंदू संगठन मुसलमान युवकों पर शादी के जरिए हिंदू महिलाओं को मुसलमान बनाने का आरोप लगाते रहते हैं। राजनैतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह सभी विवाद भाजपा द्वारा मुसलमानों को हाशिए पर लाने की कोशिश और इसी बहाने हिंदूवादी मतों का अपने पक्ष में ध्रुवीकरण करने के प्रयास के तहत जानबूझकर पैदा किये गये। और इन सब के साथ यह भी अति महत्वपूर्ण यह कि पिछले दिनों इसी राज्य से होकर राहुल गाँधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा गुजरी है। इस यात्रा ने राज्य में करीब 500 किलोमीटर का फासला तय किया है। 24 दिनों तक लगातार कर्नाटक से गुजरते हुये भारत जोड़ो यात्रा को प्रतिदिन अभूतपूर्व जन समर्थन हासिल हुआ। माना जा रहा है कि भारत जोड़ो यात्रा की सफलता और इस यात्रा से राज्य में कांग्रेसजनों के बढ़े हौसले आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को काफी लाभ पहुंचा सकते हैं। किसी समय में कर्नाटक कांग्रेस का अभेद दुर्ग माना जाता था। भाजपा इसी बात को लेकर भयभीत है। अन्यथा देवगौड़ा सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों को दिये गये चार प्रतिशत आरक्षण के लिये कांग्रेस पर तुष्टिकरण जैसा आरोप लगाने की क्या जरुरत थी? परन्तु भाजपा इस बात से वाकिफ है कि उसका हिंदूवादी वोट बैंक हिंदू हितों पर आधारित नहीं बल्कि प्रखर मुस्लिम विरोध के फलस्वरूप हासिल होता है। गुजरात को संघ की प्रयोगशाला यूँही नहीं कहा जाता। यहाँ भाजपा की मजबूती का आधार मुस्लिम विरोध और उन्हें हाशिये पर डालना ही था। यही वास्तविक गुजरात मॉडल है जिसे पूरे देश में लागू करने के प्रयास किये जा रहे हैं। असम में बड़ी संख्या में मदरसों को बंद कराया जाना, भाजपा शासित विभिन्न राज्यों में जिलों, शहरों, कस्बों व स्टेशन्स के नाम बदला जाना, मुसलमानों के विरुद्ध खुले आम सार्वजनिक स्थलों से अनेकानेक विशिष्ट राजनैतिक व धार्मिक लोगों द्वारा विष वमन करना, दंगाइयों, मॉब लिंचिंग करने वालों यहाँ तक कि मुस्लिम महिलाओं के साथ बलात्कार करने वालों को महिमामंडित करना, गोया किसी न किसी बहाने मुस्लिम विरोध का परचम बुलंद रखना यहाँ तक कि कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण का खत्म किया जाना आदि, यह सभी धर्म के आधार पर हिंदूवादी मतों को अपने पक्ष में लामबंद करने के ही प्रयास हैं। भारतीय जनता पार्टी इस समय मंहगाई, बेरोजगारी से लेकर भारतीय इतिहास के सबसे बड़े आर्थिक घोटाले यानी अडानी प्रकरण को लेकर काफी दबाव में है। पुरानी पेंशन बहाली को लेकर सरकारी कर्मचारी जगह जगह आंदोलनरत हैं। किसान व छात्र भी सरकार से नाराज हैं।

रोकना होगा कट्टरता की विसात पर राजनैतिक पांसों का खेल

पहले ही घोषणा कर दी थी कि राम नवमी पर रैली करेंगे तो हिंसा होगी। यानी कि हिंसक षडयंत्रकारियों, उनकी योजनाओं और तैयारियों को अप्रत्यक्ष रूप से मुख्यमंत्री का समर्थन, सहयोग और सहायता प्राप्त थी। इसके बाबजूद न तो षडयंत्रकारियों की पूर्व में धर-पकड की गई और न ही उनके मंसूबों को नस्तनाबूत करने की सरकारी कोशिशें ही हुईं। आश्चर्य तो तब हुआ जब ममता बनर्जी ने अपनी राजनैतिक चालों से रमजान का हवाला देते हुए एक वर्ग को आतंक जैसी पैदा की गई स्थिति से क्लीन चिट दे दी। राजनैतिक लाभ, सत्ता-सुख की चाहत और व्यक्तिगत लालच की मृग मारीचिका के पीछे भागने वाले राजनैतिक दलों ने आम आवाम को अपनी कुटिल चालों के बीच पिसने के लिए मजबूर कर दिया है। रोकना होगा कट्टरता की विसात पर राजनैतिक पांसों का खेल अन्यथा सत्ता-सुख की चाहत में खद्दरधारियों की जमात हरे-भगवां झंडों के बीच तिरंगे को अस्तित्वहीन कर देगी और तब हम पडोसी पाकिस्तान, श्रीलंका, बंगला देश से भी गई गुजरी स्थिति में पहुंच जायेंगे जिसमें निश्चय ही देश के भितरघातियों की अहम भूमिका होगी। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

डा. रवीन्द्र अरजरिया
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

विश्व के सबसे बडे लोकतंत्र में अव्यवस्थाओं, मनमानियों और अधिकारों की दुहाई पर सत्ता-सुख की चाहत निरंतर चरम सीमा की ओर बढती जा रही है। सत्ता-सुख की चाहत यानी कि समग्र पर अधिकार दिखाने की इच्छापूर्ति के प्रयास। इन प्रयासों में देश के घोषित तीन स्तम्भों सहित अघोषित चौथे स्थम्भ में भी आपसी होड मची है। कहीं संविधान की रोशनी में अनेक बार विधायिका ने कानूनों को सत्ताधारी दलों की अप्रत्यक्ष मंशा के अनुसार तोडा, मरोडा और थोप दिया। तो कहीं कार्यपालिका के व्दारा अक्सर समय की मांग के विशेषाधिकार के तहत मनमाने अंदाज में तुगलकी फरमान जारी किये, कानूनों के अनुपालन से लेकर कर्तव्यों के निर्वहन तक में लापरवाहियां बरतीं गईं और व्यक्तिगत लाभ दूरगामी परिणामों हेतु वर्तमान के कृत्यों को अंजाम दिया गया। वहीं न्यायपालिका के दरवाजों पर अन्याय, अमानवीयता और मानवाधिकारों को ढाल के रूप में स्थापित करके दस्तक देने वालों ने संवैधानिक लचीलेपन का लाभ उठाने की कोशिशें कीं। यह सब विश्व गुरू बनने की दिशा में पुनः अग्रसर होते देश में अब बहुत तेजी से हो रहा है। स्वाधीनता के बाद से ही गोरों के इशारों पर देश का बंटाधार होता रहा है जिसमें अब अनेक पश्चिमी देशों ने भी भागीदारी शुरू कर दी है। पडोसी देश पाकिस्तान, श्रीलंका, बंगला देश के अलावा दुनिया के अनेक राष्ट्रों को शक्तिशाली देशों ने दूरगामी नीतियों के तहत बरबाद कर दिया। इच्छित परिणाम मिलने से उनके हौसले बुलंद होते चले गये। जब तक भारत दबा, कुचला और निरीह राष्ट्र की श्रेणी में रहा, तब तक षडयंत्रकारियों की जमातों ने उसे खोखला करने में कोई कसर नहीं छोडी। कमजोर को अस्तित्वहीन करने हेतु भितरघातियों के माध्यम से प्रयास होते रहे। धर्म की राजनीति करके सत्ता सुख की चाह रखने वालों की नब्ज पर अंग्रेजों ने पहले से ही पकड बना रखी थी। आज भी हमारे देश के अनेक राजनैतिक दलों के कद्दावर नेता वहां से नई-नई तरकीबें सीखकर आते हैं और प्रयोग के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। इतिहास गवाह है कि सन् 1757 में शक्तिशाली सिराजुद्दौला को हराने हेतु गोरों ने लालची, मक्कार और भितरघातिये मीर जाफर को ढूंढा निकला था। गद्दारी की इबादत लिखकर मीर जाफर ने गोरों की कठपुतली बनकर सिंहासन पर कब्जा किया। कुछ समय बाद अहसान फरामोशी की पर्याय बनी गोरी नस्ल ने मीर जाफर के लिए चोर पर मोर का हथियार आजमाया और मीर कासिम को भतिरघातिया बनाकर मीर जाफर को नस्तनाबूत कर दिया। ऐसा ही ग्वालियर के महाराज जयाजी राव सिंधिया ने भितरघातिया बनकर अंग्रेजों के इशारे पर झांसी का रानी लक्ष्मीबाई की हत्या करवा दी। सत्ता-सुख की मृगमारीचिका के पीछे भागने वालों के अहंकार को गोरों ने खूब भुनाया। फणीन्द्रनाथ घोष का नाम भी राष्ट्र भक्तों को नस्ताबूत करने वालों की खूनी फेरिस्त में कालिख से आज भी लिखा है। इसने भारत माता को परतंत्रता की बेडियों से मुक्त करने वाले रणबांकुरों को फांसी के फंदे पर पहुंचाने में अंग्रेजों के मदद ही नहीं की बल्कि लालच, अहंकार और ढीढता की चरम सीमा पर पहुंचकर सैण्डर्स मर्डर और एसेम्बली में बम फैकने के केसों में खुलेआम गवाही भी दी थी। आज उन्हीं गोरों को पछाडकर देश की अर्थ व्यवस्था ने दुनिया की पांचवी पायदान पर आमद दर्ज कर ली है। कभी सत्ताधारी रही अंग्रेजों की जमात को अपने गुलाम रहे देश से मिली करारी शिकस्त ने हिलाकर रख दिया। उसे खून का घूंट पीकर रह जाना पडा। अतीत गवाह है कि षडयंत्रकारी गोरों ने पहले देश को भितरघातियों की मदद से गुलाम बनाया, खनिज संपदा के दोहन से लेकर मानवीय शक्ति तक का शोषण किया और फिर अपनी धरती के कैम्ब्रिज कैम्पस से चलाया भितरघातिये तैयार करने का अभियान से तैयार किये विषपुत्र जो वर्तमान में टुकडे-टुकडे गैंग से लेकर आतंकवादियों तक के पक्ष में ढीढता से खडे हो जाते हैं। देश के ज्यादातर भगोडों ने गोरों की गोद में ही किलकारियों भरीं हैं। वही क्रम अनेक मिशनरीज की आड में आज भी जारी है। स्वाधीनता के बाद काले अंग्रेजों ने देश का अनेक सम्पत्तियों पर गोरों को कानूनन मालिकाना हक दे दिया गया, धर्म के नाम पर संविधान में विभाजनकारी व्यवस्थायें दी गईं, जातियों के नाम पर वैमनुष्यता फैलाने वाले बीजों का रोपड किया गया, देश के पुरातन सिध्दान्त वसुधैव कुटुम्बकम को नस्तनाबूत कर दिया गया। लम्बे समय तक गंगा-जमुनी संस्कृति के रूप में विविधता में एकता का परचम फहराने वालों के हाथों में हरे और भगवां झंडे पकडा दिये गये। अतीत में बोये गये जहरीले बीज अब फसल बनकर लहलहा रहे हैं। नवरात्रि और रमजान जैसे पावन अवसर पर खून की होलियां खेली गईं। बिहार के नालंदा, सासाराम, गया, नवगछिया, बिहार शरीफ, सहजालाल पीर, कदीर गंज, लखनु सराय, जलाल पीर में सडकें मानवता के रंग से लाल होतीं रहीं और पुलिस-प्रशासन की जुगलबंदी सत्ता के इशारे पर मटरगस्ती करती रही। गुजरात के फतेहपुरा, वडोदरा की कहानी भी बिहार से अलग नहीं है। ऐसा ही महाराष्ट्र के संभाजी नगर, जलगांव में भी होता रहा। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में भीमराव अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, मडियाओं आदि में रक्त रंजित कहानियों का सजीव मंचन होता रहा। झारखण्ड के जमशेदपुर, जुगसलाई, बाटा चौक सहित हल्दी पोखर में जुल्म ने खुला नृत्य किया। आंध्र प्रदेश के दुव्वा गांव की स्थिति भी ऐसी ही रही। जबकि बंगाल के आतंकी घटना क्रम ने तो वहां के शासन-प्रशासन की मंशा तक उजागर कर दी। हावडा, इस्लामपुर, शिवपुर जैसे इलाकों में होने वाले खूनी घटना क्रम से वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले से ही वाकिफ थीं।

सरकार और न्यायपालिका पर संविधान का अंकुश जरुरी

सनत कुमार जैन

न्यायाधीशों की नियुक्ति कॉलेजियम की अनुशंसा पर सरकार करती है। इन दिनों कॉलेजियम व्यवस्था को लेकर सरकार और सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई है। सरकार चाहती है, कि उसके इशारे पर कॉलेजियम काम करे।न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर सरकार जो निर्णय करे। कॉलेजियम उसे स्वीकार करे। जजों की नियुक्ति में न्यायपालिका की भूमिका नगण्य हो। सरकार की भूमिका सर्वोपरि हो। कॉलेजियम व्यवस्था आने के पहले सरकार न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति करती थी। आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जजों की वरिष्ठता को नजरअंदाज करते हुए सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश और न्यायधीशों की नियुक्ति मनमाफिक तरीके से की थी। आपातकाल के बाद जब सरकार बदली, उसके बाद संविधान में संशोधन हुआ। जिसमें न्यायपालिका के अधिकारों को आपातकाल में भी बरकरार रखने का संशोधन किया गया। उसी के बाद जजों की नियुक्ति और उनकी पदोन्नति को लेकर, सुप्रीम कोर्ट ने कॉलेजियम की व्यवस्था दी। तब से कॉलेजियम की व्यवस्था चली आ रही है। कॉलेजियम के सदस्य, हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति को लेकर वरिष्ठ वकीलों द्वारा की गई पैरवी की समीक्षा करते हैं। उनके बारे में सारी जानकारी एकत्रित करते हैं। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जज सहमत होने पर, जज के नाम की अनुशंसा सरकार को करते हैं। कॉलेजियम की व्यवस्था में सरकार को यह अधिकार है,कि कालेजियम द्वारा जो अनुशंसा की गई है। उसके संबंध में पूरी जानकारी का अध्ययन करने के बाद यदि कोई असहमति है,तो उसे कॉलेजियम को पुनर्विचार के लिए सरकार वापिस भेजती है। सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम एक बार पुनः विचार करके अंतिम निर्णय लेती है। उस निर्णय का क्रियान्वयन करना सरकार की बाध्यता होती है। पिछले वर्षों में सरकार ने कॉलेजियम द्वारा की गई अनुशंसा काफी समय तक रोककर रखी है। जिसके कारण हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों की वरिष्ठता गड़बडाने लगी है। संविधान ने न्यायपालिका को सभी संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज की निगरानी रखने और सत्ता निरपेक्ष रहकर नियंत्रण की जिम्मेदारी न्यायपालिका को सौंपी है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संसद को सर्वोच्च बनाते हुए संविधान को एक तरह से नकारने का बयान दिया है। निश्चित रूप से हर व्यवस्था मे आरोप-प्रत्यारोप लगते है। कॉलेजियम को समीक्षा और अनुशंसा करने का अधिकार है। वहीं सरकार को भी नियुक्ति के पूर्व पर्याप्त अवसर होता है। जब वह नियुक्त होने वाले जज के संबंध में सारी जानकारी एकत्रित कर सके। यदि नियुक्ति करने में कोई आपत्ति है, तो उससे कॉलेजियम को पुनर्विचार करने के लिए कह सकती है। इसका एक ही आशय है, कॉलेजियम और सरकार दोनों पर जिम्मेदारी और जवाबदेही का अंकुश लगा हुआ है। संसदीय लोकतंत्र में बहुमत के आधार पर बहुत सारे नियम कानून बन जाते हैं। राजनीति में रह रहे लोग चुनाव जीतने और सत्ता में बने रहने के लिए बहुत सारे नैतिक और अनैतिक निर्णय लेने के लिए मजबूर होते हैं। लेकिन न्यायपालिका पर इस तरहका कोई दबाव नहीं होता है। उसे संविधान और विधायिका द्वारा बनाए गए नियम कानून के अनुसार,निर्णय लेने होते हैं। जिसके कारण न्यायपालिका की साख और विश्वसनीयता आम जनता के बीच में बनी रहती है। सामाजिक बदलाव का असर समान रूप से सभी वर्गों में पड़ता है। निश्चित रूप से न्यायपालिका के ऊपर भी इसका असर पड़ा होगा। न्यायपालिका के ऊपर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगने लगे हैं। सरकार के पास इसके नियंत्रण के बहुत सारे अधिकार हैं। सरकार के पास बहुत सारी जांच एजेंसियां भी है। जो नियुक्ति के पूर्व और नियुक्ति के पश्चात जानकारियां प्राप्त कर कार्यवाही कर सकती हैं। न्यायाधीशों को हटाने की शक्तियां भी संसद के पास होती हैं। कॉलेजियम व्यवस्था को लेकर सरकार के मन में यदि सुधार के कुछ सुझाव हैं, तो उन सुझावों को कॉलेजियम की व्यवस्था में शामिल कराये जा सकते है।

संक्षिप्त खबरें

करंट लगने से किसान की मौत

मुजफ्फरपुर। जिले के औराई थाना क्षेत्र के पानापुर गांव में उस समय मातम का माहौल हो गया जब गांव के राजेंद्र दास नामक किसान की खेत में करंट लगने से मौत हो गई. कहा जा रहा है कि राजेन्द्र दास खेत में खाद छींट रहे थे. उसी दौरान वे बिजली के करंट की चपेट में आ गए और उनकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही पूरे गांव में कई तरह के चचाओं का बाजार गर्म है. मृतक के पुत्र भोगेन्द्र दास ने बताया कि वह भी बाहर कहीं मजदूरी करता है और ससुराल गया था. इसी क्रम में सुबह में सूचना मिली कि पिताजी को करंट लग जाने से मौत हो गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

मैट्रिक में उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह।

मधुबनी/हरलाखी। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के हरलाखी में चाणक्य एकेडमी कोचिंग में मैट्रिक में उत्तीर्ण किये गए छात्र छात्राओं के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसका नेतृत्व कोचिंग के डायरेक्ट्रर अशोक कुमार व दीपक कुमार ने किया। इसमें मुख्य रूप से मैट्रिक में उत्तीर्ण बच्चों को सम्मानित किया गया। जिसमें अनामिका कुमारी 444 अंक इसी तरह, सहीना प्रवीण उर्फ लाडली 409, आफरीन खातून 409 मो. सूफियान 409 साहिल 403 राजा कुमार 366 नशारीन 358 पूजा कुमारी 356 सुजीत राय 354 कुलसुम 351 कामरान 350 सहनवाज 348 समीमा 341 सादिया 340 नजमा 349 साबरीन 326 निभा 318 साजन 316 शिवशंकर 314 अभिषेक कुमार 305 अंक लाकर मान बढ़ाया। इसी तरह कुल 58 छात्र छात्राओं को सम्मानित कर सभी का उत्साहवर्धन किया। इस सफलता को लेकर इन बच्चों के परिवार सहित पूरा क्षेत्र अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। मौके पर शिक्षकः ऋषि झा, अजय कुमार, उमेश मलिक, सोनी, अभिभावक संजीव सिंह, मो. इलियास, मो रहमत, महेंद्र महतो, मो. इरफान, मो हनान,पलटन मंडल, शंभू राय, रामलाल महतो, ईश्वर सहनी आदि मौजूद थे।

रहिका पुलिस ने देसी नेपाली शराब के साथ तीन तस्कर को किया गिरफ्तार।

मधुबनी जिला मुख्यालय से सटे रहिका थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिला के तीन मोटरसाइकिल से शराब की खेप लेकर जा रहे हैं गस्ती कर रहे रहिका थाना पुलिस ने पौना मोड़ के समीप वाहन चेकिंग चलाकर तीनों शराब से लदे मोटरसाइकिल सहित चालक को हिरासत में ले लिया गया।हिरासत में लिए शराब तस्कर से पूछताछ करने पर अपना नाम उमगांव निवासी सिराजुल शेख के पुत्र मो असलम वहीं दो सोठगांव निवासी रामविलास सहनी के पुत्र प्रदीप सहनी,भोला ठाकुर के पुत्र सिकेंद्र कुमार ठाकुर सभी थाना हरलाखी जिला मधुबनी को गिरफ्तार कर लिया गया।रहिका थाना अध्यक्ष राजकिशोर कुमार ने बताया कि तीनों शराब तस्कर चोरी के मोटरसाइकिल से शराब तस्करी करता था जिसे गुप्त सूचना के आधार पर वाहन चेकिंग अभियान चलाकर तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार तस्कर के पास से चोरी की मोटरसाइकिल पर लादे बोरे से1013 बोतल देसी नेपाली शराब बरामद किया गया।तीनों तस्कर के विरूद्ध उत्पाद मध निषेध अधिनियम के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में लेने हेतु मधुबनी भेज दिया गया।जहां अग्रिम कार्रवाई करते हुए 14 दिनों के लिए न्यायिक अभिरक्षा में लेते हुए कारा मंडल रामपट्टी भेज दिया गया।

लोकमान्य तिलक की स्मृति में आयोजित होगा दस दिवसीय भव्य 'गणपति उत्सव'

शामिल होंगे देश के 500 संस्कृति कर्मी एवं साहित्यकार

प्रात : किरण संवाददाता
ब्रह्मानन्द ठाकुर

मुजफ्फरपुर। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर स्मृति न्यास, दिल्ली द्वारा इस वर्ष 18 सितंबर, 2023 से श्री गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर भारतीय स्वराज्य के प्रणेता लोकमान्य तिलक की पुण्य स्मृति में मुजफ्फरपुर में ह्यगणपति उत्सवह्न का शुभारंभ किया जायेगा, जो अगले दस दिनों तक निरंतर जारी रहेगा। यह जानकारी आज स्थानीय सर्किट हाउस में आयोजित एक प्रेसवार्ता में राष्ट्रकवि दिनकर स्मृति न्यास के अध्यक्ष और संस्कृतिकर्मी नीरज कुमार ने दी। उन्होंने इस कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा कि लोकमान्य तिलक ने स्वराज्य के लिये संघर्ष की शक्ति बढ़ाने और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने के लिये 1893 में महाराष्ट्र के पुणे शहर में सर्वप्रथम सामूहिक रूप से गणपति उत्सव मनाने की शुरूआत की थी, जिसने देखते ही देखते स्वराज्य के लिये संघर्ष के एक राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप ले लिया था। लोकमान्य तिलक की इसी महान विरासत की स्मृति में दिनकर न्यास ने मुजफ्फरपुर में दसदिवसीय गणपति उत्सव आयोजित करने का संकल्प लिया है। इस अवसर पर पारंपरिक रूप से गणपति पंडाल, पूजा-आरती और विसर्जन की रीतियों का पालन करने के साथ-साथ दस दिनों तक लगातार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिसमें देश भर से 500 कलाकार, संस्कृतिकर्मी एवं साहित्यसेवी भाग लेंगे। राष्ट्रकवि दिनकर स्मृति न्यास के अध्यक्ष नीरज कुमार ने कहा कि न्यास लोकमान्य तिलक, स्वामी विवेकानंद, रवीन्द्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, मुंशी प्रेमचन्द एवं राष्ट्रकवि दिनकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने को अपना लक्ष्य बनाकर पिछले 32 वर्षों से निरंतर सांस्कृतिक भारत के निर्माण में संलग्न रहा है। भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन के इतिहास में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण और विशिष्ट है। 30 दिसम्बर 1916 को लखनऊ की सभा में तिलक जी ने ही सर्वप्रथम स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है और हम इसे लेकर रहेंगे का ऐतिहासिक उद्घोष किया था, जिसकी प्रेरणा से भारतीय जनमानस स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में ललकार उठा था। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम की ऐसी रणभेरी बजायी, जिसकी अनुगूंज समूचे देश में कोने-कोने तक फैल गई थी। लोकमान्य तिलक को अंग्रेजी साम्राज्य के विरुद्ध ह्यराष्ट्रीय आक्रोशह्न का जन्मदाता और भारतीय क्रांति का जनक माना जाता है। उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध जन असंतोष प्रकट करने के जो अनूठे तरीके निकाले थे, गणपति उत्सव और शिवाजी उत्सव उनमें प्रमुख थे। देश में सबसे पहली बार सन् 1893 में महाराष्ट्र के पुणे में सार्वजनिक तौर पर तिलक जी द्वारा गणपति उत्सव मनाये जाने की शुरूआत की गयी। उस समय गणपति उत्सव धार्मिक कम और राष्ट्रीय पर्व ज्यादा था। बल्कि कहना चाहिए कि वह स्वराज्य के लिए समाज को जागृत करने वाला एक सामाजिक और सांस्कृतिक अभियान बन गया था। तिलक का संपूर्ण जीवन कर्मयज्ञ था। इस कर्मयज्ञ का मुख्य उद्देश्य उस राष्ट्र को जगाना था, जो कुंभकर्णी निद्रा की स्थिति में था। अभूतपूर्व इच्छाशक्ति, परिश्रम और संगठन की असाधारण क्षमता का उपयोग कर उन्होंने राष्ट्र में एक नई चेतना का संचार करने का प्रयास किया। वे देश के पहले ऐसे प्रखर पत्रकार थे, जिन्हें पत्रकारिता के कारण तीन बार कारावास भोगना पड़ा था। तिलक ने अपने समाचार पत्रों के माध्यम से जन जागृति की नयी पहल की थी और उन्हें भारत को दासता से मुक्त करने के लिये जनता के आह्वान का राष्ट्रीय मंच बना दिया था। मुजफ्फरपुर के साथ लोकमान्य तिलक का अत्यंत गहरा नाता रहा है। 30 अप्रैल, 1908 को बंगाल विभाजन का विरोध करते हुए खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी ने यहीं पर कोलकाता के मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट डगलस किंग्सफोर्ड पर बम फेंका था। इस घटना की प्रतिक्रिया में अंग्रेजी हुकूमत द्वारा किये जा रहे अत्याचारों की बेहद कड़ी आलोचना करते हुए तिलक जी ने अपनी चिर-परिचित आक्रामक भाषा में केसरी में दो लेख लिखे थे, जिसके कारण उन्हें राजद्रोह का दोषी ठहराया गया और छह साल के लिये कालेपानी की सजा के तहत मांडले जेल भेज दिया गया। बर्मा के मांडले जेल की अत्यंत यातनामय परिस्थितियों में ही लोकमान्य तिलक ने श्रीमद्भगवद्गीतारहस्य अर्थात्कर्मयोगशास्त्र जैसे युगांतरकारी महत्व के ऐतिहासिक ग्रंथ की रचना की थी, जो स्वाधीनता आन्दोलन के दौर से लेकर आज तक करोड़ों देशवासियों का पथ-प्रदर्शन करता रहा है। आगामी 18 सितंबर, 2023 को बिहार के मुजफ्फरपुर में भव्य ह्यगणपति उत्सवह्न का दसदिवसीय आयोजन करने के राष्ट्रकवि दिनकर स्मृति न्यास के संकल्प के पीछे राष्ट्रीय जागरण तथा स्वराज्य के लिये संघर्ष की प्रेरणा जगाने वाली लोकमान्य तिलक की इस महान विरासत को याद करने के साथ-साथ वर्तमान सामाजिक-सांस्कृतिक चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय एकता एवं सामूहिकता के प्रयासों को बल देना भी है, जिसके लिये न्यास कृतसंकल्प रहा है। राष्ट्रकवि दिनकर स्मृति न्यास द्वारा आयोजित आज की प्रेसवार्ता को प्रसिद्ध कवि संजय पंकज, समाजसेवी मुकेश त्रिपाठी और अविनाश तिरंगा ने भी सम्बोधित किया।

मैट्रिक परीक्षा में छात्र छात्राओ ने लहराया परचम ।

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/हरलाखी। बिहार बोर्ड द्वारा मैट्रिक रिजल्ट जारी किये जाने के बाद पूरे बिहार में उत्तीर्ण किये जाने वाले बच्चों के बीच जसन का माहौल चल रहा है। इसी कड़ी में आज सर्वोदय पब्लिक स्कूल सह कोचिंग सेंटर फुलहर में बेहतर अंक लाने वालो छात्र छात्राओ के बीच सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। दुसरी और छात्र छात्राओ ने एक दुसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दिया। बताते चले की इस क्लासेज में रजनीश कुमार 447 अंक इसी तरह कमलेश कुमार 443 सुधा कुमारी 434 लवली मणिराज 433 रविशंकर कुमार 413 पंकज कुमार 397 मीनू कुमारी 395 रविरंजन कुमार 373 बबी कुमारी 334 अर्चना कुमारी 319 अंक लाकर मान बढ़ाया है। जानकारी देते हुए कोचिंग के निर्देशक धनंजय यादव ने कहा की आज शिक्षा के प्रति लोंगो में जो उत्साह दिख रहा है। वह निश्चिंत ग्रामीण इलाकों के लिए सुखद है। सभी बच्चें अपने मेहनत व लग्न के बल पर परचम लहराया है। मौके पर प्रिंसपल लालू कुमार यादव शिक्षक दीपक कुमार, नीतीश कुमार, रमेश कुमार, विनोद कुमार, मो. तोसिफ अभिभावक, रति लाल यादव, अशोक ठाकुर, शिव कुमार मरीक, राम देव मरीक, किशुन साह, हरि साह, पुलकित मरीक, सूर्य नारायण महतो, राजेश कुमार महतो समेंत अन्य लोग उपस्थित थे।

मवेशी घर में लगी भीषण आग, तीन पशु की हुई जुलसकर मौत।

नरार गुलरिया टोल में अगलगी से राख में तब्दिल हुआ मवेशी घर व पशु ।

प्रात : किरण संवाददाता

खजौली प्रखंड के नरार पूर्वी पंचायत के नरार गुलरिया टोल में शनिवार की रात अचानक राजनारायण यादव के मवेशी घर में आग लग गई. घटना करीब एक-दो बजे रात की है. जिसमें मवेशी घर सहित उसमें बंधे तीन पशु की झुलसकर मौत हो गई. सूचना पर कलुआही थानाध्यक्ष अग्निशामक (फायर बिग्रेड) की गाड़ी लेकर पहुंचे. जिससे आग पर काबू पाया गया. पशु चिकित्सक नितेश कुमार सिंह ने सभी मृत पशुओं का पोस्टमार्टम किया. गृहस्वामी ने बताया कि घटना करीब एक-दो बजे रात की है. आग की लपट देखकर आसपास के लोगों के जोर-जोर से चिल्लाया. चिल्लाने की आवाज सुनकर जगे तो पशु घर धू-धू कर जल रहा था. ग्रामीणों ने काफी प्रयास किया लेकिन आग पर काबू नहीं पाया गया. घटना की सूचना कलुआही थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार को दी गई. उन्होंने फायर बिग्रेड की गाड़ी के साथ मौके पर पहुंचे एवं आग पर काबू पाया गयां . गृहस्वामी ने कलुआही सीओ विकेश कुमार एवं पशु चिकित्सक को मुआवजा की मांग को लेकर आवेदन दिया है. पशु चिकित्सक मौके पर पहुंचकर आग में झुलसकर मरे हुए सभी पशुओं का पोस्टमार्टम किया. घर वालों ने तकरीबन एक लाख मुल्य का पशु एवं जले हुए पशु घर की मुआवजे की मांग किया है. मौके पर मुखिया आशा देवी, पशु चिकित्सक डॉक्टर नितेश कुमार सिंह ,विनय कृष्ण यादव उर्फ महेश यादव, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष मोहन चैधरी ,मुखिया पति राजेश ठाकुर सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

मानव सेवा करना ही मेरी प्राथमिकता, बिना भेदभाव के करूँगा क्षेत्र का विकासः शानू

प्रात : किरण संवाददाता

उत्तर प्रदेश स्योहारा/सहसपुर। गरीबों की निस्वार्थ खिदमत करना ही मेरा मकसद है यह विचार हैं बहुत कम समय में जनता की सेवा कर अपनी अधिक पहचान बनाने वाले वार्ड नंबर 14 के,सभासद पद के आजाद उम्मीदवार सहसपुर जनपद बिजनौर के निवासी मोहम्मद अहमद उर्फ शानू के है जो की नगर पंचायत के आने वाले चुनाव में वार्ड नंबर 14 के भावी उम्मीदवार हैं मोहम्मद अहमद उर्फ शानू के दादा स्वर्गीय शेख शमशाद जो कि नगर सहसपुर की आन बान शान हुआ करते थे उनके जीवन काल में हमेशा उनके घर पर जनता दरबार लगता था।स्वर्गीय शेख शमशाद प्रदेश की राजनीति में भी अपना वर्चस्व रखते थे उनके बेटे स्वर्गीय इरशाद हुसैन भी अपने पिता के नक्शे कदम पर जनता की सेवा में निस्वार्थ सेवा करते थे उनके पुत्र मोहम्मद अहमद उर्फ शानू अपने दादा के नक्शे कदम पर चलते हुए नगर की जनता के निस्वार्थ दिन रात सेवा में लगे हुए हैं।नगर पंचायत सहसपुर में अपनी पहचान बना चुके वरिष्ठ समाजसेवी मोहम्मद अहमद उर्फ शानू ने लॉकडाउन में जनता की बिना भेदभाव के बिना बताए बहुत मदद की। मोहम्मद अहमद उर्फ शानू खुद ही बाहर निकलते थे और राशन बांटता थे, ताकि संकट की इस घड़ी में कोई भूखा न रहे और सभी तक मदद पहुंच जाए।उनहों ने अपने नगर के लिए ओर भी बहुत कार्य कराये हैऔर करने की इच्छा रखते है वह अपने नगर को तरक्की की ओर ले जाने के लिए निस्वार्थ लगे हुए है।जैसे आधार कार्ड कैंप लगाकर लोगों की मदद की, आयुषमान कार्ड बनवाकर लोगों की सहायता की, नगर के बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया। नगर में समाज सेवा से जुड़े हर कार्य में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते हैं ओर पूरा योगदान भी देते है।समाज सेवक मोहम्मद अहमद उर्फ शानू का कहना है कि वो इस मदद को लगातार जारी रखेंगे।उन्होंने बताया कि कई बार जरूरतमंद लोग उनके पास खुद भी पहुंच जाते हैं और वह अपने इस मदद के कार्य को आगे भी जारी रखेंगे।और लोगों के लिए प्रेरणा बनना चाहते हैं।मोहम्मद अहमद उर्फ शानू का कहना है कि यदि जनता ने मुझे वार्ड 14 से चुनाव जीता कर नगर पंचायत में भेजा तो मैं और खुले मन से बिना भेदभाव के जनता की सेवा और विकास कार्य करूंगा वार्ड की जिस जनता जनसमर्थन प्यार व जज्बा देखकर ऐसा लग रहा है कि मोहम्मद अहमद और शानू को कोई हरा नहीं सकता।

खिदमते ख्लक समूह ने किया रोजा.अफ्तार पार्टी का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

उत्तर प्रदेश गजरौला। धर्म से ऊपर उठकर खिदमते खल्क समूह की जानिब से मोहल्ला नाईपुरा में स्थित मस्जिद परिसर में सैकड़ो रोजेदारो का रोजा अफ्तार कराया गया।रोजा अफ्तारी के बारे में बात करते हुए समूह के मुख्य सदस्य इरफान अली ने बताया कि हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख और ईसाई मजहब के हम कुछ भाईयो ने मिलकर एक समूह बनाया है, जिसका नाम खिदमते ख्लक है।इस समूह का मुख्य उद्देश्य सभी धर्मो के गरीब,कमजोर , बेसहारा, असहाय,यतीम और मजलूम लोगो की मदद करना है।जैसे बीमारो का इलाज कराना, गरीबो को खाना खिलाना आदि नेक काम अल्लाह की राजा के लिए करना है और आने वाले साल में बेसहारा बेटियो की शादी भी इस समूह के माध्यम से कराई जाएंगी।आज रोजेदारो का रोजा भी अफतार कराया है तथा जो गरीब घर अफ्तारी के वक़्त अफतार के लिए अफ्तारी का सामान नहीं खरीद पाते हैं और तरह तरह के उम्दा खानो से महरूम रहते हैं इसलिए खिदमते खल्क समूह ने उनकी गोरो फिक्र करते हुए उनको भी सभी की तरह रोजा आफ्तार कराकर सबाब का काम किया है और आगे भी करते रहेंगे तथा उन्होंने बताया कि मा,बहनो और बेटियो के रोजा अफ्तार के लिए अफ्तार का सामान पैकेट में पेक कर उनके घर पर भी पहुंचाया गया है। रोजा अफ्तार में सैकड़ो की तादाद में मासूम बच्चे और बड़े शामिल हुए तथा सभी ने अफ्तार के बाद अल्लाह से मुल्क की सलामती अमन चैन और तरक्की के लिए दुआएं की।इस अवसर पर इरफान अली एल एफ सी वाले, मोहम्मद अली, मैहेदी हसन, आरिफ, जाहिद मलिक, साजिद, इरशाद, मुसतकीम इन्जीनियर,हारून डॉक्टर मुनव्वर आदि समूह के सदस्य मौजूद रहे।

महावीर जयंती की पूर्व संध्या पर जैनियों ने निकाला अहिँसा यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर आज यहाँ जैन धर्मावलंबियों ने एक भव्य अहिँसा यात्रा का आयोजन किया। इस अहिंसा यात्रा के संयोजक सुबोध जैन ने बताया कि यह यात्रा जैन संघ, पटना, रोटरी पाटलिपुत्र एवं जैन युवा जागृति मंडल के संयुक्त तत्वावधान में निकाली गई। यह अहिँसा यात्रा प्रातः सात बजे कारगिल चौक से निकलकर खादी मॉल, आरबीआई, होटल मौर्य, फ्रेजर रोड, एसपी वर्मा रोड, न्यू डाक बंगला रोड, डाक बंगला चौराहा होते हुए मौर्य लोक पर इसकी समाप्ति हुई। इस अहिंसा यात्रा में सैकड़ों की संख्या में लड़के, लड़कियां, महिलाएं एवं पुरुषों ने भाग लिया। लड़के एवं पुरुष सफेद परिधान में एवं महिलाएं साड़ी एवं गणवेश में चल रही थी। इस अहिंसा यात्रा में लोग हाँथो में तख्तियां लेकर चल रहे थे जिनपर ह्लअहिंसा परमो धर्मःह्व ह्लशाकाहार सर्वोत्तम आहारह्व ह्लनिरोगी जीवन का एक ही मंत्र- शाकाहार शाकाहार शाकाहारह्व ह्लहम सबने ठाना है - पानी को बचाना हैह्व सहित अनेको संदेश लिखे हुए थे। इस अहिंसा यात्रा को सफल बनाने में श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन महिला मंडल की सरला जैन एवं अर्चना जैन सहित मीठापुर दिगम्बर जैन महिला मंडल की ममता जैन सहित जैन युवा जागृति मंडल, रोटरी पाटलिपुत्र आदि का विशेष सहयोग रहा। मौके पर जैन संघ के महासचिव मुकेश जैन ने बताया कि संध्या बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स में महिला समितियों द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया सरस्वती वंदना से किया गया। इसमे छोटे छोटे बच्चों का भाव नृत्य किया गया। साथ हीं मीठापुर की महिलाओं एवं बच्चों द्वारा भक्ति नृत्य किया गया। मौके पर जैन संघ के अध्यक्ष प्रदीप जैन ने बताया कि मंगलवार चार अप्रैल को जैन संघ द्वारा एक भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी जो मीठापुर दिगम्बर जैन मंदिर से निकलकर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कदमकुआं पर समाप्त होगी। मीठापुर दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष बिजय जैन ने बताया कि मीठापुर दिगम्बर जैन मंदिर में इसकी तैयारियां चल रही है। जैन संघ के मीडिया सचिव एम पी जैन ने बताया कि यह शोभा यात्रा मीठापुर दिगम्बर जैन मंदिर से प्रातः आठ बजे निकालकर दस बजे कदमकुआं स्थित दिगम्बर जैन मंदिर पसहुँचेगी। यहां पर भगवान महावीर का 108 कलशों से अभिषेक होगा। आज की इस अहिंसा यात्रा में जैन संघ, पटना, रोटरी पाटलिपुत्र के सदस्यगण एवं जैन युवा जागृति मंडल के आशीष जैन, निखिल जैन, कार्तिक जैन, रोशन जैन, उमंग जैन, वरुण जैन एवं जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, पटना के अध्यक्ष पूनमचंद सिंघी, मंत्री राकेश कुमार रामपुरिया तेरापंथ युवक परिषद पटना अध्यक्ष विनय प्रकाश सेखानी, मंत्री राहुल बोथरा सदस्य अमृत भूटोरिया, नितिन जैन, ऋषभ दुगर, रोहित कोठारी,लक्ष्य जैन सहित पूरे पटना जैन समाज का सहयोग रहा।

मैट्रिक की परीक्षा में टॉपर अंक लाने को लेकर सम्मान समारोह का आयोजन ।

प्रात : किरण संवाददाता

खजौली प्रखंड़ क्षेत्र के भकुआ पंचायत के कसमा गांव स्थित प्रगति कोचिंग सेंटर के 10वीं की 12 छात्र छात्राओं द्वारा मैट्रिक की परीक्षा में टॉपर अंक लाने को लेकर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस छात्र सम्मान समारोह का अध्यक्षता प्रगति कोचिंग सेंटर के संचालक शंम्भू सिंह के द्वारा किया गया. समान समारोह के दौरान मैट्रिक परीक्षा में टॉपर सभी छात्रों को कलम,डायरी एव मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया. कोचिंग सेंटर के संचालक शंम्भू सिंह ने बताया कि प्रगति कोचिंग सेंटर में मैट्रिक के प्रथम बैच में कुल 12 छात्रों का नामांकन करके पठन पाठन संचालित किया गया था जो सभी छात्रों ने बेहत्तर अंक लाकर कोचिंग सेंटर का मान सम्मान बढ़ाया है. उन्होंने कहा कि मैट्रिक परीक्षा में अश्वनी कुमार को 468 अंक प्राप्त किया है.वही ललन सिंह को 438 अंक , अरुण कुमार को 415 अंक, नीतीश कुमार यादव को 357 अंक,राहुल कुमार पासवान को 353 अंक,मनीषा कुमारी को 295 अंक,रितेश कुमार को 293 अंक,आरती कुमारी को 290 अंक, अंजली कुमारी को 290 अंक,पुष्पा कुमारी को 286 अंक, अनिशा कुमारी को 285 अंक, काजल कुमारी को 289 अंक प्राप्त कर गांव, पंचायत एव प्रखंड़ का नाम रौशन किया है. वही प्रगति कोचिंग सेंटर के शिक्षक कृष्ण कुमार यादव एव अजित प्रसाद ने कहा कि सुदूर ग्रामीण इलाके में प्रगति कोचिंग सेंटर में मैट्रिक की परीक्षा की तैयारी सिलेवस के अनुसार छात्राओं दी गयी.जिसका फलस्वरूप सभी छात्र,छात्राओं द्वारा सफलता की परचम लहराया है. वही शिक्षक शंम्भू सिंह ने कहा कि जिस तरह मुझे गुरुजन शिक्षा दिया था उस अनुसार छात्राओं को देने से सफलता हासिल की है।

जीविका ने शुरू किया 4प्रखंडों में नीरा स्टॉल

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जीविका द्वारा जिले के चार प्रखंडों में पांच नीरा स्टॉल का शुभारंभ किया गया। कटरा, गायघाट बन्दरा और बोचहा में विधिवत रूप से नीरा स्टॉल का उद्घाटन किया गया । स्टाल पर जीविका द्वारा नीरा की गुणवत्ता और नीरा के फायदों को लेकर कई सारे बैनर और पोस्टर लगाए गए हैं। ज्यादा से ज्यादा लोग नीरा का इस्तेमाल करें और नीरा के लाभ से खुद को स्वस्थ रख सके। इस के लिए प्रचार-प्रसार किया जा रहा है ।इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला परियोजना प्रबंधक अनीशा ने बताया कि आने वाले दिनों में जिले में कई नीरा स्टॉल का शुभारंभ होगा ।नीरा स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक है और इसके लाभ से कई तरह की बीमारियां दूर होती है ।जिसको लेकर प्रचार-प्रसार और जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिले में नीरा से बने अन्य उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है। नीरा के गुड़, पेड़ा और आइसक्रीम सहित कई उत्पादों को बनाकर बाजारों में बेचना प्रारंभ किया गया है।

मर्डर केस में दर्ज हुआ मामला छः गिरफ्तार।

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी ज़िला के लौकहा थाना क्षेत्र अंतर्गत माधोपुर पंचायत के सहोरबा गांव में भूमि विवाद को लेकर शनिवार को दो पक्षों में हुई हिंसक झड़प में तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि पांच लोग घायल हुए जिनमें से रविंद्र यादव की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है वहीं एक साथ तीन परिवार में हुई दर्दनाक मौत को लेकर मची चीख पुकार से इलाके के लोग मर्माहत हैं ।घटना की सूचना मिलते ही तत्काल जांच को पहुंचे डीएसपी प्रभात कुमार शर्मा के निर्देश पर सर्किल इंस्पेक्टर राजेश कुमार मामले की सघनता से जांच कर रहे हैं। वहीं डीएसपी खुद पूरे कांड की समीक्षा कर रहे हैं। गांव में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है साथ ही लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन करने के लिए एसपी सुशील कुमार के निर्देश पर गांव में क्यू आर टी पुलिस टीम की एक टुकड़ी भी तैनात हैं ।बता दें कि इस भीषण हिंसा कांड में प्रथम पक्ष के नवल किशोर यादव की गोली लगने से मौत हो गई एवं प्रभाष यादव को मारपीट के क्रम में गंभीर रूप से घायल कर दिया गया जिससे उसकी भी मौत हो गई। वहीं इस घटना के दौरान बीच बचाव करने को पहुंची गांव के मुखिया अरविन्द गुरमैता की मां बिजली देवी की भी मारपीट के क्रम में चोट लगने से मौत हो गई। साथ ही अरविन्द गुरमैता के भाई रविंद्र यादव भी मारपीट में गंभीर रूप से घायल हैं जिनका इलाज चल रहा है और खबर लिखने तक हालत गंभीर बताई गई। फिल्हाल लौकहा थाना पुलिस ने दोनों पक्षों के आवेदन के आधार पर कांड संख्या 83/23 और 84/23 में मामला दर्ज.कर लिया है और घटना की जांच की जा रही है ।तत्काल पुलिस ने दोनों पक्षों से रौशन यादव, राजबल्लभ यादव, लक्ष्मी यादव तथा पंकज यादव, रूपेश यादव और बंशीलाल यादव समेत कुल छः लोगों को गिरफ़्तार कर लिया है। शेष फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है ।इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है।

नमामि गंगे टीम ने गंगा घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया

प्रात : किरण संवाददाता

उत्तर प्रदेश रहरा। हर रविवार मां गंगा के द्वार रविवार को नमामि गंगे गंगा विचार मंच के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने ब्रांपुर गंगा घाट पर पहुंचकर स्वच्छता अभियान चलाया और वहां पर आए हुए सभी श्रद्धालुओ को स्वच्छता के बारे में जागरूक किया और कहा कि मां गंगा में कोई भी ऐसा पदार्थ ना डालें जिससे मां गंगा का जल दूषित हो। जैसे अधजली लकड़ी, दोना, पत्तल, पॉलिथीन आदि सामग्री ना डालें। नमामि गंगे गंगा विचार मंच के जिला सह संयोजक ठाकुर लाखन सिंह ने बताया कि अमरोहा जिले की नमामि गंगे टीम जिला संयोजक संजय सिंह के नेतृत्व में पिछले 8 वर्षों से निरंतर हर रविवार मां गंगा के द्वार स्वच्छता अभियान चला रही है। उन्होंने बताया कि यह स्वच्छता अभियान आगे भी अलग-अलग घाटो पर चलता रहेगा। जिला सह संयोजक ठाकुर लाखन सिंह ने बताया कि स्वच्छता अभियान चलाने से मां गंगा का जल स्वच्छ और साफ सुथरा रहता है। उन्होंने आए हुए सभी श्रद्धालुओं से भी कहा कि गंगा के जल में कूड़ा करकट आदि डालकर उसे दूषित ना करें तथा साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें। इस अवसर पर अमरोह जिला सह संयोजक ठाकुर लाखन सिंह,गंगेश्वरी ब्लॉक संयोजक रामकेश सिंह, गजरौला ब्लॉक संयोजक लोकेश चौधरी, ओम शरण तोमर, सुरेश राणा, कल्याण सिंह, बिजना देवी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खजौली पुलिस निरीक्षक कार्यालय में मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्रात : किरण संवाददाता

खजौली पुलिस निरीक्षक अंचल खजौली कार्यालय पर रविवार को पुलिस इंस्पेक्टर राजकिशोर शर्मा के नेतृत्व में कलुआही,खजौली,बाबूबरही एव राजनगर थानाध्यक्षो के साथ मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया. इस अपराध गोष्ठी में पुलिस इंस्पेक्टर राजकिशोर शर्मा ने बारी बारी से सभी थानाध्यक्षो से अपराध की समीक्षा किया गया.उन्होंने सभी थानाध्यक्ष का लंम्बित कांड की समीक्षा कर कांड को निष्पादित करने का निर्देश दिया गया.उन्होंने कहा कि दिवा गश्ती एव रात्रि गश्ती के दौरान सड़क मार्ग से शराब धंधेबाज पर कड़ी नजर रखने का आदेश दिया गया.साथ ही थाना क्षेत्र में अवैध रूप से शराब बेचने एव शराब पीने वाले व्यक्ति पर नजर रखकर उसे गिरप्तारी करने का निर्देश दिया गया.पुलिस इंस्पेक्टर ने कहा कि फरार अपराधी को पता लगाकर उसे गिरप्तार कर जेल भेजने का निर्देश दिया गया. उन्होंने कहा कि न्यायालय से जारी फरार वारंटी, फरार अपराधी के घर की कुर्की जप्ती करने का आदेश दिया.पुलिस इंस्पेक्टर ने उपस्थित सभी थानाध्यक्ष को कहा कि अपने थाना क्षेत्र में चोरी, डकै

संक्षिप्त खबरें

पानी की फिल्टर टंकी फटने से जल सप्लाई पूरी तरह से बाधित, परेशानी में लोग

पूर्णिया/धमदाहा। किशनपुर बलुआ पंचायत के वार्ड संख्या एक के सौरकाही में जल नल योजना पूरी तरह से विफल साबित हो गया है। आपको बता दें कि जल सप्लाई फिल्टर टैंक फट जाने के कारण एक महीने से जल सप्लाई पूरी तरह से बाधित हो गया है। जानकारी देते वार्ड संख्या एक के वार्ड सदस्य सह जल नल ऑपरेटर राजेश मुखिया ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जलनल योजना सिर्फ हवा हवाई बन कर रह गई है जमीनी स्तर पर यदि देखा जाए तो परिणाम शून्य ही आएगा। सौरकाही में जलनल योजनाओं की पानी जनता की बीच शुरुआत होते ही जल सप्लाई की टैंक फट जाने के कारण एक महीने से बंद पड़ा हुआ है।

झारखंड से भटक कर पूर्णिया पहुंची बालिका चाइल्ड लाइन को सुपुर्द

पूर्णिया/केनगर। झारखंड राज्य से भटक कर आई एक नाबालिग बच्ची को चम्पानगर ओपी पुलिस ने चाइल्ड लाइन पूर्णिया को सुपुर्द कर दिया। उक्त मामले को लेकर चम्पानगर ओपी पुलिस पदाधिकारी ददन कुमार ने चाइल्ड लाइन पूर्णिया के समन्वय रुबी रानी एवं दीपक कुमार को लिखित आवेदन देकर भटकी हुई बच्ची की पहचान झारखंड प्रान्त के पाकुड़ जिला अंतर्गत सदर थाना क्षेत्र के शहर कोल गांव के पहचान राय की 15 वर्षीय पुत्री यशोदा कुमारी के रूप में किया है। बताया की चम्पानगर बाजार के धीरज कुमार की समाज सेविका पत्नी चांदनी देवी के संरक्षण में रखा गया था, जिसे चाइल्ड लाइन के समन्वय सदस्यों को विधिवत सौंपा गया है।

बिहार क्रिकेट के पूर्व ऑल राउंडर कृष्णा ढकाल के निधन पर शोक की लहर

मुंगेर सदर। जिला के जमालपुर निवासी कृष्णा ढकाल हरफनमौला क्रिकेटर के साथ बेहतरीन उद्घोषक एवं सभी के दिलों में राज करते थे बाएं हाथ के बल्लेबाज और बाएं हाथ के ही स्विंग के महारत हासिल रखने वाले गेंदबाज थे लगभग 30 साल उन्होंने क्रिकेट को दिया देश का प्रतिनिधि नहीं कर पाए इसका कृष्णा ढकाल को मलाल रहा। कृष्ण ढकाल कि अचानक निधन से सामाजिक कार्यकर्ता आमिर उल इस्लाम ने बताया कृष्णा ढकाल हम सब के गुरु और हमेशा हम सबको खेल एवं अनुशासन सिखाते थे उनके निधन से बिहार क्रिकेट जगत को बहुत बड़ी क्षति हुई क्रिकेट के बाद उनकी रूचि गोल्फ में भी ज्यादा थी ज्यादातर वह जमालपुर गोल्फ मैदान में समय बिताया करते थे।

विदाई व सम्मान समारोह का आयोजन

तारापुर। आर एस कॉलेज तारापुर के चतुर्थवर्गीय कर्मी आनंदी प्रसाद दत्ता के सेवा निर्मित पर गत शुक्रवार को विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया अध्यक्षता प्राचार्य डॉ उदय शंकर दास ने की जबकि संचालन शिक्षक संघ के सचिव से उर्दू विभाग अध्यक्ष डॉक्टर शाहिद रजा जमाल ने किया इस मौके पर प्राचार्य ने सेवानिवृत्त कर्मी के स्वास्थ्य जीवन की कामना की डॉ जमाल ने उनके लगभग 37 वर्षों के कार्यकाल को बताया इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षक संघ एवं शिक्षक संघ द्वारा पुष्प एवं समिति के सचिव लेखापाल शंभू नाथ मिश्रा मौजूद थे।

दो घरों में आग लगने से हजारों रुपए का नुकसान

हवेली खड़गपुर। प्रखंड के रतैठा पंचायत के रतनी गांव में गत गुरुवार के दिन खाना बनाने के दौरान दो घरों में आग लग जाने का समाचार प्रकाश में आया है। इससे हजारों रुपए की संपत्ति जलकर राख होने की सूचना है। जानकारी के अनुसार रतनी गांव निवासी नंदलाल यादव और प्रदीप यादव के घर अचानक आग लग गई। इससे आसपास के ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे लेकिन आग इतनी तेज और भायाव थी कि घर के कई सम्मान के आगोश में समा गया। इस घटना में 7000 से लेकर 70000 मूल्य की संपत्ति का नुकसान हुआ है। मुखिया राहुल कुमार चंदन ने बताया कि सरकारी प्रावधानों के अनुसार जो मदद होगी वह अग्नि पीड़ित परिवार को उपलब्ध कराई जाएगी।

विगत दिनों दो समुदायों के बीच हुए विवाद के बाद मुख्य बाजार रहा बंद

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला के खरीक थाना क्षेत्र के खरीक बाजार में देर रात प्रतिमा विसर्जन को लेकर दो पक्षों में हुए हिंसक झड़प के बाद इलाके में पुलिस की तैनाती कर दी गयी है, लगातार अधिकारी कैम्प कर रहे हैं। मामले में दोनो पक्ष के तरफ से 15-15 लोगों पर नामजद व दर्जनों अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। वहीं हिंसा के विरोध में खरीक बाजार को बंद कर दिया गया है, साथ ही व्यवसायिक प्रकोष्ठ के सदस्यों व ग्रामीणों ने आरोपियों पर कार्रवाई किये जाने की मांग की है। वहीं मामले को लेकर एसडीओ उत्तम कुमार व एसडीपीओ दिलीप कुमार ने खरीक थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने को लेकर दोनों पक्षो के लोगों के साथ बैठक की है, साथ ही इलाके में माहौल शांतिपूर्ण रखने की अपील की है।

मोदी सरकार पूंजीपतियों के बीच बांट रहे देश का पैसा, देश के लिए नहीं है शुभसंकेत : प्रदेश उपाध्यक्ष

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया/जलालगढ । जय भारत सत्याग्रह यात्रा के दौरान कांग्रेस के बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ महारूफ ने जलालगढ़ में प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि देश के मौजूदा हालात आप सभी अच्छी तरीके से समझ रहे हैं। ऐसे में हम लोग जमीनी स्तर पर आप लोगों से उम्मीद लगाए बैठे हैं कि आप लोग जनता तक हमारी बात को पहुंचाये। देश के चुने हुए सांसद को किस तरह से परेशान किया जा रहा है और उधर पूंजीपतियों को किस तरह से गरीबों का पैसा दिया जा रहा है। ऐसे में देश में महंगाई चरम पर है और सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रहा है। उन्होंने कहा कि देश का पैसा बांटा जा रहा है यह पैसा हमारा है आपका है और हम सभी देशवासियों का है। आखिर एलआईसी का पैसा किस परिस्थिति में अदानी ग्रुप के लिए दिया गया यह विचारणीय प्रश्न है। वहीं वर्तमान समय में देश में रेल बेचो, सेल बेचो, तेल बेचो, भेल बेचो अभियान चल रहा है। जिस तरह से देश के संसाधनों को एक ही व्यापारी को उपभोग के लिए इस्तेमाल के लिए दिया जा रहा है आने वाले समय में यह काफी घातक साबित होगा। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब संसद में सत्ताधारी पक्ष जो है वह संसद नहीं चलने दे रही है और विपक्ष का कहना है कि हमें बोलने का मौका दिया जाए। महंगाई चरम पर है मोदी जी चुप हैं, बेरोजगारी चरम पर है मोदी जी चुप हैं। देश के संसाधनों को किस तरह से औने पौने दाम पर गिरवी रखा जा रहा है आखिर आने वाली पीढ़ी के लिए हम क्या छोड़कर जाएंगे। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता देवी लाल दास, निर्मल विश्वास, विधानसभा प्रतिनिधि शकील अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष पूरन दास, युवा प्रखंड अध्यक्ष शाहनवाज अंसारी मार्शल, सदानंद मंडल, कमलेश्वरी पासवान, असद रजा, मोहम्मद मुर्तजा, मोहम्मद फारुख मौजूद थे।

राहुल गांधी की लोकप्रियता से घबराकर असंवैधानिक तरीके से करवायी गयी संसद सदस्यता रद्द : कांग्रेस

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया/ केनगर । केनगर प्रखंड मुख्यालय स्थित ई किसान भवन परिसर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लोकसभा से अयोग्य घोषित करने के खिलाफ प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष मो रशीद आलम उर्फ लड्डू की अध्यक्षता में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया।

प्रेस वार्ता में पार्टी के प्रदेश कार्य कारिणी सदस्य त्रिपुरारी शर्मा एवं जिला उपाध्यक्ष राहुल चौधरी के अलावा अन्य कई कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे। प्रदेश के त्रिपुरारी शर्मा द्वारा जारी प्रेस वार्ता में केन्द्र के वर्तमान भाजपा शासित सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ सत्याग्रह विरोध जताया तथा असंवैधानिक कदम करार दिया। कहा की राहुल गांधी पार्लियामेंट में सिर्फ एक मुद्दा उठा रहे थे की अडानी और मोदी का रिश्ता क्या है लेकिन केन्द्र की मौजूदा सरकार ने इस जवाब से बचना चाहती है, जिससे साफ जाहिर है की दाल में कुछ काला है। उन्होंने कहा की भारत जोड़ो यात्रा को भी कोरोना का कारण बताकर रोकने की कोशिश की गई। लेकिन यात्रा को जनता का भरपूर सहयोग मिला, जिससे वह नहीं रुके। कहा की केन्द्र की मोदी सरकार सिर्फ ध्यान भटकाने का काम कर रही है। राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त की गई है जल्द इसका खुलासा होगा और मोदी, अमित शाह की पोल खुलेगी। कांग्रेसियों ने घर घर जाकर हुए कृत्य की बात रखने की बात कही। यह भी कहा गया है की केन्द्र से लेकर पंचायत स्तर तक भाजपा शासित सरकार का विरोध किया जाएगा। इस मौके पर पूर्व कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष शकील अहमद, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष मो मोजम्मील के अलावा अन्य कई मौजूद थे।

जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष ने राष्ट्रीय महासचिव को दिया बधाई

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । बिहार प्रदेश जनता दल यूनाईटेड अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मो वसीम कमाली ने केन्द्रीय नेतृत्व का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि कोशी और सीमांचल की धरती ऊजार्वान, युवा सम्राट व लोकप्रिय सासंद संतोष कुशवाहा को राष्ट्रीय महासचिव बनने से प्रतिष्ठित हुई है। संतोष कुशवाहा को प्रदेश महासचिव मो आजम रब्बानी एवं जिला अध्यक्ष जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ महानगर पूर्णिया मो कैयूम जफर उर्फ नन्की भाई सहित जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के साथियों ने बुके देकर सम्मानित करते हुए मुबारकबाद दी। संतोष कुशवाहा को राष्ट्रीय महासचिव बनने पर केंद्रित नेतृत्व बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, मो आफाक अहमद खान का शुक्रिया अदा करते हुए मुबारकबाद दी। वहीं दूसरी ओर प्रदेश नेतृत्व ने समता पार्टी काल से संघर्ष रत्न व जनता दल यूनाईटेड के नव निर्माण से अब तक समर्पित साथी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जदयू बुनकर प्रकोष्ठ उत्तर बिहार मो लियाकत अली मंसूरी, आशीष कुमार बब्बू, अशोक कुमार बादल, पूर्व विधायक मो सबा जफर को प्रदेश महासचिव, अविनाश कुमार सिंह, अमरेन्द्र कुशवाहा और पूर्व बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य प्रो डॉ मो परवेज शाहिन को प्रदेश सचिव बनने पर मुबारकबाद दी। राष्ट्रीय महासचिव, प्रदेश महासचिव, प्रदेश सचिव बनने पर मुबारकबाद देने वालों में प्रदेश उपाध्यक्ष मो वसीम कमाली, प्रदेश महासचिव डॉ मो शहनवाज रिजवी, प्रदेश महासचिव प्रदेश मो आजम रब्बानी, प्रदेश सचिव मो मनीरूद्दीन नजामी, मो आजाद, जिला अध्यक्ष जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ महानगर पूर्णिया मो कैयूम जफर उर्फ नन्की भाई, जानें माने हड्डी रोग विशेषज्ञ व जदयू नेता डॉ मो शफीक आलम, मो तौफिक हुसैन, मो इशतियाक आलम, मो तलहा सलीम, टुनटुन आलम, मो संजूर आलम, मो दाऊद आलम, मो मुस्लिम अंसारी, नन्द किशोर सिंह, यदुनन्दन भगत आदि नेता शामिल है।

मोदी सरकार में आमलोगों की आवाज को दबाने का हो रहा कार्य : अमित

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया/बड़हरा कोठी । प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष अरविंद जयसवाल की अध्यक्षता में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निदेर्शानुसार राहुल गांधी पर मोदी सरकार द्वारा हो रहे अत्याचार को जन जन तक पहुंचाने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर एक प्रेस वार्ता बुलाई गई। प्रेस वार्ता में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अमित कुमार ने कहा कि बेलगाम तानाशाही मोदी सरकार में आम जनों की आवाज को कुचलने का काम किया जा रहा है। राहुल गांधी के द्वारा आम जनों की समस्याओं एवं अडानी से मोदी के रिश्ते के बारे में जब सदन में बोलना चाहा तो राहुल गांधी के जन लोकप्रियता को देखते हुए मोदी सरकार डरकर राहुल गांधी को अपने तानाशाही ताकत दिखाते हुए सांसद सदस्यता समाप्त करवा दिया। जिससे अडानी के घोटाले से संबंधित रिश्तो का खुलासा ना हो पाए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार राहुल गांधी की पदयात्रा से बड़ी लोकप्रियता को देखते हुए डर गई है। उन्होंने कहा कि शायद मोदी सरकार यह भूल गए हैं कि कांग्रेस संघर्ष का नाम है सत्ता पाना ही इसका लक्ष्य नहीं। मौके पर नीरज कुमार, सुनील मंडल, संजय मंडल, सीपी झा, चंदन झा, मोहम्मद नाजिम, मोहम्मद मंजूर, कदम लाल पासवान, लालू कुमार, छट्ठू पासवान, दिलीप कुमार, मुकेश कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए।

नेत्र जांच शिविर आयोजित कर 26 मरीजों का मुफ्त में किया गया मोतियाबिंद ऑपरेशन

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया/धमदाहा । प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र के बिशनपुर पंचायत के वार्ड संख्या 09 में अखण्ड ज्योति आई हॉस्पिटल के बैनर तले बिशनपुर पंचायत के उप मुखिया सह भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में अपने निज आवास से एक नेत्र जांच शिविर लगायी गयी। शिविर में मरीज रमेश मिश्रा, कुंती देवी, गंगा प्रसाद, वीरेंद्र यादव, देवकी देवी, बाबू राम हांसदा, शिवलाल टुडू, शुभंकर पाठक, संझली मुर्मू, कोनो देवी, दीना देवी, पुरनी देवी, महेश्वरी देवी, बीरन ऋषि, शैलेंद्र ऋषि, साहिब मंडल, शंकर चौधरी, उषा देवी, रामविलास राय, पुलकित ऋषि, सकुनी देवी, बबई मुर्मू, मीरा देवी, शीला देवी, कुंती देवी, लक्ष्मी देवी को ऑपरेशन हेतु पूर्णिया ले जाया गया। इस संबंध में पूछे जाने पर उप मुखिया दीपक कुमार सिंह ने बताया कि शिविर आयोजित होने से पूर्व बिशनपुर पंचायत, किशनपुर बलुआ पंचायत, नीरपुर पंचायत में प्रचार प्रसार करवा कर लोगो को जागरूक किया गया। उसके पश्चात एक सौ से अधिक मरीजों ने शिविर में अपने नेत्रों का जांच करवाया, जिसमें कुल 26 लोगों को मोतियाबिंद पाया गया जिसका ऑपरेशन हेतु 2 अप्रैल को अखण्ड ज्योति आई। सभी लोगों को मुफ्त में ऑपरेशन, रहने खाने की मुफ्त व्यवस्था की गई है, ऑपरेशन संपन्न होने के बाद सभी लोगों को उपमुखिया के आवास स्थित गंतव्य स्थान तक पहुंचाया जाएगा।

मत्स्यजीवी साख समिति अध्यक्ष के निधन पर पूर्व जिप अध्यक्ष ने जताया गहरा शोक

प्रात : किरण संवाददाता

रूपौली (पूर्णिया) । रूपौली प्रखण्ड क्षेत्र के कोयली सिमड़ा पश्चिम पंचायत स्थित डुमरी बाजार निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक सह मत्स्यजीवी साख समिति अध्यक्ष पद पर निर्वाचित श्याम सुन्दर मंडल की निधन पर पूर्व जिप अध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य प्रतिमा सिंह उर्फ सुनिता देवी ने अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

पूर्व जिप अध्यक्ष ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षक सह मत्स्यजीवी साख समिति अध्यक्ष पद पर निर्वाचित श्याम सुन्दर मंडल से उनका परिवारिक रिश्ता था। उन्होंने कहा कि श्याम सुन्दर बाबू अपना पूरा जीवन समाज को समर्पित कर दिया। लोजपा पार्टी काल से ही उनका मार्गदर्शन अभिभावक की तरह मुझे मिलता रहा। समाजिक कार्य में उनका योगदान सराहनीय था। समाज में उनका अत्यंत आदर एवं सम्मान था। उन्होंने कहा कि श्याम सुंदर बाबू का आशीर्वाद स्नेह मेरे पति पूर्व विधायक शंकर सिंह के साथ मुझे भी मिलता रहा। हर विषय परिस्थिति में उनका साथ समर्पण मिलता रहा। वे मुझे समाजसेवा एवं राजनीति के क्षेत्र में निरंतर उत्साहवर्धन करते रहते थे। उन्होंने कहा कि श्याम सुंदर बाबू का निधन होने पर समाजिक क्षेत्र के साथ साथ राजनीतिक क्षेत्र में भी अपूर्णीय क्षति है जिसकी भरपाई निकट भविष्य में भी होना संभव नहीं है। वहीं पूर्व जिप अध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य प्रतिमा सिंह उर्फ सुनीता देवी ने कहा कि श्याम सुंदर बाबू से बराबर मुलाकात होते रहते थे, हाल में ही मिलकर आशीर्वाद लिए थे। वे समाज में एक सादगी के प्रतीक थे समाज को उनके सादगी और सौम्यता से प्रेरणा लेनी चाहिए।

अधिवक्ताओं की बैठक में कई मुद्दे पर किया गया विचार विमर्श

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । पूर्णिया के अधिवक्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में राजस्थान सरकार के द्वारा पारित अधिवक्ता संरक्षण कानून विधेयक 2023 के अनुसरण की मांग बिहार सरकार से भी की गयी। बैठक में उपस्थित अधिवक्ता दिलीप कुमार दीपक, गौतम वर्मा ने कहा कि अधिवक्ताओं के मान सम्मान का ख्याल कर कानून को पारित किया जाना जरुरी है। इससे वकीलों पर आये दिन हो रहे हमले पर अंकुश लग जायेगा। अधिवक्ताओं ने कहा कि राजस्थान में पारित कानून में अपराधी अगर अधिवक्ता की संपत्ति को नुकसान पहुंचाता है तो न्यायालय की ओर से निर्धारित क्षतिपूर्ति राशि वसूल कर पीड़ित अधिवक्ता को दिये जाने का प्रावधान किया गया है। इस विधेयक के पारित होने से अधिवक्ताओं की हिंसा के विरुद्ध संरक्षण मिलेगा।

सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में आचार्य कार्यशाला का किया गया आयोजन

मुंगेर, प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। रविवार को सरस्वती शिशु मंदिर सादीपुर मुंगेर में सत्र 2023_2024 के लिए वार्षिक 3 दिवसीय आचार्य कार्यशाला का आयोजन किया गयो कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय प्रबंध कारिणी समिति के अध्यक्ष यदुनंदन झा, उपाध्यक्ष डॉक्टर इंद्रदेव प्रसाद ,मंत्री प्रोफेसर अमर कुंवर , सह मंत्री श्री कुंज बिहारी, संरक्षक प्रोफेसर रामादर्श सिंह ,मुंगेर विभाग के विभाग प्रमुख श्री सतीश कुमार सिंह संघ के प्रचारक नवल किशोर सिंह एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य अखिलेश पांडेय जी के द्वारा विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती ,ब्रह्म स्वरूप ॐ एवं भारत माता के तैल्य चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन का कार्य संपन्न किया गया।

तत्पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य अखिलेश पांडेय जी ने आगत अतिथियों का परिचय कराते हुए अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। विद्यालय के उप प्रधानाचार्य श्री उमाकांत पाठक जी ने विद्या भारती विद्यालय में आचार्य कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में विस्तार पूर्वक बताया।

उन्होंने कहा कि पूर्व में आचार्य कार्यशाला में अधिकारियों के द्वारा उद्बोधन का कार्य किया जाता था लेकिन वर्तमान समय में कार्य पर आधारित कार्यशाला को संपन्न किया जाता है विगत सत्र के लिए किए गए कार्यों की समीक्षा एवं वर्तमान सत्र में लिए गए कार्यों पर गहन चिंतन कर क्रियान्वित करने का निर्णय लिया जाता है जिससे कि विद्यालय के भैया /बहनों का सम्यक विकास हो सके प्रोफेसर रामादर्श सिंह ने कहा कि विद्या भारती के चिंतन से विद्यालय में आचार्य कार्यशाला का आयोजन प्रत्येक वर्ष किया जाता है इसके माध्यम से विद्यालय के आचार्यों के द्वारा चिंतन के माध्यम से भैया /बहनों के विकास के साथ-साथ समाज का निर्माण भी किया जा सकता है `कार्यशाला के माध्यम से ही प्रत्येक वर्ष कार्य को दोहराते हैं एवं उसे क्रियान्वित करते हैं` श्री यदु नंदन झा जी ने कहा कि विद्या भारती के चिंतन से विद्यालय के माध्यम से शिक्षण पद्धति के द्वारा भारतीय संस्कृति की स्मिता को बचाया जा सकता है कार्यशाला के माध्यम से शिक्षक यह तय करते हैं कि विगत सत्र में हम लोगों ने कार्य करने के लिए जो विचार किया था उसे कितना पूरा कियाऔर वर्तमान समय में अधिक कार्य कर सकें इस पर चिंतन किया जाता है` कार्यशाला के द्वितीय_तृतीय सत्र में प्रथम आवधिक परीक्षा का प्रश्न पत्र निर्माण ,चतुर्थ एवं पंचम सत्र में प्रधानाचार्य के द्वारा आचार्य भारती का गठन एवं आचार्यों के द्वारा मेघा सूची के आधार पर कक्षा सह पंजी का निर्माण किया गयो इस अवसर पर विद्यालय के सभी आचार्य /आचार्य उपस्थित थे।

अंचल अधिकारी ने लगाया जनता दरबार

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर। जमीनी विवाद को आपसी सुलह समझौते से निपटाने के उद्देश्य से प्रत्येक शनिवार को थाना परिसर में अंचलाधिकारी की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया जाता है। इसी उद्देश्य के तहत संग्रामपुर थाना परिसर में भी शनिवार को अंचलाधिकारी स्नेहा सत्यम की अध्यक्षता में आपसी सुलह समझौते से विवाद को खत्म करने के लिए जनता दरबार लगाया गया। मामले की सुनवाई के लिए पुलिस पदाधिकारी शेखर सौरव भी मौजूद थे।

जनता दरबार को लेकर थाना परिसर में फरियादियों की अच्छी खासी संख्या मौजूद थी। सुनवाई के दौरान पूर्व के 6 मामलों एवं शनिवार को प्राप्त हुए नई 3 मामलों सहित कुल 9 मामलों पर सुनवाई की गई। अधिकांश मामले भूमि के स्वामित्व को लेकर उत्पन्न विवाद पर थी। ऐसे मामलों पर दोनों पक्षों के द्वारा अपने अपने स्वामित्व के लिए दावे पेश किए गए तथा उनके द्वारा भूमि के स्वामित्व से संबंधित दस्तावेज भी पेश किए गए। कुछ मामले ऐसे भी थे जिसमें एक पक्ष कार के उपस्थित नहीं रहने की वजह से मामले की सुनवाई नहीं हो पायी। इस संबंध में जनता दरबार की समाप्ति के बाद जानकारी देते हुए अंचलाधिकारी स्नेहा सत्यम ने बताया कि आज आयोजित जनता दरबार में पुराने 6 मामलों सहित कुल 9 मामलों पर सुनवाई की गई। 2 मामलों का निपटारा दोनों पक्षों की सहमति से तथा उपस्थित दस्तावेजों के जांच के उपरांत कर दी गई। कुछ मामलों में दोनों पक्षों की सहमति नहीं हो पाई जिस वजह से उन्हें और सटीक दस्तावेजों के साथ अगले जनता दरबार में उपस्थित होने के लिए कहा गया। साथ ही साथ कुछ मामलों में एक पक्ष अनुपस्थित थे। ऐसे मामलों में अनुपस्थित पाए गए पक्षकारों को नोटिस निर्गत कर अगले जनता दरबार में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया।

रंगोली बना, पोषण पखवाड़ा पर दिया जागरूकता संदेश

आंगनबाड़ी सेविका के द्वारा रंगोली बनाकर कुपोषण को दूर करने के दिए संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। अकबरनगर नगर पंचायत क्षेत्र में पोषण पखवाड़ा दिवस के दौरान सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जागरूक करने के लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। कार्यक्रम के तहत नगर पंचायत अकबरनगर कार्यालय में महिला पर्यवेक्षिका रेणु भारती के नेतृत्व में क्षेत्र की विभिन्न आंगनबाड़ी सेविका के द्वारा रंगोली बनाकर कुपोषण को दूर करने के लिए किशोरियों और महिलाओं की बैठक कर अन्न के उपयोग तथा उनके महत्व पर चर्चा की, साथ ही साथ उपस्थित सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व महिलाओं को पोषण शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान बीकानेर सही पोषण देश रोशन के नारे भी लगाये गये। वही पोषण पखवारा का उद्देश्य लोगों को सही पोषण के लिए जागरूक करने के साथ-साथ गर्भावस्था व बच्चों को ऊपरी आहार खानपान के प्रति सजग होने एवं शिशु जनित रोगों को कम करने के लिए जानकारी दी गई। वहीं महिला पर्यवेक्षिका रेणु भारती ने इस संबंध में बताया कि पोषण पखवारा के तहत विगत 20 मार्च से 4 अप्रैल तक निर्धारित अलग-अलग दिन सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में अलग-अलग गतिविधियां आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम में 0 से 6 वर्ष के सभी बच्चों का वजन लेकर वृद्धि निगरानी लंबाई ऊंचाई की माप कर पोषण ट्रैक एप्प पर दर्ज किया जाना है। वही निर्धारित समय तक के जन्म लिये बच्चे को सिर्फ मां का दूध दिए जाने की जानकारी आदि देना है। स्वस्थ माता एवं बच्चों के लिए मोटे अनाज एवं परम्परागत खाद्य सामग्री का प्रचार प्रसार आदि विधियों के द्वारा लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान मौजूद सेविकाओं ने भी कहा कि जन आंदोलन और जन भागीदारी के माध्यम से पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और खाने की स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देने के लिए पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है।

आपदा जन्य परिस्थितियों से निपटने हेतु की गयी तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक : जिलाधिकारी

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन की अध्यक्षता में जिले के सभी विभाग के पदाधिकारियों की एक विशेष बैठक आहुत की गई। आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने आपदा जन्य परिस्थितियों से निपटने हेतु की गयी तैयारियों की समीक्षा की। इस क्रम में सभी पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। समीक्षा क्रम में जानकारी दी गई की सभी अंचलों में वर्षा मापक यंत्र एवं सभी पंचायतों में स्वचालित रेन गेज कार्यशील है। कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा जानकारी के साथ जल संकट निपटारा हेतु संचालित चापाकलो का संधारण व मरम्मती कार्य सतत प्रगति पर बताया गया है, इस दौरान संबंधित पदाधिकारी व कर्मियों को निर्देश दिया गया की संबंधित कार्यपालक अभियंता क्षेत्र भ्रमण कर संचालित चापाकल संधारण कार्य का सतत पर्यवेक्षण करे, एवं यथासंभव चापाकलो के मरम्मती कार्य में और तेजी लाने हेतु अनिवार्य रूप से आवश्यक कारवाई करे। वही स्वास्थ्य विभाग को बाढ़ जन्य परिस्थितियों से निपटने हेतु पर्याप्त मात्रा में आवश्यक दवाओं के भंडारण हेतु आवश्यक कारवाई का भी दिशा निर्देश दिया गया है। वही विभाग द्वारा समीक्षा क्रम में यह तथ्य उभरकर सामने आया की आपदा जन्य परिस्थितियों से निपटने हेतु लगभग अधिकांश आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। बैठक में आपदा प्रबंधन विभाग के मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार बाढ़ जन्य परिस्थिति से निपटने हेतु की गई तैयारियों की समीक्षा की गई, एवं यथोचित दिशा निर्देश दिये गये। इस दौरान बैठक में अपर समाहर्ता सहित कई अन्य संबंधित पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

बांध काट बालू उठा का विरोध करने पर बालू माफिया गिरोह ने ग्रामीणों के साथ की मारपीट

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जगदीशपुर थाना अंतर्गत बलुआचक पंचायत के जामगांव स्थित बालू माफिया द्वारा सरकारी बांध का अवैध काटव कर बालू उठाव किये जाने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बालू उठाव का विरोध किये जाने पर बालू माफियाओं ने ग्रामीणों के साथ मारपीट की साथ ही इस दौरान बालू माफियाओं ने हवाई फायरिंग करते हुए जान मारने की धमकी दी। जब ग्रामीणों ने इसकी सूचना जगदीशपुर पुलिस को दी तो मौके पहुंची पुलिस को देखते ही बालू माफिया ने स्थानीय ग्रामीण देवेन्द्र यादव को पुलिस के मौजूदगी में भी पीटाई कर दी। जब पकड़ने मामले को देखते ही पुलिस तेजी के साथ मौके पर पहुंची तो बालू माफिया मौके से फरार होने में सफल हो गया। वही मामले को लेकर ग्रामीण देवेंद्र यादव ने बताया कि कुछ बालू माफिया बांध का अवैध रूप से कटाव कर बालू उठाव रहा था जब मैने बांध काटाव करने का विरोध किया तो उक्त लोगों द्वारा मारपीट शुरू कर दी। इसी क्रम में उक्त बालू माफिया के गिरोह द्वारा देशी कट्टा लहराते हुए 2 राउंड हवाई फायरिंग कर जान मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार होने में सफल हो गया। वही जब मामले को लेकर स्थानीय थाना पुलिस को दी। वही पुलिस प्राप्त सूचना के तहत मौके पर पहुंची। वही पुलिस को आते देख बालू माफिया मारपीट करते रहा था।

संक्षिप्त खबरें

विद्यालय स्तर पर प्रैक्टिकल परीक्षा का मूल्यांकन समाप्त हो : दामोदर दास गुप्ता

बारुण (औरंगाबाद)। प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय गोह की छात्रा ज्ञानी अनुपमा ने मैट्रिक में 486 अंक प्राप्त कर बिहार में दूसरा स्थान प्राप्त की है। इसमें कुछ प्रथम अंक को लेकर शंसय दिखता है। यह बात बारुण केशव उच्च विद्यालय के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक दामोदर दास गुप्ता ने कहीं। उन्होंने बताया कि साइंस प्रैक्टिकल में 20 अंक तथा सोशल साइंस में 20 अंक मिला होता, तो बिहार टॉपर बन जाती और औरंगाबाद जिला का नाम रोशन होता। ज्ञातव्य है कि ज्ञानी अनुपमा को साईंस प्रैक्टिकल में 19 तथा सोशल साईंस मे मात्र 18 अंक दिये गये हैं। प्रैक्टिकल में जो विद्यालय स्तर पर नम्बर बोर्ड में भेजा जाता है,उसमें बढ़े पैमाने पर धांधली होती है। जिन छात्र-छात्राओं के अभिभावक की पैरवी रहती है,दबदबा रहता है, उन्हें अधिकतम अंक दिये जाते हैं। दुसरी ओर गरीब, पिछड़ी, दलित वर्ग के मेधावी छात्र को कम अंक दिये जाते हैं तथा उनकी प्रतिभा को कुंडित कर हतोत्साहित कर दिया जाता है। इसके लिए सम्बंधित विद्यालय के सम्बंधित विषय के प्रैक्टिकल में कुल 40 अंक मिले होते तो ज्ञानी अनुपमा 489 अंक प्राप्त कर पुरे राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त की होती। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति को चाहिए की विद्यालय स्तर पर प्रैक्टिकल का मुल्यांकन पद्धति समाप्त करें ताकि मेधावी छात्र छात्राओं की प्रतिभा कुंठित न हो।

अपराधियों ने गोली मारकर किया घायल

आरा।भारतीय जनता पार्टी के भोजपुर जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने नारायण पुर थाना अंतर्गत नारायणपुर बजार में नारायणपुर उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक डां रामशंकर उर्फ जाटा बाबा के उपर जानलेवा हमला की घटना में उनके साथ ग्रामीण सत्यदेव सिंह के गोली लगने की घटना की निंदा करते हुए कहा कि घटना में शामिल अपराधियों द्वारा जटाशंकर बाबा के उपर लक्ष्य कर फायरिंग की गई लेकिन उनको गोली गोली न लगकर उनके साथ ग्रामीण सत्यदेव सिंह जी गोली लगने से जख्मी हो गए हैं इस घटना ने एक बार भी भोजपुर जिले में अपराधियों के बढ़ते हौसले की ओर इशारा कर रहा है किस प्रकार अपराधी बेखौफ हो गए हैं और बिहार में एक बार फिर से जंगल राज की ओर धकेलने की नीतीश कुमार और तेजस्वी की सरकार की मंशा सफल प्रतीत होता नजर आ रहा है घटना की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विजय कुमार सिंह राकेश कुमार सिंह अखिलानंद ओझा, उदय प्रताप सिंह, संतोष चंद्रवंशी सहित कई लोग ने भी निंदा की है।

अंग्रेजी शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

दानापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत. पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर रविवार को चित्रकूट नगर रोड नंबर 9 में छापेमारी कर एक करकट के मकान में छुपा कर रखे इंपिरियल ब्लू हाफ बोतल 92 पीस ऑफिसर चॉइस टेट्रा पैक 46 पीस 8 पीएम टेट्रा पैक 48 पीस अंग्रेजी शराब बरामद किया गया है. पुलिस ने सुमन कुमार नासरीगंज निवासी को गिरफ्तार किया है. शराब तस्कर सुमन की गिरफ्तारी होने के बाद कई लोग पैरवी करने में जुटे गए थे. थानाध्यक्ष केपी सिंह ने बताया कि रविवार को गुप्त सूचना मिला कि चित्रकूट नगर रोड नंबर 9 में एक करकट के मकान में छुपा कर भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब रखा हुआ है. सूचना मिलने के बाद थानाध्यक्ष केपी सिंह ने पुलिस बल के साथ छापेमारी कर करकट के मकान में छुपा कर रखे हुए 92 बोतल व 96 टेट्रा पैक अंग्रेजी शराब बरामद किया गया है।

बच्ची के गले से लॉकेट लेकर भाग रहे युवक गिरफ्तार

दानापुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत पेठिया बाजार से शनिवार को एक बच्ची के गले से सोना का लॉकेट लेकर भाग रहे उचक्के को बच्ची की मां ने खदेड कर पडककर पुलिस के हवाले कर दिया. रूपसपुर थाने के रूकनपुरा सादिकपुर निवासी राहुल कुमार की पत्नी शोभा कुमारी ने स्थानीय थाना में मामला दर्ज कराया है. दर्ज प्राथमिकी में शोभा कुमारी ने बताया कि शनिवार को शाम में अपनी बहन सीमा कुमारी व पुत्री के साथ पेठिया बाजार में खरीदारी करने गई थी. अपनी पुत्री को पानी पिलाकर ढक्कन लगा रही थी. इसी दौरान एक युवक ने मेरी पुत्री के गले से सोना के लॉकेट लेकर भागने लगा. उसके पीछा कर युवक को पकड लिया और युवक ने एक ऑटो में लॉकेट को फेंक दिया था. जिससे ऑटो से लॉकेट बरामद कर लिया गया।

पाम संडे पर ईसाई समुदाय के लोगों ने शांति विजय जुलूस निकाला

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। खजूर रविव (पाम संडे)के पावन पर्व पर ईसाई समुदाय के लोगों ने बड़े धूमधाम से द होली सेवियर चर्च आरा में शांति विजय जुलूस निकाला "देखो देखो कोई आ रहा है, कैसा जलवा मसीह आ रहा है आंखें अपनी उठा कर तो देखो कैसे शांन से मसीह आ रहा है " । "राजा यीशु आए हैं सब मिलकर गाएंगे ताली बजाएंगे, यीशु मेरा राजा है जी हां, जी हां, जी जी हां। यीशु मेरा चरवाहा है जी हां, जी हां ,जी जी हां ।धन्य है जो प्रभु के नाम से आता है होशना, धन्य है जो यीशु के नाम से आता है होशना, यीशु मसीह राजाओं का राजा है सामुहिक नारे लगाते हुए ईसाई समुदाय के लोगों ने द होली सेवियर प्रागण से सांस्कृति भवन चौक तक शान्ती जुलूस निकाला इसके बाद द होली सेवियर चर्च रमना आरा चर्च में खजूर रविवार के पावन पर्व पर आराधना प्रार्थना किया गया प्रार्थना की शुरूआत बाइबल पाठ मति 2 1:1-11 पढ़कर पादरी अनिल जीउत ने प्रेयर की शुरूआत किया ।सामूहिक भजन जात रहले यीशु जी हो चेलबन के संगवा हिलोर मारे ,देखअ नईया हो भैया हिलोर मारे, यीशु के नाम में उधार बा कल्याण बा प्रेम बिना जिंदगी बेकार बा। सम्मान और स्तुति हो हे राजा खीषट तुझे। राजा राजा मेरा यीशु राजा मुझमें राज किजिए भजन -गीतों को गाकर प्रभु यीशु की आराधना किया गया ।विशेष गीत सुषमा प्रेरणा ,प्राची ,सोनिया ने "आज सारे जहां में ऐलान करते हैं हम प्यार प्यार प्यार प्रभु यीशु से करते हैं।

रजनी जोतसना ने " देखो यरुशेलम में यह कौन आ रहा है होशना का नगमा दिल को लुभा रहा है ।रजनी निर्मला आरती देखो देखो कोई आ रहा है कैसा जलवा मसीह आ रहा हैप्रस्तुत किया और सबका मन मोह लिया।अपने पवित्र प्रवचन में पादरी अनिल जीउत ने बताया कि आज पाम संडे यानी खजूर रविवार का महान पर्व है यरुशेलम के निकट यीशु मसीह ने अपने चेलों को पास के गांव में भेजा और एक गधे के बच्चे को खोल के लाने को कहा यीशु मसीह उस पर सवार होकर यरुशेलम में विजय प्रवेश किए ,आगे आगे और पीछे पीछे भीड़ जा रहे थे और पुकार पर कहती दाऊद की संतान की हो सन्ना, धन्य है जो प्रभु के नाम से आता है, आकाश में होसन्ना ,यीशु मसीह को राजा के रूप में यरूशेलम में प्रवेश किया उसी याद में आज भी चर्च में पाम संडे का पावन पर्व विजय सब बड़े उल्लास के साथ मनाते है प्रभु यीशु जब मंदिर में गए तो उन्होंने वहां की दशा को देखकर कहा "मेरा घर प्रार्थना का घर कहलाएगा परंतु तुमने उसे डाकूओ का खोह बना दिया इस प्रकार आज परमेश्वर अपने लिए लोगों को चुनता है कि वह उसकी आराधना करें आज हमें बड़े शांति, सद्भाव, भाईचारे के प्रेम के साथ यीशु की महिमा की घोषणा करना है यीशु हमारा राजा है यह तो हमारा चरवाहा है यीशु तो हमारा प्रभु है उसकी आराधना और स्तुति, होसन्ना करना हैजब हम अपने जीवन में प्रभु येशु को राजा के रूप में आमंत्रण देते हैं तब वह हमारे जीवन में शांति ,आनंद और खुशियां डालते हैं हर मनुष्य निराशा से आशा का जीवन जीने के लिए यीशु मसीह को अपने जीवन का राजा मानना चाहिए इस अवसर पर विशेष आरा नगर के लिए प्रार्थना किया गया बिहार राज्य में अमन चैन शांति सद्भाव ,भाईचारे के प्रेम बढ़ने के लिए प्रार्थना किया गया आगामी शुक्रवार गुड फ्राइडे प्रार्थना और रविवार 9 अप्रैल को चर्च में ईस्टर पर्व मनाने की घोषणा किया गया इस पावन पर्व पर रीना सुषमा, निर्मला, आरती, रजनी, सुषमा ,जोशना, अनमोल ,सोनू, मीना ,चुनमुन, सुनीता ,संजय ,सुमित्रा, मूंगा देवी आदि सैकड़ों लोग उपस्थित है।

वृद्धावस्था पेंशन 3 हजार रुपए की जाए-माले!

लोकतंत्र बचाओ-जनसंवाद अभियान जारी

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। अप्रैल तक भाकपा-माले की ओर से हो रहे लोकतंत्र बचाओ-जन अभियान के तहत जवाहर टोला,एमपी बाग,गोला मुहल्ला में जनसंवाद के तहत लोगों की समस्याओं को सुना गया !इस दौरान लोगों से सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को सुनते हुए देश के वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर बातें की जा रही है !लोगों ने बंद खाता को चालू करने,वृद्धावस्था पेंशन को बढ़ाने,राशन कार्ड में गरीबों का नाम जुड़ने गरीबों को आवास देने,अतिक्रमण के नाम पर उजाड़ने से पहले वैकल्पिक व्यवस्था करने,नल-जल योजना के तहत लोगों को पानी देने आदि कई सवाल उठाया !गोला मुहल्ला में एक ऐसा स्कूल है जहां भुनेश्वरी मध्य विद्यालय उर्फ महाजनी स्कूल जिसमें भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री जगजीवन राम,भारत सरकार के पूर्व रेल मंत्री रामसुभग सिंह,भारत के मुख्य न्यायाधीश बीपी सिंह सहित बहुत सारे लोग इस स्कूल में पढ़े हैं !स्कूल मून लाल जैन ट्रस्ट का जमीन पर किराए पर है,इस मीडिल क्लास स्कूल में शिक्षक है,स्कूल के नाम पर केवल एक जर्रर कमरा है जिसमें केवल शिक्षक आफिसियल काम करते हैं और अपना हाजिरी बनाकर चलें जाते हैं !स्कूल के भवन के अभाव में छात्रों की पढ़ाई नहीं होती है !छात्र आते हैं और चले जाते हैं !जिला शिक्षा विभाग व जिला प्रशासन इस स्कूल के बारे कोई सुध नहीं ले रहा है !छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है !

जनसंवाद को सम्बोधित करते हुए भाकपा-माले नेताओं ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा देश में साम्प्रदायिक तनाव पैदा कर अपनी सत्ता बनाए रखना चाहती है !धर्म के नाम हमें नफरत का जहर पिलाया जा रहा है !मोदी की सरकार में बेतहाशा मंहगाई,बेरोजगारी बढ़ रही है लोगों के सामने भोजन का संकट है हमारे देश के तमाम सरकारी खाजानों को अडानी-अंबानी के हाथों सौंपा जा रहा है और इसके खिलाफ जनता की उठ रही आवाज को मोदी सरकार द्वारा कुचला जा रहा है !हमारे संविधान में दिए हुए आजादी व अधिकारों को छीना जा रहा है !आज हमारे देश का लोकतंत्र व संविधान खतरे में है !इस खतरे के खिलाफ जनता की व्यापक एकता के बल इस फासीवादी निजाम के खिलाफ प्रतिरोध तेज किया जाएगा !इसके साथ ही इन सवालों पर लड़ने के साथ-साथ 14 अप्रैल 023 को बाबा साहब अंबेडकर की जयंती पर पूर्वी गुमटी आरा से निकलने वाले लोकतंत्र बचाओ संविधान बचाओ मार्च में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का संकल्प लिया गया !इस लोकतंत्र बचाओ -जनसंवाद अभियान कार्यक्रम में भाकपा-माले नगर सचिव दिलराज प्रीतम,राज्य कमेटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी,जिला कमेटी सदस्य अमित कुमार बंटी,जिला कमेटी सदस्य गोपाल प्रसाद,नगर कमेटी सदस्य राजेंद्र यादव,नगर कमेटी सदस्य रौशन कुशवाहा,नगर कमेटी सदस्य सत्यदेव कुमार,वार्ड पार्षद प्रतिनिधि लल्लू कुमार,शिवराज कुमार,उमेश कुमार राम,अशोक कुमार राम,रामनरेश राम,संजय पाल,बीरबल कुमार,बंटी गुप्ता,राहुल नटराज,गोलू गुप्ता,सुनील नटराज,अंकित नटराज,ललन राम,विनोद राम,नारायण राम,प्रेम राम,सत्येंद्र राम,जालंधर राम,मो०पिंकू ,मो० उस्मान गनी,आस मोहम्मद,कुंदन कुमार,बुकुल कुमार,मुन्ना राम रमेश राम सहित कई लोग शामिल थे!

रामनवमी शोभायात्रा में लाखों की तादाद में श्रद्धालुओं शामिल होना हिंदुत्व का एकता का परिचालक : आदित्य श्रीवास्तव

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। भारतीय जनता पार्टी के युवा जिला प्रवक्ता आदित्य श्रीवास्तव ने औरंगाबाद शहर में रामनवमी पूजा शोभायात्रा को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होने पर जिला प्रशासन एवं पत्रकार बंधुओं सभी सामाजिक कार्यकताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से शहर के रामनवमी पूजा शोभायात्रा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

शोभा यात्रा को शांतिपूर्ण तरीके से व्यवस्थित बनाए रखने में जिला प्रशासन का सबसे बड़ा अहम भूमिका रहा जिला अधिकारी सौरव जोनवाल, पुलिस अधीक्षक स्वपना जी मेश्राम,सदर एसडीपीओ स्वीटी सेहरावत, सदर अनुमंडल पदाधिकारी विजयंत कुमार, थाना प्रभारी सतीश बिहारी शरण, सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जिनका सहयोग शोभा यात्रा को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में सबसे अहम रहा।

शहर के राम नवमी पूजा शोभा यात्रा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होना जिले के लिए एक एकता का परिचालक है, जोकि आने वाले समय में सदभावना का परिचय देगा, इस बार सामाजिक कार्यकताओं का सहयोग काफी सराहनीय रहा। रामनवमी शोभा यात्रा में लाखों की तादाद में श्रद्धालुओं शामिल होना इस बार शोभायात्रा का ऐतिहासिक रहा, श्रद्धालुओं की आस्था के सामने पूरा शहर राम में नजर आया। राम नवमी पूजा सत्य की जीत को स्थापित करता है, इस त्यौहार को मनाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि हमारे अंदर ज्ञान के प्रकाश का उदय हो। शोभायात्रा में सभी समितियों के द्वारा आकर्षक झांकी का रूप दिया गया जो कि आकर्षण का केंद्र बना रहा। रामनवमी शोभायात्रा में लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं को शामिल होना इस बात को साबित करता है अयोध्या में राम मंदिर निर्माण से राम भक्त काफी उत्साहित हैं।

मदनपुर क्षेत्र में सीआरपीएफ 47 वीं बटालियन ने सिविक एक्शन कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिले के मदनपुर प्रखंड अंतर्गत अतिनक्सल प्रभावित क्षेत्र के तरी पर गांव में सीआरपीएफ 47 वीं बटालियन की टीम द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम आयोजित किया गया। जिसका उद्घाटन कमांडेन्ट जियांऊ सिंह ने किया। इस शिविर में आसपास के कई गांवो के लोगों ने भाग लिया।

जिसमें कनौदी, आजाद विगहा, मुंशी विगहा, छालीदोहर, गुरमी डीह, रामराज बिगहा, छेछानी सियारी, सहजपुर, कोईलवा, चरैया, मुडगडा, दलेल विगहा, आंजन, लंगुराही, समेत कई अन्य गांवों के सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।सीआरपीएफ के अधिकारियों द्वारा शिविर में पहुंचे ग्रामीणों के बीच कई चीजें वित्तरित की गई। जिसमें वस्त्र, खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल व ड्रेस तथा छात्र-छात्राओं के बीच पाठ्य सामग्री व सोलर लैंप का वितरण किया गया गया। इस दौरान कमांडेंट ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सिविक कार्यक्रम के तहत नक्सल प्रभावित इलाके ग्रामीणों को सुविधा पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नक्सली कभी नहीं चाहते थे कि आप सभी ग्रामीणों के बच्चे पढें। वे नहीं चाहते थे कि जंगल तटीय गांवों के लोग शिक्षित बनें और पिछड़े इलाकों का विकास हो। वे कम पढ़े लिखे युवाओं को अपना शिकार बनाते थे तथा मुख्यधारा से भटका कर देश विरोधी कार्यो में लगाते थे। आज शिक्षा सभी की जरूरत है। मुख्यधारा से जुड़कर ही किसी भी क्षेत्र का विकास संभव है। आपको बता दें कि सेंट्रेल रिजर्व पुलिस फोर्स ने लोगों के बीच अच्छे संबंध बनाने के लिए बड़ी पहल की है। जिसके तहत सीआपीएफ द्वारा ग्रामीणों के बीच बेहतर संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से सिविक एक्शन प्रोग्राम भी चलाया जा रहा है। जिसके तहत ग्रामीणों को उनके उपयोग की सामग्री का वितरण किया गया है।

करोड़ों से नवनिर्मित जलापूर्ति पंप से नहीं टपक रहा है जल

प्रात : किरण ब्यूरो

दानापुर. नगर परिषद के अंतर्गत वार्ड 20 व 38 में मुख्यमंत्री शहरी पेयजल निश्चय योजना के तहत नवनिर्मित जलापूर्ति पंप शोभा की वस्तु बनी है. सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना का लाभ नगरवासियों को नहीं मिल रहा है. इस योजना से सरकार ने लोगों को शुद्ध पेयजल देना चाहा, लेकिन परिषद प्रशासन, पीएचइडी , मुख्य पार्षद व जनप्रतिनिधियों ने सरकार के इस मंसूबे पर पानी फेर दिया. परिषद क्षेत्र के वार्ड 20 में नल जल योजना के तहत एक साल से न्यू गोसाई टोला स्कूल के पास तीन जलापूर्ति पंप बनाकर तैयार है. जिसमें एक जलापूर्ति पंप वार्ड 19 के लिए निर्मित किया गया है. वहीं वार्ड 38 में गोला रोड शिव मंदिर के पास छह माह से नवनिर्मित जलापूर्ति पंप बनाकर तैयार है. पाइप लाइन का विस्तार भी किया जा चुका है. पर लोगों के घर में एक बूंद जल नहीं पहुंच रहा है. बताया जाता है कि प्रत्येक जलापूर्ति पंप करीब 45-50 लाख की लागत से निर्माण कराया गया है. चार पंपों के निर्माण में करीब दो करोड़ खर्च होने के बाद भी लोगों को एक बूंद जल नहीं मिल रहा है. जबकि गर्मी का मौसम दस्तक दे चुका है. इसके बाद भी पंपों को अभी तक चालू नहीं किया गया है. वार्ड 20 के पार्षद प्रतिनिधि विजेंद्र कुमार ने बताया कि एक साल पूर्व दो जलापूर्ति पंप का निर्माण कराया गया है. पर एक भी आज तक चालू नहीं किया गया है. दूसरा पंप चालू है, पर घर तक पानी नहीं पहुंच रहा है. पानी कहां जा रहा है. इसके बारे में ठेकेदार को भी पता नहीं. जबकि पंप प्रत्येक दिन चालू किया जा रहा है।

विगत दिनों दो समुदायों के बीच हुए विवाद के बाद मुख्य बाजार रहा बंद

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला के खरीक थाना क्षेत्र के खरीक बाजार में देर रात प्रतिमा विसर्जन को लेकर दो पक्षों में हुए हिंसक झड़प के बाद इलाके में पुलिस की तैनाती कर दी गयी है, लगातार अधिकारी कैम्प कर रहे हैं।

मामले में दोनो पक्ष के तरफ से 15-15 लोगों पर नामजद व दर्जनों अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। वहीं हिंसा के विरोध में खरीक बाजार को बंद कर दिया गया है, साथ ही व्यवसायिक प्रकोष्ठ के सदस्यों व ग्रामीणों ने आरोपियों पर कार्रवाई किये जाने की मांग की है। वहीं मामले को लेकर एसडीओ उत्तम कुमार व एसडीपीओ दिलीप कुमार ने खरीक थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने को लेकर दोनों पक्षो के लोगों के साथ बैठक की है, साथ ही इलाके में माहौल शांतिपूर्ण रखने की अपील की है। वहीं अधिकारियों ने दोनों तरफ के आरोपियों पर पांच दिनों के अंदर कड़ी कार्रवाई की बात कही है। लगातार पुलिस अधिकारियों की टीम द्वारा आपसी तालमेल बनाये रखने की अपील कर रही है, माहौल शांत रखे, अफवाहों पर ध्यान नहीं दें, किसी भी तरह के विवादित पोस्ट को सोशल मीडिया पर शेयर नहीं करें।

एसके साइंस क्लासेज ने किया पुरस्कार वितरण

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। मौला बाग आरा में स्थित एस के साइंस क्लासेज में किए गए सम्मान समारोह में इस संस्थान से बिहार टॉप टेन में स्थान बनाने वाले 2 छात्र शालिनी कुमारी पांचवा स्थान 481 अंक तथा राजीव कुमार सातवां स्थान 479 अंक प्राप्त किए हैं । और दोनों टॉपर को इस संस्थान द्वारा 10000 का चेक से सम्मानित किया गया। इसी के साथ ही 455+ अंक से अधिक अंक लाने वाले छात्र जैसे दीपक कुमार 459 अंक मनु कुमार 458 अंक रजनीश 457 और प्रिया भारती 457 अंक लाने वाले छात्र छात्राओं को साइकिल देकर सम्मानित किया गया इस संस्था के निर्देशक श्रवण सर राहुल सर और गोविंद सर ने बताया कि संस्था में शत प्रतिशत छात्र ने प्रथम श्रेणी से पास हुए है। यही नहीं गणित में 100 में 100 अंक लाने वाले छात्र निरंजन कुमार को 5000 के चेक से सम्मानित किया गया इसी के साथ-साथ 90% लाने वाले छात्राओं को बिहार में स्थित कई आकर्षक स्थानों पर टूर का ऑफर भी शामिल है।

सेस्टोबॉल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी लक्ष्मीप्रिया को सिल्वर मेडल प्राप्त करने पर विधायक ने किया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। बैदराबाद तेजपुरा स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल की छात्रा सेस्टोबॉल का अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी लक्ष्मीप्रिया को स्थानीय विधायक महानंद सिंह ने दिल्ली पब्लिक स्कूल कैंपस में लक्ष्मी प्रिया को सम्मानित कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी है, उन्होंने बताया कि अरवल जिले की लक्ष्मी प्रिया ने बिहार एवं पूरे भारत का नाम रोशन किया है, आगामी जो वर्ल्ड कप प्रतियोगिता जो बेंगलुरु में आयोजित होने वाली है 21 से 26 मई तक उसमें अरवल जिले की बेटी भारत की तरफ से प्रतिनिधित्व करेगी और मेरे तरफ से और अरवल की तरफ से शुभकामनाएं रहेगी लक्ष्मी प्रिया देश के लिए गोल्ड मेडल लेकर आए मैं उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देता हूं वहीं दिल्ली पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य महोदय ने स्थानीय विधायक महानंद सिंह को अपने स्कूल कैंपस में अंग वस्त्र देकर बुके देकर सम्मानित किया, शारीरिक शिक्षक अविनाश कुमार एवं रोशन कुमार समेत स्कूल के टीचर गण उपस्थित थे।

संतान नहीं कर सकते मां बाप को सम्पत्ति के अधिकार से बेदखल

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद के सचिव एडीजे प्रंनव शंकर के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बैनर तले प्राथमिक विद्यालय महुली रामपुर नबीनगर में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जिसकी बिषय वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक सेवाएं से सम्बंधित नालसा योजनाएं 2016 था। इस कार्यक्रम का अध्यक्षता पैनल अधिवक्ता नन्द केशवर साव ने किया और संचालन अद्ध विधिक स्वयं सेवक आलोक कुमार पांडेय ने किया। इस अवसर पर विधालय प्रधानाध्यापिका सरिता कुमारी, उपसरपंच सरिता देवी सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे। पैनल अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद द्वारा जिले के बहुत से दुर दराज ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार विभिन्न कानूनी जागरूकता बिषयो पर जागरूकता शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में आज वरिष्ठ नागरिकों के नालसा योजना 2016 की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। बताया गया कि वृद्ध माता-पिता के जीवन और सम्पत्ति के अधिकार से उनके बच्चे भी वंचित नहीं कर सकते हैं। वरिष्ठ नागरिकों के बचत योजना पर उच्च दर से ब्याज मिलती है। इंदिरा गांधी पेंशन योजना के तहत 60 वर्ष से ऊपर और 80 वर्ष से ऊपर अलग-अलग केन्द्रीय सहायता है। 60 वर्ष से ऊपर के स्त्री का राशन कार्ड में प्राथमिकता दी जाती है। अंत्योदय योजना के तहत जिस गरीबी रेखा के नीचे के परिवार में वृद्ध भी शामिल हैं 35 किलो अनाज मिलेगा। वृद्धाश्रम, मोबाइल मेडिकेयर की स्थापना की प्राथमिकता है। आयकर में रियायत दी जाती है सरकारी बस सेवा, रेल यात्रा में छुट दी जाती है। सरकारी उपक्रमों में भीड़ से अलग लाइन की सुविधा है। स्वास्थ्य बीमा और गम्भीर रोगों के इलाज में सरकारी अस्पताल को प्राथमिकता देना है। अधिवक्ता ने कहा कि अतः मैं कहा जाए तो वृद्धावस्था में मां बाप को परिजनों के प्यार और सेवा अति आवश्यक होती है।

मंडल कारा औरंगाबाद व प्लेस ऑफ सेफ्टी का किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। किशोर न्याय परिषद औरंगाबाद के प्रधान न्यायाधीश मनीष कुमार पांडेय ने मंडल कारा औरंगाबाद उपकारा दाउदनगर और प्लेस ऑफ सेफ्टी बभंडी का औचक निरीक्षण कर वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और कई मामलों में सुधार के दिशा निर्देश दिया। पैनल अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि प्लेस ऑफ सेफ्टी में विधि विरुद्ध बालक क्षमता से अधिक पाये गए। कुछ बालकों ने बताया कि नियमित डॉक्टर उपलब्ध न रहने से स्वास्थ्य संबंधी असुविधा होती है। कुछ बच्चे ने बताया कि रोजा में है। प्रधान न्यायाधीश ने निर्देश दिए कि देखभाल में किसी तरह की कोताही नहीं बरती जाए। मंडल कारा औरंगाबाद में लगभग एक दर्जन कैदी को किशोर चिन्हित किया गया जिसकी प्रमाणिकता साबित कर बाल सुधार गृह गया भेजने का उपस्थित अधिकारियों को कहा गया। साथ ही साफ सफाई में ढिलई न बरतनें को कहा गया। वहीं उपकारा दाउदनगर के कैदीयों ने प्रधान न्यायाधीश से आग्रह किया कि हमारी वादों की सुनवाई तेजी से कराने में मदद करें अधिकांश कैदी अपने विचारणीय वादों के शीघ्र फैसले के लिए चिंतित थे उनसे कहा गया कि जिन कैदीयों के केस में पैरवी वास्ते अधिवक्ता नहीं है वे जेल में नियुक्त जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद के पैनल अधिवक्ता से सलाह लें तथा प्लि बार्गेनिंग का लाभ ले। इस अवसर पर किशोर न्याय परिषद औरंगाबाद के महिला सदस्य संजू कुमारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भारत में 2 लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों की एंट्री

नई दिल्ली। इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ने भारत में 2 नई कंपनियों के इंश्योरेंस लाइसेंस को मंजूरी दे दी है। आइआरडीएआइ ने एको लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड और क्रेडिट एक्सेस लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड को यह मंजूरी 25 मार्च 2023 को आयोजित 121वीं बैठक में दिया है। आइआरडीएआइ ने इंश्योरेंस बिजनेस करने के लिए यह मंजूरी 12 साल बाद दी है।

अप्रैल महीने में लॉन्च होने वाले स्मार्टफोन

नई दिल्ली। स्मार्टफोन मेकिंग कंपनियां अप्रैल महीने में अलग-अलग बजट सेगमेंट्स में कई स्मार्टफोन लॉन्च करेंगी। इसमें वनप्लस नॉर्ड ष्ट्श्व 3 लाइट, पोको एफ5, फेन्टम वी फोल्ड 5जी, आसुस आरओजी फोन 7, पोको एक्स5 5जी, वीवो एक्स90 सीरीज शामिल हैं। ऐसे में अगर आप एक मिड-रेंज स्मार्टफोन खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो इस महीने आपको कई नए ऑप्सन मिलेंगे।

जीईएम से वर्ष 2022-23 में दो लाख करोड़ रुपए की खरीदः गोयल

मुंबई एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि सरकारी खरीद के ऑनलाइन मंच जीईएम से माल एवं सेवाओं की खरीद ने वित्त वर्ष 2022-23 में दो लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया जिसमें महिला उद्यमियों, एमएसएमई और स्टार्टअप की प्रमुख सहभागिता रही। गोयल ने कहा, जीईएम के माध्यम से 12 महीने के अंदर दो लाख करोड़ रुपए की सरकारी खरीद होना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच को दर्शाती है। प्रधानमंत्री का इस पर पूरा जोर है कि सरकार को उच्चतम स्तर की ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ चलना चाहिए।

गोयल ने कहा कि यह सरकारी खरीद चक्र में पूरे देश की भागीदारी और निष्पक्ष व न्यायसंगत तरीके से भाग लेने के लिए महिला उद्यमियों, स्टार्टअप और एमएसएमई की क्षमता से स्पष्ट है। केंद्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि जीईएम तेजी से बढ़ेगा लिहाजा सरकारी खरीद प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अधिक से अधिक विक्रेताओं को इस खरीद मंच से जुड़ना चाहिए। जीईएम ने वित्त वर्ष 2022-23 में 31 मार्च, 2023 तक दो लाख करोड़ रुपए का सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) हासिल किया है।

संयुक्त रूप से, जीईएम ने स्थापना के बाद से अपने हितधारकों के सहयोग के साथ 3.9 लाख करोड़ जीएमवी का आंकड़ा पार कर लिया है और जीईएम पर लेनदेन की कुल संख्या भी 1.47 करोड़ के पार हो गई है। जीईएम 67,000 से अधिक सरकारी खरीदार संगठनों की विभिन्न खरीद जरूरतों को पूरा कर रहा है। इस खरीद पोर्टल पर 11,700 उत्पाद श्रेणियों के 32 लाख से अधिक सूचीबद्ध उत्पादों के साथ-साथ 280 सेवा श्रेणियों में 2.8 लाख सेवाएं हैं।

2 कंपनियां बाटेंगी मुनाफा, एक्स-डिविडेंड डेट इसी हफ्ते

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप डिविडेंड देने वाले स्टॉक की तलाश में हैं। तो हम आपकी इस खोज को समाप्त करने जा रहे हैं। इस हफ्ते शेयर बाजार में दो कंपनियां एक्स-डिविडेंड के तौर पर निवेशकों को ध्यान अपनी ओर खिंचने का प्रयास करेंगी। ये दोनों कंपनियां निवेशकों के बीच काफी चर्चित हैं। बता दें, इनमें से एक सरकारी कंपनी है। आइए विस्तार से जानते हैं।

1- वेदांता लिमिटेड : अगर डिविडेंड के जरिए निवेशकों को मालामाल करने वाली किसी दिग्गज कंपनी का नाम लिया जाए उस लिस्ट में वेदांता का नाम जरूर होगा। यह कंपनी नियमित अंतराल पर निवेशकों को डिविडेंड देती आई है। एक बार फिर कंपनी ने डिविडेंड का ऐलान किया है। इस बार योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 20.50 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। शेयर बाजार में कंपनी 6 अप्रैल 2023 को एक्स-डिविडेंड के रूप में ट्रेड करेगी। शुक्रवार को कंपनी के शेयर 2.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 275.30 रुपये के लेवल पर आकर बंद हुआ था। बीते एक साल में वेदांता के शेयरों के भाव में 34.68 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है।

2- रेल विकास निगम : 24 मार्च 2023 को इस सरकारी कंपनी की बोर्ड मीटिंग हुई। इस मीटिंग के बाद रेल विकास निगम ने एक शेयर पर 1.77 रुपये के अंतरिम डिविडेंड का ऐलान किया गया है। कंपनी ने डिविडेंड के लिए 6 अप्रैल 2023 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी जिस किसी निवेशक का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में 6 अप्रैल को रहेगा उसे डिविडेंड का अमाउंट क्रेडिट किया जाएगा। शुक्रवार को रेल विकास निगम के शेयरों 2.32 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है।

10 रूपए से कम की कीमत वाले इस शेयर का होगा 10 हिस्सों में बंटवारा, 1 महीने में 40 प्रतिशत हुआ सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी ऐसे स्टॉक की तलाश कर रहे हैं जिसके शेयर का भाव 10 रुपय से कम हो और स्टॉक स्प्लिट भी होने जा रहो हो। तो आपके पास इस हफ्ते एक अच्छा मौका है। श्री सिक्योरिटीज के शेयर का भाव 10 रुपये से म कम है। साथ कंपनी अपने शेयरों को 10 हिस्सों में बांटने का जा रही है। इस स्टॉक स्प्लिट के लिए श्री सिक्योरिटीज की रिकॉर्ड डेट 6 अप्रैल 2023 है। श्री सिक्योरिटीज की बोर्ड मीटिंग में 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 10 हिस्सों में बांटने की मंजूरी दी गई थी। इस बंटवारे के बाद कंपनी की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये हो जाएगी। पहले इस स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट मार्च के महीने में थी। लेकिन फिर कंपनी ने इसमें बदलाव किया। स्टॉक स्प्लिट की नई तारीख 6 अप्रैल 2023 है।

160 प्रतिशत रिटर्न देने वाली कंपनी बांटने जा रही डिविडेंड, रिकॉर्ड डेट 15 अप्रैल से पहले : निवेशकों के लिए शेयर बाजार से एक अच्छी खबर आई है। विसाका इंडस्ट्रीज ने निवेशकों को डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 के डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट का भी ऐलान कर दिया है। बता दें, बीते 3 साल में विसाका इंडस्ट्रीज ने निवेशकों को दोगुना से अधिक का रिटर्न दिया है। शेयर बाजार को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि 1 शेयर पर 7 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है।

मलेशिया से अब रुपए में भी व्यापार कर सकेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और मलेशिया अब अन्य मुद्राओं के साथ-साथ भारतीय रुपए में भी व्यापार कर सकेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले साल जुलाई में भारतीय मुद्रा में विदेशी व्यापार करने की मंजूरी दी थी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारत और मलेशिया के बीच व्यापार अन्य मुद्राओं के साथ-साथ अब भारतीय रुपए में भी किया जा सकता है। मंत्रालय ने कहा कि आरबीआई की पहल का उद्देश्य व्यापार वृद्धि को सुगम बनाना और वैश्विक व्यापारिक समुदाय के हितों का भारतीय रुपए में समर्थन करना है। विदेश मंत्रालय ने कहा, क्वालालंपुर स्थित इंडिया इंटरनेशनल बैंक ऑफ मलेशिया (आईआईबीएम) ने भारत में अपने संबद्ध बैंकिंग सहयोगी यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) के माध्यम से विशेष रुपया वोस्ट्रो खाता खोलते हुए इस प्रणाली को कार्यान्वित किया है। वोस्ट्रो खातों का उपयोग भारतीय रुपए में भुगतान करने के लिए किया जाता है।

टॉप 10 में से 9 कंपनियों का एम-कैप 2.34 लाख करोड़ बढ़ा, रिलायंस को हुआ सबसे अधिक लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 2,34,097.42 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,464.42 अंक या 2.54 प्रतिशत चढ़ गया। बृहस्पतिवार को 'रामनवमी पर बाजार में अवकाश था। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 86,317.26 करोड़ रुपए बढ़कर 15,77,092.66 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के बाजार मूल्यांकन में 30,864.1 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ और यह 11,73,018.69 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 26,782.76 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 8,98,199.09 करोड़ रुपए और इन्फोसिस की 19,601.95 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 5,92,289.92 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का बाजार पूंजीकरण 18,385.55 करोड़ रुपए बढ़कर 6,01,201.66 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत में 17,644.35 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 6,12,532.60 करोड़ रुपए रही। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन 16,153.55 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,67,381.93 करोड़ रुपए रहा। एचडीएफसी का मूल्यांकन 12,155.78 करोड़ रुपए बढ़कर 4,82,001.12 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 6,192.12 करोड़ रुपए चढ़कर 4,76,552.34 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस रुख के उलट भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 7,387.05 करोड़ रुपए घटकर 4,17,577.59 करोड़ रुपए रह गया।

व्हाट्सएप ने फरवरी में 45 लाख खातों पर प्रतिबंध लगाया, इस साल कुल इतने अकाउंट किए बैन

नई दिल्ली, एजेंसी। मेटा के स्वामित्व वाले ऐप 'व्हाट्सएप ने फरवरी में 45 लाख से अधिक खातों पर प्रतिबंध लगाया, जो उससे पिछले महीने में प्रतिबंधित खातों की संख्या से काफी अधिक है। व्हाट्सएप ने अपनी मासिक रिपोर्ट यह जानकारी दी है। व्हाट्सएप ने जनवरी में 29 लाख, दिसंबर में 36 लाख और नवंबर में 37 लाख खातों पर प्रतिबंध लगाया था। ऐप के दुरुपयोग को रोकने के लिए इन खातों पर पाबंदी लगाई गई। व्हाट्सएप के एक प्रवक्ता ने कहा, नवीनतम मासिक रिपोर्ट के अनुसार, व्हाट्सएप ने फरवरी के महीने में 45 लाख से अधिक खातों पर प्रतिबंध लगाया। किसी भारतीय खाते की पहचान +91 फोन नंबर के माध्यम से की जाती है। शनिवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है, एक फरवरी, 2023 से 28 फरवरी, 2023 के बीच 4,597,400 व्हाट्सएप खातों पर प्रतिबंध लगाया गया।

सीएमआईई का दावा, भारत में बेरोजगारी दर मार्च में बढ़कर 7.8 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्थिक निगरानी से जुड़ी संस्था सीएमआईई ने कहा है कि भारत में बेरोजगारी दर मार्च में तीन महीने के उच्चतम स्तर 7.8 प्रतिशत पर पहुंच गई। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग ऑफ इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) की तरफ से शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च में बेरोजगारी दर 7.8 प्रतिशत पर पहुंच गई जो बीते तीन महीनों का उच्चतम स्तर है। इसके पहले बेरोजगारी दर दिसंबर, 2022 में 8.30 प्रतिशत हो गई थी, लेकिन जनवरी में यह घटकर 7.14 प्रतिशत पर आ गई थी। लेकिन यह फरवरी में फिर से बढ़कर 7.45 प्रतिशत के आंकड़े पर पहुंच गई। आंकड़ों के अनुसार, मार्च में शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 8.4 प्रतिशत जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 7.5 प्रतिशत रही।

गजब का रिटर्नः 13 रुपये के शेयर में बन गए 22 लाख, अभी और आएगी तेजी!

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में कई ऐसे स्टॉक हैं जिन्होंने कोविड के दौरान निवेशकों को चौंकाने वाला रिटर्न दिया है। ऐसा ही एक स्टॉक-पूनावाला फिनकॉर्प है। कोविड के दौरान 29 मई 2020 को एनएसई पर इस शेयर की कीमत 13.35 रुपये थी। वहीं, अब पूनावाला फिनकॉर्प के शेयर लगभग 293 के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। इस लिहाज से निवेशकों को पिछले तीन वर्षों में लगभग 2100 प्रतिशत का रिटर्न मिला है।

पूनावाला फिनकॉर्प के शेयरों ने पिछले एक साल में अपने शेयरधारकों को करीब 5 फीसदी का रिटर्न दिया है। हालांकि, पिछले दो वर्षों में यह मल्टीबैगर स्टॉक लगभग 110 के स्तर से बढ़कर 293 प्रति शेयर के स्तर पर पहुंच गया है, इस दौरान लगभग 165 प्रतिशत का रिटर्न मिला है। इसी तरह, पिछले तीन वर्षों में पूनावाला फिनकॉर्प के शेयर की कीमत लगभग 13.35 से 293 के स्तर तक बढ़ी है, इस दौरान लगभग 2100 प्रतिशत का रिटर्न है।

पूनावाला फिनकॉर्प के शेयर के हिसाब से निवेश की बात करें तो किसी निवेशक ने एक साल पहले इस स्टॉक में पैसे लगाए होते तो तो उसका 1 लाख आज 1.05 लाख में बदल गया होता। इसी तरह, अगर किसी निवेशक ने दो साल पहले इस मल्टीबैगर फाइनेंशियल स्टॉक में 1 लाख का निवेश किया होता, तो उसका 1 लाख आज 2.65 लाख हो गया होता। वहीं, निवेशक ने तीन साल पहले इस स्टॉक में 1 लाख का निवेश किया होता, तो उसका 1 लाख आज 22 लाख में बदल जाता। पूनावाला फिनकॉर्प के शेयर को लेकर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। आनंद राठी को पूनावाला फिनकॉर्प के शेयर की कीमत लंबी अवधि में 417 के स्तर तक बढ़ने की उम्मीद है। इसके साथ ही एक्सपर्ट ने खरीदने की सलाह दी है। अगर ऐसा होता है तो वर्तमान कीमत से 40 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न मिलेगा। बता दें कि इस शेयर का 52-सप्ताह का उच्च स्तर 343.80 है। वहीं, इस मल्टीबैगर स्टॉक का 52 हफ्ते का निचला स्तर 209.15 प्रति शेयर है।

मुकेश अंबानी की रिलायंस ने चार दिन में कमा डाले 86,317.26 करोड़, भारती एयरटेल को नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले हफ्ते बीएसई सेंसेक्स में तेजी देखने को मिली। इससे सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 2,34,097.42 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई।

शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,464.42 अंक या 2.54 प्रतिशत चढ़ गया। गुरुवार को 'रामनवमी' पर बाजार में अवकाश था। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 86,317.26 करोड़ रुपये बढ़कर 15,77,092.66 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शुक्रवार को मुकेश अंबानी की इस कंपनी का शेयर 4.29 प्रतिशत तेजी के साथ 2331.05 रुपये पर बंद हुआ। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के बाजार मूल्यांकन में 30,864.1 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ और यह 11,73,018.69 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसी तरह एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 26,782.76 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 8,98,199.09 करोड़ रुपये और दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस की 19,601.95 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 5,92,289.92 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एफएमसीजी सेक्टर की दिग्गज हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 18,385.55 करोड़ रुपये बढ़कर 6,01,201.66 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत में 17,644.35 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 6,12,532.60 करोड़ रुपये रही। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई का बाजार मूल्यांकन 16,153.55 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 4,67,381.93 करोड़ रुपये रहा।

एचडीएफसी का मूल्यांकन 12,155.78 करोड़ रुपये बढ़कर 4,82,001.12 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 6,192.12 करोड़ रुपये चढ़कर 4,76,552.34 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इस रुख के उलट भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 7,387.05 करोड़ रुपये घटकर 4,17,577.59 करोड़ रुपये रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, एचडीएफसी, आईटीसी, एसबीआई और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

ताज रायपुर के दस्तखत के साथ आईएचसीएल ने छत्तीसगढ़ में रखा कदम

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी हॉस्पिटैलिटी कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी (आईएचसीएल) ने ताज ब्रांड के होटल के साथ छत्तीसगढ़ राज्य में अपनी शुरुआत की आज घोषणा की। यह होटल एक ब्राउनफील्ड प्रोजेक्ट है।

इस अवसर पर आईएचसीएल के प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री पुनीत छटवाल ने कहा, ''यह हस्ताक्षर आईएचसीएल के उस ध्येय के अनुसार है जिसके तहत कंपनी देश के हर राज्य की राजधानी में अपनी उपस्थिति कायम करना चाहती है। छत्तीसगढ़ भारत के सबसे तेज़ी से विकसित होते राज्यों में से एक है। रायपुर प्रदेश के लिए और केन्द्रीय भारत के लिए भी एक बड़ा वाणिज्यिक केन्द्र है। ताज ब्रांड को शहर में लाने के लिए हम व्यापक ग्रुप की कंपनी कृष (रायपुर) होटल्स प्रा. लि. के साथ साझेदारी से बहुत खुश हैं। 152 कमरों वाला यह लक्ज़री होटल रायपुर हवाई अड्डे से थोड़ी ही दूरी पर सबसे व्यस्त सड़क अटल पथ ऐक्सप्रैसवे पर स्थित है। एक ओर यह मार्ग नई राजधानी ''नया रायपुर'' से शहर को कनेक्ट करता है तो दूसरी तरफ कनेक्टिविटी के मामले में बहुत सुविधा प्रदान करता है। यहां पर एक ऑल डे डाइनिंग रेस्टोरेंट, एक स्पेशलिटी रेस्टोरेंट, एक लॉबी लाउंज और बार होंगे। इस होटल में 1300 वर्ग मीटर से अधिक आकार का बैंक्विटिंग स्पेस होगा, साथ में एक बड़ा कॉन्फ्रेंस हॉल, दो विशाल मीटिंग रूम, ब्रेकआउट रूम व एक बिज़नेस सेंटर भी होगा। यहां शहर का पहला सभागार भी होगा। यह होटल आईएचसीएल का सिग्नेचर स्पा ब्रांड भी शहर में पेश करेगा और साथ में अन्य रिक्रिएशनल सुविधाएं भी होंगी जैसे स्विमिंग पूल, जिम व सलून। कृष (रायपुर) होटल्स प्रा. लि. के प्रबंध निदेशक श्री मुकेश श्रीवास्तव ने कहा, ''भारत की अग्रणी हॉस्पिटैलिटी कंपनी आईएचसीएल की साझेदारी में आइकॉनिक ब्रांड ताज को रायपुर में लांच करते हुए हम अत्यंत प्रसन्न हैं। गौर तलब है की ताज को दुनिया के सबसे मज़बूत होटल ब्रांड के खिताब से नवाज़ा गया है।

एफपीआई ने मार्च में भारतीय शेयर बाजार में डाले 7,936 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार दो माह तक निकासी के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च में भारतीय शेयर बाजार में 7,936 करोड़ रुपए का निवेश किया है। अमेरिका की जीक्यूजी पार्टनर्स द्वारा अडानी समूह की कंपनियों में पैसा लगाने से एफपीआई का निवेश मार्च में सकारात्मक रहा है। जीएलसी वेल्थ एडवाइजर एलएलपी के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संचित गर्ग ने कहा कि यदि अडानी समूह की कंपनियों में आए निवेश को निकाल दिया जाए, तो मार्च में एफपीआई का शुद्ध निवेश नकारात्मक हो जाएगा। इसका आशय है कि मार्च में भी एफपीआई बिकवाल ही रहे हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, ''विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का सतत बिकवाली का सिलसिला समाप्त होता दिख रहा है। पिछले कुछ सत्रों से वे लिवाल बन गए हैं। विजयकुमार ने कहा, ''एफपीआई के लिए निकट भविष्य का दृष्टिकोण अब और अधिक सकारात्मक दिखता है। भले ही भारतीय मूल्यांकन अपेक्षाकृत अधिक बना हुआ है लेकिन हाल के समय में बाजार में जो 'करेक्शन हुआ है उससे अब मूल्यांकन कुछ ठीक हो गया है। उन्होंने कहा कि निर्यात में बढ़ोतरी की वजह से चालू खाते के घाटे (कैड) की स्थिति सुधरी है। ऐसे में एफपीआई आगे संभवतः आक्रामक तरीके से बिकवाली नहीं करेंगे।

महंगाई का झटका! अमूल ने बढ़ाए दूध के दाम, 2 रुपए प्रति लीटर हुआ महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। दूध की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों को पहले ही परेशान कर रखा है। अब देश की बड़ी कंपनी अमूल ने ग्राहकों को एक बार फिर झटका देते हुए अपने दूध की कीमतों में 2 रुपए प्रति लीटर का इजाफा करने का फैसला किया है। कंपनी ने गुजरात में दूध के दामों में 2 रुपए प्रति लीटर बढ़ोतरी का निर्णय लिया है। नई दरें आज यानी 1 अप्रैल, 2023 से लागू हो चुकी हैं।

जानें कितने बढ़े दूध के दाम

इस बढ़ोतरी के बाद गुजरात में दूध के दाम 3 से 4 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। गुजरात कॉरपोरेशन मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड जो कि गुजरात की सबसे बड़ी डेयरी यूनियन हैं उसने अमूल के दूध के दाम में 2 रुपए प्रति लीटर के इजाफे का फैसला किया था। यह बढ़ोतरी अमूल की सभी वैरायटी पर लागू हो चुकी है। इस बढ़ोतरी के बाद अमूल गोल्ड, अमूल शक्ति और अमूल ताजा सभी दूध की वैरायटी में 2 रुपए प्रति लीटर का इजाफा हुआ है।

जानें दूध के नए रेट्स

इस बढ़ोतरी के बाद अब गुजरात में आधा लीटर दूध अमूल गोल्ड के 32 रुपए चुकाने होंगे। वहीं अमूल ताजा के आधा लीटर पैकेट के लिए 26 रुपए और अमूल शक्ति के लिए 29 रुपए देना होगा। वहीं एक लीटर अमूल गोल्ड के लिए 64 रुपए, अमूल शक्ति के लिए 58 रुपए और अमूल जाता के लिए 52 रुपए का शुल्क देना होगा। इससे पहले त्रष्टरूरूस्न ने पिछले साल अगस्त में गुजरात में दूध के दाम में इजाफा किया था।

क्यों बढ़े दूध के दाम

गुजरात में अमूल दूध के दाम में इजाफे पीछे कंपनी ने बयान देकर जानकारी दी है कि पिछले कुछ महीनों में दूध के उत्पादन और लागत में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले कुछ महीनों में जानवरों के चारे की कीमतों में 13 से 14 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है। ऐसे में किसानों की लागत मूल्य में तेजी से इजाफा हुआ है जिसके बाद कंपनी ने अब राज्य में दूध की कीमतों में इजाफे का फैसला किया है। ध्यान देने वाली बात ये है कि अमूल में पिछले कई महीनों में कई बार दूध की कीमतों में इजाफा किया है। ऐसे में इसका असर लोगों की जेब पर दिख रहा है।

टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सलीम दुर्रानी का निधन, पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट जगत के लिए रविवार को एक दुखद खबर सामने आई। भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सलीम दुर्रानी का 88 साल की उम्र में निधन हो गया। वह कैंसर से जूझ रहे थे। सलीम ने गुजरात के जामनगर में आखिरी सांस ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सलीम दुर्रानी के निधन पर दुख जताया है। वह पहले ऐसे क्रिकेटर थे, जिन्हें अर्जुन अवॉर्ड से नवाजा गया था। उन्हें यह सम्मान 1960 में मिला था। सलीम दुर्रानी भारत के लिए 29 टेस्ट खेल चुके, जिसमें उन्होंने एक शतक और सात अर्धशतक की मदद से 1202 रन बनाए थे। साथ ही 75 विकेट भी लिए थे।

सलीम दुर्रानी का जन्म 11 दिसंबर 1934 को अफगानिस्तान के काबुल में हुआ था। हालांकि, जब वह सिर्फ आठ वर्ष के थे तब उनका परिवार पाकिस्तान के कराची जाकर बस गया था। भारत-पाकिस्तान बंटवारे के समय दुर्रानी का परिवार भारत आ गया था। धीरे-धीरे सलीम की क्रिकेट में दिलचस्पी बढ़ी। 1960-70 के दशक में सलीम ने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से पहचान बनाई थी। वह भारत के दिग्गज ऑलराउंडर्स में से एक रहे हैं। ऐसा कहा जाता है कि मैच में जब भी फैंस सलीम से छक्का लगाने की मांग करते थे, वह छक्का जड़ देते थे। इसी तरह सलीम फैंस के खास बन गए थे।

इंग्लैंड पर ऐतिहासिक जीत में निभाई थी अहम भूमिका – सलीम दुर्रानी ने 1961-62 में इंग्लैंड पर ऐतिहासिक 2-0 की सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इस पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में जमकर विकेट लिए थे। भारत ने कोलकाता और मद्रास में दो टेस्ट जीते थे। कोलकाता टेस्ट में सलीम ने आठ और मद्रास टेस्ट में 10 विकेट लिए थे। इसके अलावा उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ ऐतिहासिक पोर्ट ऑफ स्पेन मैच में भारत की जीत में भी अहम किरदार निभाया था। इस मैच में सलीम ने तब के महान बल्लेबाज क्लाइव लॉयड और सर गारफील्ड सोबर्स के विकेट झटके थे।

फैंस के साथ सलीम दुर्रानी का खास रिश्ता –प्रथम श्रेणी मैचों की बात

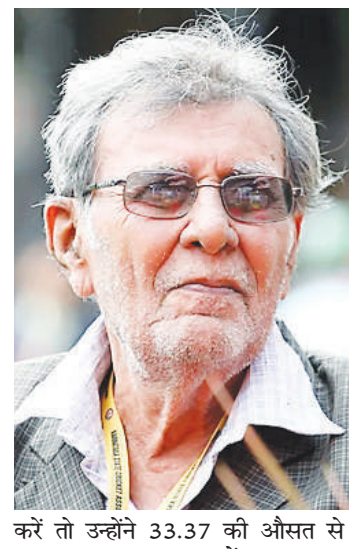

करें तो उन्होंने 33.37 की औसत से 8,545 रन बनाए। इनमें 14 शतक शामिल हैं। अपना दिन होने पर सलीम दुर्रानी किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करने की क्षमता रखते थे। हालांकि, एक गेंदबाज के रूप में उन्होंने पहली बार भारतीय टीम में खेलते हुए अपनी पहचान बनाई थी। सलीम का फैंस के साथ भी खास रिश्ता था। एक बार कानपुर में एक मैच के लिए टीम से बाहर किए जाने के बाद फैंस ने अपना गुस्सा व्यक्त किया था। वह बैनर और प्लेकार्ड के साथ मैदान में पहुंचे थे, जिस पर लिखा था- %नो दुर्रानी, नो टेस्ट !%। घरेलू क्रिकेट में सलीम दुर्रानी ने ढाई दशक के करियर के दौरान गुजरात, राजस्थान और सौराष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया।

फिल्म में भी काम कर चुके सलीम दुर्रानी –सलीम ने 1960 में मुंबई टेस्ट में डेब्यू किया था। वह छक्के लगाने के लिए ज्यादा मशहूर हैं। सलीम ने आखिरी टेस्ट फरवरी 1973 में मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद सलीम ने फिल्म इंडस्ट्री में भी काम किया। वह बॉलीवुड फिल्म %चरित्र% में भी काम कर चुके हैं। इस फिल्म में सलीम के साथ परवीन बॉबी थीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने शोक व्यक्त किया – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को महान भारतीय क्रिकेटर सलीम दुरानी के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने क्रिकेट की दुनिया में भारत के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। एक ट्वीट में, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- सलीम दुर्रानी जी क्रिकेट के दिग्गज थे, अपने आप में एक संस्था थे। उन्होंने क्रिकेट की दुनिया में भारत के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मैदान पर और मैदान से बाहर, वह अपनी शैली के लिए जाने जाते थे। उनके निधन से आहत हूं। उनके परिवार और दोस्तों के प्रति संवेदना। उनकी आत्मा को शांति मिले। यह देखते हुए कि सलीम दुर्रानी का गुजरात के साथ बहुत पुराना और मजबूत संबंध था, प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने कुछ वर्षों के लिए सौराष्ट्र और गुजरात के लिए खेला और राज्य को अपना घर भी बनाया। मोदी ने कहा- मुझे उनके साथ बातचीत करने का अवसर मिला है और मैं उनके बहुमुखी व्यक्तित्व से बहुत प्रभावित हुआ। निश्चित रूप से उनकी कमी खलेगी।

राजपक्षे की तूफानी पारी ने लोगों का खूब किया मनोरंजन

नई दिल्ली । आईपीएल 2023 का दूसरा मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला गया था। इस मैच को पंजाब ने 7 रन से जीत लिया। मैच का फैसला डीएलएस नियम से आया।

मैच की बात करें तो केकेआर के कप्तान नीतीश राणा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने फैसला किया। पंजाब की ओर से सलामी बल्लेबाजी करने शिखर धवन और प्रभसिमरन सिंह आए। प्रभसिमरन को टिम साउदी ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने राजपक्षे आए। राजपक्षे ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 32 गेंदों पर 50 रन की पारी खेली। वहीं, धवन 40 रन बनाकर वरूण चक्रवर्ती के शिकार बने। 20 ओवर के बाद पंजाब ने 191 रन बनाए। केकेआर की ओर से मंदीप सिंह और रहमानउल्लाह गुरबाज ने बल्लेबाजी की शुरुआत की। मंदीप ने 2 तो गुरबाज ने 22 रन की पारी खेली। अनुकूल रॉय ने 4 रन की पारी खेली।

इसके अलावा रिंकू सिंह ने 4 रन की पारी खेली। कप्तान नीतीश राणा कुछ खास करने में सफल नहीं हो सके। वो महज 24 रन बनाकर कैच आउट हुए। इसके बाद आंद्रे रसल ने 19 गेंदों पर 35 रन की छोटी मगर तूफानी पारी खेली। 16 ओवर समाप्त होने के बाद बारिश शुरू हो गई है। डीएलएस के हिसाब से कोलकाता की टीम अभी 7 रन पीछे थे। लगातार बारिश की वजह से मैच में डीएलएस नियम लगाया गया। मैच को पंजाब ने 7 रन से जीत लिया।

भारत के वर्ल्ड चैंपियन बनने की 12वीं एनिवर्सरी पर आईसीसीका तोहफा

नई दिल्ली. । वो दिन जब पूरा हिन्दुस्तान एमएस धोनी के छक्के पर झूम उठा था. धोनी के बल्ले से वानखेड़े स्टेडियम में निकले उस ऐतिहासिक छक्के ने भारत को 28 साल बाद वर्ल्ड चैंपियन बना दिया. भारत को वर्ल्ड चैंपियन बने हुए पूरे 12 साल हो गए हैं और रविवार को आईसीसी ने भी इसका जश्न मनाया. आईसीसी ने इस मौके पर पूरी दुनिया को तोहफा दिया है. दरअसल इस साल भी भारत की मेजबानी में वर्ल्ड कप खेला जाना है और रविवार को आईसीसी ने इस वर्ल्ड कप का लोगो लॉन्च कर दिया है. आईसीसी ने एक वीडियो शेयर किया. जिसमें खेल को लेकर फैंस के इमोशंस को दिखाया गया है. टूर्नामेंट शुरू होने में करीब 6 महीने का समय बचा है. इससे पहले इस वर्ल्ड कप को नवरस के साथ डवलप किया गया. इस नवरस में दर्शकों की उन 9 भावनाओं को दिखाने की कोशिश की गई, जो मैच के दौरान अनुभव होती है.

भारत का एक्साइटमेंट शुरू – वर्ल्ड कप 2023 नवरस में खुशी, ताकत, दर्द, सम्मान, गौरव, बहादुरी, गर्व, आश्चर्य, जुनून है, जो वर्ल्ड कप में नजर आने वाले रिएक्शन का प्रतिनिधित्व करती है. भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि वर्ल्ड कप को लेकर उनकी टीम काफी उत्साहित है ।

मार्क वुड का पंजा, मेयर्स की शानदार पारी

लखनऊ सुपर जायंट्स ने आईपीएल-2023 की शुरुआत जीत के साथ की है. लखनऊ ने अपने घर में दिल्ली कैपिटल्स को 50 रनों के विशाल अंतर से हरा दिया. लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट खोकर 193 रन बनाए थे. उसके लिए काइल मेयर्स ने शानदार 73 रनों की पारी खेली जिसके लिए उन्होंने सिर्फ 38 गेंदों का सामना किया. दिल्ली की टीम इस लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाई

और पूरे 20 ओवर खेलने के बाद नौ विकेट खोकर 143 रन ही बना सकी. उसकी तरफ से किसी ने लड़ाई लड़ी तो वो थे कप्तान डेविड वॉर्नर ने. वॉर्नर ने अर्धशतक जमाया. वॉर्नर ने 48 गेंदों पर 56 रनों की पारी खेली. गुजरात के लिए मार्क वुड ने पांच विकेट अपने नाम किए. लखनऊ सपुर जायंट्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 50 रनों के विशाल अंतर से हरा आईपीएल-2023 की शुरुआत जीत के साथ की है. दिल्ली को जीत के लिए 194 रन बनाने थे लेकिन ये टीम पूरे ओवर खेलने के बाद नौ विकेट खोकर 143 रन ही बना सकी. लखनऊ के लिए मार्क वुड ने पांच विकेट हासिल किए. काइल मेयर्स ने उसके लिए तूफानी पारी खेली और 38 गेंदों पर 73 रन बनाए ।

केन विलियमसन की जगह किसकी होगी गुजरात टाइटंस के खेमे में एंट्री, ये तीन खिलाड़ी रेस में सबसे आगे

नई दिल्ली। डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस को आईपीएल 2023 के आगाज के साथ ही जोर का झटका लगा है। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज केन विलियमसन चोट के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। विलियमसन अपने अनुभव के दम पर गुजरात के लिए इस सीजन ट्रंप कार्ड साबित हो सकते थे।

कीवी बल्लेबाज के बाहर होने के बाद इस बात को लेकर चर्चा शुरू हो गई है कि विलियमसन की जगह पर गुजरात के खेमे में किसकी एंट्री होगी। विलियमसन को रिप्लेस करने के लिए कई नाम रेस में चल रहे हैं। हालांकि, स्टीव स्मिथ को उनको सही विकल्प माना जा रहा है।

1. स्टीव स्मिथ

ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ के पास बेहद अनुभव मौजूद है। इसके साथ ही स्मिथ बीच के ओवरों में गुजरात की पारी को बूखबी तरीके से संभाल सकते हैं। स्मिथ के पास कप्तानी करने का अनुभव भी मौजूद है और वह हार्दिक पांड्या के अच्छे सलाहकार भी साबित हो सकते हैं। यही वजह है कि स्मिथ को विलियमसन की रिप्लेसमेंट के तौर पर एकदम सही विकल्प माना जा रहा है।

2. ट्रेविस हेड

ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड इस समय अपने करियर की सबसे शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। हेड पारी का आगाज करने के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर बीच के ओवरों में भी बैटिंग कर सकते हैं। कंगारू बल्लेबाज के पास बड़े-बड़े शॉट्स लगाने की काबिलियत भी है और वह अपने दम पर मैच का रुख पलटने का माद्दा रखते हैं। हेड का प्रदर्शन भारत के खिलाफ खेली गई वनडे सीरीज में भी उम्दा रहा था।

3. दासुन शनाका

श्रीलंका टीम के कप्तान दासुन शनाका केन विलियमसन की रिप्लेसमेंट के तौर पर अच्छा विकल्प हो सकते हैं। शनाका बल्ले और गेंद दोनों से कमाल करने की काबिलियत रखते हैं। इसके साथ ही वह मैच को फिनिश करने का हुनर भी बखूबी तरीके से जानते हैं। शनाका का प्रदर्शन पिछले एक साल में टी-20 फॉर्मेट में कमाल का रहा है।

एम चिदंबरम के मैदान में स्पिनर्स की बोलती है तूती, रनों को तरसते हैं बल्लेबाज

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 के छठे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स की भिड़ंत लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ होगी। तीन साल के लंबे इंतजार के बाद सीएसके की टीम अपने घरेलू मैदान पर उतरेगी। धोनी की टीम ने सीजन का आगाज हार के साथ किया है और पहले मैच में टीम को गुजरात टाइटंस के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। लखनऊ सुपर जायंट्स ने अपने अभियान की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की है। केएल राहुल की अगुवाई में लखनऊ ने पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को बुरी तरह से रौंदा था। ऐसे में टीम अपनी इसी फॉर्म को दूसरे मुकाबले में भी जारी रखना चाहेगी। वहीं, घरेलू दर्शकों के सामने चेन्नई सीजन की अपनी पहली जीत का स्वाद चखना चाहेगी।

स्पिनर्स का रहता है चेपॉक में बोलबाला

एम चिदंबरम के मैदान पर स्पिनर्स का बोलबाला रहता है। स्पिनर्स की घूमती गेंदों के आगे बल्लेबाजों के लिए रन बनाना इस मैदान पर बेहद मुश्किल नजर आता है। इस ग्राउंड पर सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले टॉप 10 गेंदबाजों में से 9 नाम स्पिनर्स के हैं। यानी जिस टीम के पास बेहतर स्पिनर्स मौजूद होंगे उसका इस मुकाबले में दबदबा रह सकता है।

पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम की होती है मौज

चेपॉक के मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम की फुल मौज होती है। छह मैचों में से 5 मुकाबलों में उस टीम के हाथ जीत लगी है, जिसने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया है। चिदंबरम के मैदान पर पहली पारी में एवरेज स्कोर 150 का रहता है, जबकि दूसरी इनिंग में एवरेज स्कोर 119 का हो जाता है। यानी चेपॉक में टॉस काफी अहम किरदार निभाता है।

मुकुंद ससिकुमार और विष्णुवर्द्धन ने जीता युगल खिताब, रितविक-निक्की हारे

मैसुरू । भारत के मुकुंद ससिकुमार और विष्णुवर्द्धन ने आईटीएफ मैसुरु ओपन का युगल खिताब जीत लिया। उन्होंने फाइनल में हमवतन शीर्ष वरीय रितविक चौधरी और निक्की पोंचा को एक घंटे 10 मिनट चले मुकाबले में 6-3, 6-4 से पराजित किया। मुकुंद और विष्णु ने मैच में सात ब्रेक प्वाइंट हासिल किए। मुकुंद और विष्णु ने अपने 80 प्रतिशत अंक पहली और दूसरी सर्विस पर बटोरे। इससे पहले सेमीफाइनल में मुकुंद-विष्णुवर्द्धन ने दूसरी वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलिया के ब्लैक एलिस और यूक्रेन के व्लादिस्लेव ओरलोवा को 6-4-7-5 से

हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। विष्णुवर्द्धन ने कहा कि वह मैसुरु टेनिस क्लब में 12 साल की उम्र में आया था। मैंने 2012 में यहां अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट जीता था। अब मैं युगल मुकाबला जीतकर बेहद खुश हूं। एकल में एस डी प्राजवाल सेमीफाइनल में ब्रिटेन के जॉर्ज लोफेगेन से 5-7, 4-6 से पराजित हो गए। जॉर्ज का सामना फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के ब्लैक इलिस से होगा जिन्होंने अमेरिकी ओलिवर क्राफोर्ड को दूसरे सेमीफाइनल में 7-5, 6-3 से पराजित किया था।

आखिरी गेंद पर थी 7 रन की जरूरत, सोढ़ी ने छक्का जड़ मैच कराया टाई, सुपर ओवर में फिर गजब हो गया

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच रविवार को पहला टी20 मैच खेला गया, जो सुपर ओवर तक पहुंचा. सुपर ओवर में तो गजब हो गया. पहले मुकाबले में श्रीलंका ने बाजी मारी. इसी के साथ श्रीलंकाई टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त भी हासिल कर ली है. पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 5 विकेट पर 196 रन ठोके. चरिथ असलंका ने 67 रन और कुसाल परेरा ने 53 रन बनाए. 197 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कीवी टीम की शुरुआत बेहद खराब रही.

न्यूजीलैंड ने 3 रन पर ही अपने 2 विकेट गंवा दिए थे. इसके बाद टॉम लाथम, डैरेल मिचेल और मार्क चैपमैन ने पारी संभाली. मिचेल ने 66 रन बनाए. न्यूजीलैंड ने एक समय 19.1 ओवर में 184 रन पर अपने 8 विकेट गंवा दिए थे. रचिन रवींद्र के 26 रन पर पवेलियन लौटने के बाद कीवी टीम की हार की नजर आने लगी थी. इसके बाद ईश सोढ़ी और हेनरी शिप्ले ने सिंगल-डबल लेकर 19.5 ओवर में स्कोर 190 रन तक पहुंचाया.

छक्का जड़कर मैच कराया टाई – आखिरी गेंद पर न्यूजीलैंड को जीत के लिए 7 रन की जरूरत थी, जो लगभग नामुमकिन ही था. स्ट्राइक पर सोढ़ी थे. अटैक पर दासुन शनाका थे और पारी की आखिरी गेंद पर कीवी बल्लेबाज ने छक्का जड़कर मैच टाई करवा दिया. किसी को भी टाई की उम्मीद नहीं थी, मगर सोढ़ी के छक्के ने न्यूजीलैंड को एक और मौका दे दिया. सुपर ओवर में न्यूजीलैंड की तरफ से जिम्मी नीशाम और डैरेल मिचेल उतरे.

मेंडिस और असलंका ने दिलाई जीत – सुपर ओवर में न्यूजीलैंड ने 8 रन जोड़े और 2 विकेट गंवाए. .नीशाम और चैपमेन के रूप में 2 विकेट गंवाए. इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने श्रीलंका की तरफ से कुसल मेंडिस और असलंका उतरे. असलंका ने एडम मिल्ने के ओवर की दूसरी गेंद पर छक्का जड़ दिया. अगली गेंद नो बॉल रही, मगर इस पर भी असलंका ने चौका जड़कर श्रीलंको को जीत दिला दी ।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को एक और झटका, लीग के शुरुआती तीन मैचों में नहीं खेलेगा यह मिस्ट्री स्पिनर

नई दिल्ली । आईपीएल का शानदार आगाज हो चुका है। शनिवार को लीग में पहला डबल भी खेला गया।रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम भी अपने अभियान की शुरुआत करेगी। हालांकि, फाफ डुप्लेसिस और विराट कोहली की टीम को लीग शुरू होने से पहले ही चोट से जूझना पड़ रहा है। विल जैक्स चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं, जबकि जोश हेजलवुड भी 14 अप्रैल के बाद लीग से जुड़ सकते हैं। अब टीम को एक और झटका लगा है।

टीम के मिस्ट्री स्पिनर वानिंदु हसरंगा शुरुआती तीन मैचों में नहीं खेल सकते हैं। श्रीलंका के हसरंगा फिलहाल अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलने में व्यस्त हैं और नौ अप्रैल के बाद ही उपलब्ध रहेंगे। इस बीच आरसीबी की टीम दो मैच खेलेगी। वहीं, उनका तीसरा मैच 10 अप्रैल को है। ऐसे में हसरंगा शुरुआती तीनों मैचों से दूर रह सकते हैं। आरसीबी की टीम अपने अभियान के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा।

आरसीबी के हेड कोच संजय बांगर ने कहा- हसरंगा इस महीने की नौ तारीख तक हमारे लिए अनुपलब्ध रहेंगे। हसरंगा पिछले सीजन में आरसीबी के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी थे और 16 मैचों में 16.53 के औसत और 7.54 की इकॉनमी रेट के साथ कुल मिलाकर दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। 18 रन देकर पांच विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी थी।

कोच ने कहा है कि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज रीस टॉपले ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जगह खेलेंगे। हेजलवुड पैर की चोट के कारण लीग के पहले हाफ में नहीं खेल पाएंगे। बांगर ने कहा- हमने इसका अनुमान लगाया था और इस पर नीलामी से पहले चर्चा हुई थी। रीस टॉपले उनके लिए एक लाइक टू लाइक रिप्लेसमेंट हैं। मुझे यकीन है कि रीस हमारी

चोटिल हैं। पाटीदार एड़ी की चोट के कारण आईपीएल के पहले हाफ में नहीं खेल सकते हैं। बांगर ने कहा कि इस बल्लेबाज का बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में इलाज ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खिलाड़ी ग्लेन मैक्सवेल, जिन्होंने हाल ही में पिछले साल पैर में चोट लगने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में क्रिकेट में वापसी की थी, को क्रिकेट

बांगर ने खुलासा किया कि फ्रेंचाइजी पिछले साल नीलामी के दौरान न्यूजीलैंड के हरफनमौला खिलाड़ी माइकल ब्रेसवेल को साइन करना चाहती थी, लेकिन नीलामी के क्रम के कारण इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स को साइन करना पड़ा। हालांकि, इस ऑलराउंडर को अब चोटिल विल जैक्स की जगह रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। बांगर ने कहा- ब्रेसवेल एक मल्टीटैलेंटेड प्लेयर हैं। वह कहीं भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। हम उनका सर्वश्रेष्ठ उपयोग करने की कोशिश करेंगे।

तीन साल के अंतराल के बाद एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के होम ग्राउंड पर खेलने पर बांगर ने कहा- हमारे खिलाड़ी उत्साहित हैं। बिल्ड-अप बहुत अच्छा था। हमारे पास यह आरसीबी अनबॉक्स इवेंट और हॉल ऑफ फेम इवेंट भी था जिसमें टीम मैनेजमेंट मौजूद था। इन आयोजनों की प्रतिक्रिया अच्छी थी माहौल का अनुभव नहीं किया है। आशा है कि प्रशंसक हमेशा की तरह ऊर्जा प्रदान करते रहेंगे। पिछले साल ऋष्टक्क ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया और क्वालिफायर दो में राजस्थान रॉयल्स से सात विकेट से हार गई थी।

आईपीएल 2023 की नीलामी के दौरान खरीदे गए खिलाड़ी– रीस टॉपले (1.9 करोड़ रुपये), हिमांशु शर्मा (20 लाख रुपये), विल जैक्स (3.2 करोड़ रुपये), मनोज भंडागे (20 लाख रुपये), राजन कुमार (70 लाख रुपये), अविनाश सिंह (60 लाख रुपये)।

रिटेन किए गए खिलाड़ी – फाफ डुप्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, सुयश प्रभुदेसाई, रजत पाटीदार, दिनेश कार्तिक, अनुज रावत, फिन एलेन, ग्लेन मैक्सवेल, वानिंदु हसरंगा, शाहबाज अहमद, हर्षल पटेल, डेविड विली, कर्ण शर्मा, महिपाल लोमरोर, मोहम्मद

संक्षिप्त समाचार

इस वर्ल्ड हेल्थ डे से बादाम को अपने संतुलित आहार में शामिल करें

नई दिल्ली, एजेंसी। हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाने वाला वर्ल्ड हेल्थ डे विश्व जागरूकता दिवस है, जिसका उद्देश्य स्वस्थ रहन-सहन और दुनिया भर में स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाना है। इस साल विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम हेल्थ फॉर ऑल रखी गई है। इससे दुनिया भर में लोगों की सेहत को सुधारने पर खासा जोर दिया जा रहा है। आज जब हम स्वस्थ दुनिया के निर्माण पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं, तब यह ज्यादा जरूरी हो जाता है कि हम पुराने और संक्रामक रोगों से अपना बचाव करने और उन्हें मैनेज करने में पौष्टिक आहार की भूमिका की पहचान करें। आहार को पौष्टिक बनाने में बादाम की स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों में से एक के रूप में पहचान की गई है, जिन्हें हमें अपने रोजाना के भोजन में शामिल करना चाहिए। यह ड्राई फ्रूट पोषक तत्वों जैसे फाइबर, प्रोटीन, हेल्दी फैट्स, विटामिन ई, मैग्नीशियम और पोटेशियम से भरपूर होते हैं जो सेहत को पूरी तरह ठीक रखने और बेहतर जीवनशैली के लिए आवश्यक है। इसके अलावा बादाम जिंक, कॉपर, फोलेट और आयरन मिनरल्स से भरपूर है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। इस संबंध में हुई कई स्टडीज में दिखाया गया है कि बादाम को अपने संतुलित आहार में शामिल कर दिल की सेहत को सुधारा जा सकता है, कोलेस्ट्रोल लेवल कम किया जा सकता है, ब्लड शुगर के लेवल को मैनेज किया जा सकता है और वजन पर कंट्रोल रखा जा सकता है। यह सब लाभ उन सभी लोगों के लिए बादाम को सबसे बेहतर पसंद बनाते हैं, जो हेल्दी लाइफस्टाइल को अपनाना चाहते हैं। दिल्ली में मैक्स हेल्थकेयर में डायटेटिक्स की रीजनल हेड रितिका समद्दर ने वर्ल्ड हेल्थ डे के मौके पर कहा, मुझे विश्वास है कि गैर संक्रामक रोगों के बोझ को कम करने के लिए बचाव ही सबसे जरूरी उपाय है। यह जीवनशैली से जुड़ी आदतों के प्रति जागरूक रहने के लिए बहुत जरूरी है। आइए, इस वर्ल्ड हेल्थ डे पर हम अपनी सेहत को बेहतर बनाने और स्वस्थ रहने के प्रति प्रतिबद्धता जताएं। इसके लिए हमको स्वस्थ आहार को अपनी पसंद बनाना होगा और बादाम को अपने रोजाना के भोजन में शामिल करना होगा। बादाम पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ है, जो दिल के रोगों, डायबिटीज और दूसरी बीमारियां होने के जोखिम को कम कर सकता है।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपना बहुप्रतीक्षित संगीत वीडियो जारी किया

मुंबई, एजेंसी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के प्रशंसित गायन रियलिटी शो इंडियन आइडल सीजन 13 ने नई पीढ़ी के गायकों के लिए सफलतापूर्वक मार्ग प्रशस्त किया है और कुछ असाधारण प्रदर्शनों के साथ दर्शकों का मनोरंजन किया है। जज हिमेश रेशमिया और विशाल ददलानी की सलाह के तहत, प्रतियोगियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया है और अब प्रतिष्ठित खिताब और ट्रॉफी जीतने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि शो अपने ड्रीम फिनाले की ओर बढ़ रहा है। इन प्रतियोगियों की भावना को दर्शाते हुए, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, जो शो में सह-प्रस्तुतकर्ता प्रायोजक हैं, ने एक आकर्षक संगीत वीडियो - आसमान से आगे का अनावरण किया, जिसमें शीर्ष 7 प्रतियोगी - ऋषि सिंह, बिदिप्त चक्रवर्ती, शिवम सिंह, सेनजुति दास शामिल हैं। , चिराग कोतवाल, सोनाक्षी कर और देबोस्मिता रॉय हॉट एंड टेकी ब्रेज़ा के साथ। उनकी कठिन यात्रा को याद करते हुए, ब्रांड इस सीजन के विजेता को ड्रीम प्राइज के रूप में म्यूजिक वीडियो में प्रदर्शित कार भी भेंट करेगा। यह एकीकरण सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर इंडियन आइडल के विजन को शामिल करता है, जो जीवन में सफल होने के उत्साह के साथ युवा, महत्वाकांक्षी गायकों को एक पहचान और मंच देता है, जबकि मारुति सुजुकी ब्रेज़ा अपने हॉट और टेकी ब्रांड प्रस्ताव के साथ अलग है जो प्रगतिशील और महत्वाकांक्षी से जुड़ता है। युवा, जो बड़ा जीने का सपना देखते हैं। शीर्ष 7 प्रतियोगियों की सुरीली आवाज के साथ म्यूजिक वीडियो एसयूवी की फैशनेबल नई विशेषताओं को बढ़ाता है। गीत के शीर्षक में आसमान से आगे के बोल युवा पीढ़ी के जीवन में सफल होने और अपनी महत्वाकांक्षाओं की खोज में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए एक वसीयतनामा है। आसमान से आगे का निर्माण फ्रीमैंटल इंडिया टेलीविजन प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया है। शशांक श्रीवास्तव, वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन और बिक्री), मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने कहा कि प्रसिद्ध इंडियन आइडल शो के लिए सह-प्रस्तुतकर्ता प्रायोजक बनना हमारे लिए खुशी की बात है जिसने भारत में कुछ बेहतरीन गायक दिए हैं। हम शो के साथ दो सीजन से जुड़े हुए हैं और इस बार शो में हमारा हॉट एंड टेकी ब्रेजा दिखाया जा रहा है।

डिस्कॉम को देनी होगी बिजली आपूर्ति पर साप्ताहिक रिपोर्ट, आतिशी ने किया

नई दिल्ली, एजेंसी। गर्मी में मांग बढ़ने पर बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए दिल्ली सरकार और बिजली वितरण कंपनियां (डिस्काम) काम कर रही हैं। बिजली मंत्री आतिशी ने डिस्काम को बिजली आपूर्ति निगरानी प्रणाली को बेहतर करने और प्रत्येक सप्ताह इसकी रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है जिससे कि कमियों को पहचान कर उसे समय रहते दूर किया जा सके। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर बिजली मंत्री ने बीएसईएस के बिजली वितरण निगरानी प्रणाली कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने डिस्काम अधिकारियों से निगरानी प्रणाली की जानकारी ली। कहा कि बिजली आपूर्ति में आने वाली परेशानी को पहचान कर उसे कम से कम समय में दूर करने के लिए हरसंभव कदम उठाया जाना चाहिए। दिल्ली के लोगों को बिना किसी कटौती के 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने को केजरीवाल सरकार प्रतिबद्ध है। शून्य बिजली कटौती के साथ इस गर्मी में बिजली की बढ़ी हुई मांग पूरी करने का लक्ष्य है। इसके लिए तत्काल जरूरत के अनुसार तारों को बदलना, ट्रांसफार्मर मरम्मत सहित बिजली वितरण में आने वाली अन्य समस्याओं को दूर किया जाना चाहिए।

देश में इसी माह से पड़ेंगे लू के थपेड़े, तीन माह तक लोग करेंगे हीटवेव का सामना

नई दिल्ली, एजेंसी। फरवरी में रिकॉर्ड गर्माहट के बाद पिछले माह अंतिम पखवाड़े में हुई बारिश के कारण अब तक गर्मी से काफी हद तक राहत है। लेकिन अगले कुछ दिनों में तापमान धीरे-धीरे बढ़ना शुरू होगा। इसलिए दक्षिणी प्रायद्वीपीय और उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के ज्यादातर हिस्सों में अप्रैल से जून तक गर्मी के मौसम में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहेगा।

इस दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य व पूर्वी राज्यों में इस बार लू अधिक चलेगी। इस माह से ही बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा सहित कई राज्यों में गर्म हवा के थपेड़ों की मार शुरू हो जाएगी। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी।

मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब और हरियाणा में इस बार अप्रैल में सामान्य से अधिक दिन लू चलेगी। अधिकतम तापमान सामान्य से जब 4.5 डिग्री

सेल्सियस अधिक होने पर लू चलती है।

इसलिए मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस, तटीय क्षेत्रों में 37 डिग्री सेल्सियस और पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान कम से कम 30 डिग्री सेल्सियस पहुंच जाए तो माना जाता है कि लू चल रही है। इस बार लू वाले दिनों की संख्या अधिक रहने की संभावना है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष फरवरी का महीना वर्ष 1901 के बाद सबसे अधिक गर्म रहा। वहीं मार्च में सात बार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण 37.6 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य (29.9 मिलीमीटर) से अधिक है। जबकि पिछले वर्ष 2022 में मार्च सबसे गर्म व 121 वर्षों में तीसरा सबसे सूखा मार्च का महीना था।

मौसम विभाग के अनुसार, इस माह अप्रैल में सामान्य बारिश होने की उम्मीद है। अप्रैल में सामान्य तौर पर देश भर में 39.2 मिमी बारिश होती है। उत्तर-पश्चिम, मध्य और प्रायद्वीपीय क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है। जबकि पूर्व और उत्तर-पूर्व भारत में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है।

भीषण गर्मी के लिए रहें तैयार

मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, बंगाल, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब और हरियाणा में इस बार अप्रैल में सामान्य से अधिक दिन लू चलेगी। अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस अधिक होने पर लू चलती है। जब मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस, तटीय क्षेत्रों में 37 डिग्री सेल्सियस और पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान कम से कम 30 डिग्री सेल्सियस पहुंच जाए तो माना जाता है कि लू चल रही है। इस बार लू वाले दिनों की संख्या अधिक रहने की संभावना है। बीता फरवरी महीना वर्ष 1901 के बाद सबसे अधिक गर्म रहा। वहीं, मार्च में सात बार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण 37.6 मिलीमीटर वर्षा हुई।

मंदिर में तोड़फोड़ के मामले में 6 पर आरोप तय, कोर्ट ने कहा- हिंदुओं पर हमला करना था उद्देश्य

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली दंगे में मंदिर में तोड़फोड़ करने व तीन व्यक्तियों पर गोली चलाने के मामले में शनिवार को कड़कड़डूमा कोर्ट ने छह लोगों पर आरोप तय करने का आदेश कर दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचल के कोर्ट ने आदेश में कहा कि साक्ष्यों और रिकार्ड पर रखी गई सामग्री से प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि सभी आरोपित हिंदू व्यक्तियों और मंदिर पर हमला करने के उद्देश्य से गैर कानूनी समूह में समान मंशा से शामिल हुए थे।

मारने के इरादे से हिंदुओं पर पथराव किया और गोली चलाई। उसका ही परिणाम रहा कि तीन व्यक्ति घायल हो गए। ऐसे में सभी आरोपितों पर आरोप बनता है।

नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर के विरोध में न्यू उस्मानपुर थाना क्षेत्र में दंगाइयों ने उत्पात मचाया था। इस क्षेत्र की ब्रह्मपुरी गली नंबर-13 में 24-25 फरवरी की दरम्यानी रात को धार्मिक नारे लगा रहे दंगाइयों ने गोलियां चलाई थीं। इस हमले में श्याम, भावे गौतम और लोकेंद्र घायल हुए थे। इस मामले की जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जुटाई थी।

पीड़ित और गवाहों ने फुटेज से कुछ दंगाइयों की पहचान की थी। गवाहों की ओर से कुछ वीडियो प्राप्त हुए। उनमें भी कुछ लोग दंगा करते दिखे। कुछ के नाम पूछताछ में सामने आए। इसी आधार पर पुलिस ने इस केस में मोहम्मद मुकर्रम, नासिर उर्फ अरबाज, मोहम्मद नईम, अमन अब्बास, गुल्लू उर्फ अरशद जैदी और शोएब को आरोपित बनाया।

बचाव पक्ष के वकीलों ने कहा कि आरोपितों के खिलाफ पेश किए गए साक्ष्य भरोसेमंद नहीं है। उधर, अभियोजन की ओर से पेश विशेष लोक अभियोजक ने कहा कि घटना में सभी आरोपितों की मौजूदगी के उनके पास पर्याप्त साक्ष्य हैं। गवाहों के साथ वीडियो फुटेज भी हैं। इस पर कोर्ट ने सभी आरोपितों के खिलाफ दंगा, घातक हथियारों का उपयोग और हत्या का प्रयास करने समेत कई आरोप तय करने का आदेश कर दिया। नासिर के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत आरोप तय करने का आदेश भी किया है।

दुकानदारों को चूना लगाने वाले दो गिरफ्तार, फोनपे क्यूआर कोड लगाने के बहाने करते थे ठगी

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहिणी जिला की साइबर थाना पुलिस ने फोनपे के क्यूआर कोड लगाने की आड़ में ठगी करने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान पीतमपुरा के रविंद्र उर्फ रिंकू और कराला के रोहित नेगी के रूप में हुई है।

आरोपितों के पास से 200 फोनपे स्कैनर पैम्प्लेट आदि सामान बरामद किया गया है। पुलिस पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपित अब तक कितने लोगों से ठगी कर चुके थे। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त गुरइकबाल सिंह सिद्धू ने बताया कि रोहिणी के शिकायतकर्ता ने बताया था कि अक्टूबर 2022 में एक युवक उनके पास आया और कहा कि वह फोनपे से है। वह फोनपे का साउंड बॉक्स लगा सकता है। इसके बदले उसे अपने फोन में फोनपे बिजनेस इंस्टॉल करने को कहा। आरोपित ने उसका फोन लिया और फोनपे का बिजनेस शुरू कर दिया। नौ नवंबर को उसके फोन पर अंजान नंबर से फोन आया। लेकिन दूसरी तरफ से कोई बात नहीं हुई। 15-20 मिनट के बाद उसके पेटीएम पेमेंट्स बैंक से छह रुपये के लेनदेन का मैसेज आया। बाद में उसके खाते से अचानक से 3.14 लाख रुपये निकल गए। साइबर थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। बैंक अधिकारियों से आरोपितों की डिटेल लेकर पीतमपुरा से रविंदर को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर उसके साथी को भी पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपितों ने बताया कि वह फोनपे का क्यूआर कोड लगाने के लिए दुकानदारों से संपर्क करने का काम करते थे। उन्हें क्यूआर कोड स्कैनर उपलब्ध कराए गए और उन्हें ये क्यूआर कोड विभिन्न दुकानों पर लगाने लगे। वे अपने काम के दौरान दुकानों पर जाते थे, क्यूआर कोड इंस्टाल करते थे। इस दौरान उन्हें पता लगा कि यहीं काम करते हुए वह किस तरह से आसानी से पैसा कमा सकते हैं। आरोपित लोगों के फोन में फोनपे बिजनेस एप इंस्टाल करने के बहाने पेटीएम का पुराना वर्जन इंस्टाल कर देते थे। वह पीटीएम खाते में दुकानदारों के मोबाइल नंबर के बजाय अपना मोबाइल नंबर दर्ज कर देते थे।

बाघों के बढ़ने की रफ्तार यूं ही रही, तो अगले दस सालों में भर जाएंगे सारे रिजर्व; छह फीसद की दर से बढ़ी आबादी

नई दिल्ली, एजेंसी। बाघों के संरक्षण की शुरू हुई मुहिम को पचास वर्ष पूरे हो गए। इन सालों में बाघों की संख्या जिस तेजी से बढ़ी है, वह देश के लिए खुश होने का एक बड़ा मौका है। बावजूद इसके इनके बढ़ने की जो रफ्तार है, वह वन्यजीव वैज्ञानिकों की चिंता भी बढ़ा रही है, क्योंकि देश में बाघों के लिए संरक्षित वन क्षेत्र (टाइगर रिजर्व) की अभी जो क्षमता है, वह पांच हजार बाघों के रहने की है।

ऐसे में यदि बाघों के बढ़ने की रफ्तार ऐसी ही रही, तो अगले दस सालों में देश के बाघों के लिए संरक्षित सारा वन क्षेत्र (रिजर्व) भर जाएगा। मौजूदा समय में देश में बाघों की आबादी सालाना छह फीसद की रफ्तार से बढ़ रही है। जिसके और बढ़ने की उम्मीद है।

बाघों के संरक्षण को लेकर यह स्थिति तब है, जब देश में इसके संरक्षित वन क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ोत्तरी की जा रही है। एक अप्रैल, 1973 को बाघों के संरक्षण का यह प्रोजेक्ट जब शुरू किया था, उस समय में देश में बाघों के लिए सिर्फ

नौ संरक्षित वन क्षेत्र ही थे।

इसका क्षेत्रफल करीब 18 हजार वर्ग किमी का था, जबकि मौजूदा समय में देश में बाघों के संरक्षित वन क्षेत्रों की संख्या 53 हो गई है, जिनका क्षेत्रफल भी 75 हजार वर्ग किमी का हो गया है। इनमें कोर एरिया भी 41 हजार वर्ग किमी का है। जिसमें वर्ष 2018 की गणना के मुताबिक 2967 बाघ है।

हर साल जुड़ रहे 180 नए बाघ वन्य जीव विशेषज्ञों के मुताबिक, यदि वर्ष 2018 की गणना के आधार पर ही बाघों की संख्या का अनुमान लगाए, तो देश में इनकी संख्या जिस तरह से सालाना छह फीसद की रफ्तार से बढ़ रही है, उनमें हर साल बाघों के कुनबे में 180 नए बाघ जुड़ रहे है।

ऐसे में अगले दस सालों में देश में इनकी संख्या पांच हजार से अधिक हो जाएगी। फिलहाल बाघों की बढ़ती आबादी के बेहतर प्रबंधन के लिए वन्यजीव विशेषज्ञों और भारतीय वन्यजीव संस्थान ने मंथन भी शुरू कर दिया है। जिसमें इनके लिए और नए ठिकाने तैयार करना है।

साथ ही मौजूदा रिजर्व को इस तरह से तैयार करना है, जिसमें और भी ज्यादा बाघ रह सके। हालांकि, विशेषज्ञों की मानना है कि यह संभव तो है, लेकिन इसके लिए संरक्षित वन क्षेत्रों को इस लिहाज से तैयार करना होगा, जहां इन्हें पर्याप्त भोजन के साथ सुरक्षा भी मिल सके।

मौजूदा समय में देश में जो बाघ रिजर्व है, उनमें से आधे से ज्यादा भर चुके है, जबकि पांच-छह ऐसे भी रिजर्व है, जहां अभी इनकी संख्या नगण्य है। इनमें हाल ही में तैयार किया गया मध्य प्रदेश का माधव टाइगर रिजर्व है, जहां हाल ही में दूसरे रिजर्व से कुछ बाघों को रखा गया है।

चीन में प्यार करने के लिए छात्रों को मिली एक हफ्ते की छुट्टी, ऐसा स्टंट क्यों कर रहे कॉलेज

बीजिंग , एजेंसी। चीन इस वक्त घटती जन्म दर का सामना कर रहा है। उसे डर है कि आने वाले वक्त में यह राष्ट्रीय आपदा न बन जाए। ऐसे में चीनी की सरकार बर्थ रेट को बढ़ाने के लिए नए-नए फैसले लागू कर रही है। सरकार के राजनीतिक सलाहकारों ने जन्म दर बढ़ाने के लिए कई सिफारिशें की हैं। इन सिफारिशों का समर्थन करते हुए चीन के कई कॉलेजों ने एक अनूठी योजना शुरू की है। इस योजना को स्प्रिंग ब्रेक नाम दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कई कॉलेज छात्रों को प्यार की तलाश पूरी करने के लिए अप्रैल के पहले सप्ताह की छुट्टी दे रहे हैं।

एनबीसी न्यूज के अनुसार, फैन मेई एजुकेशन ग्रुप द्वारा चलाए जा रहे नौ कॉलेजों में से एक, मियायांग

फ्लाइंग वोकेशनल कॉलेज ने पहली बार 21 मार्च को स्प्रिंग ब्रेक की घोषणा की थी। जिसमें छात्रों से खासतौर पर कहा गया कि वे अपने प्यार की तलाश पूरी करें। इसी तरह बाकी के कॉलेजों ने भी 1 अप्रैल से 7 अप्रैल के बीच छुट्टी का ऐलान कर दिया। छात्रों को प्रकृति से प्यार करना, जीवन से प्यार करना और स्प्रिंग ब्रेक का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। लियांग गुओहुई मियायांग फ्लाइंग वोकेशनल कॉलेज के डिप्टी डीन ने एक बयान में कहा, मुझे उम्मीद है कि छात्र पानी और हरे पहाड़ों को देखने जा सकते हैं और वसंत ऋतु का आनंद ले सकते हैं। यह न केवल छात्रों की भावनाओं को विकसित करेगा, बल्कि कक्षा में लौटने पर उनकी शैक्षिक क्षमता को और समृद्ध और गहरा करेगा। कॉलेजों ने इन छुट्टियों के लिए छात्रों को होमवर्क भी दिया है। निर्देश दिए गए हैं कि इस दौरान डायरी में अपने अनुभव और कार्य जरूर साझा करें। इसमें व्यक्तिगत विकास और यात्रा के वीडियो बनाना भी शामिल है। रॉयटर्स के मुताबिक, सरकार के निर्देश पर कॉलेज प्रशासन के ये प्रयास जन्म दर को बढ़ावा देने के तरीके खोजने से प्रेरित है। चीनी सरकार जन्म दर को बढ़ावा देने के लिए 20 से अधिक सिफारिशें लेकर आई है, हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि वे जनसंख्या की गिरावट को धीमा कर सकते हैं। चीन ने 1980 और 2015 के बीच लागू की गई वन चाइल्ड पॉलिसी से बड़े पैमाने पर जनसंख्या नियंत्रण पर फोकस किया।

2024 में होने वाले कैंपेन की तैयारियों में जुटे बाइडन, कर सकते हैं बड़ी घोषणाएं

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति जो बाइडन ने घोषणा कर दी है कि वह चुनाव में शामिल होंगे, लेकिन इसके साथ ही कई सवाल भी खड़े हो गए हैं। 2024 के कैंपन के बारे में प्रमुख प्रश्न अनसुलझे सवाल हैं कि इसका प्रबंधन कौन करेगा? यह कहां आधारित होगा? वह आखिरकार इसे कब आधिकारिक बनाएंगे? सलाहकारों ने लंबे समय से कहा है कि उन्होंने मार्च के बाद कुछ समय तक इंतजार करने के बारे में सोचा है, जब साल की पहली फंडिंग समाप्त होगी। साथ ही, सलाहकारों का कहना है कि बाइडेन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में आकर कोई जल्दबाजी नहीं करेंगे। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप ने पहले ही अपने 2024 कैंपेन की घोषणा कर दी है। ट्रंप के खिलाफ हैं बाइडेन के सहयोगी वाशिंगटन में एक डेमोक्रेटिक रणनीतिकार ब्रैड बैनन ने कहा, जितना समय वो व्हाइट हाउस में अपने कर्तव्यों पर केन्द्रीत रहेंगे, उतना ही अच्छा वो अपने कैंपेन को लेकर सोच सकेंगे। उन्होंने कहा, बाइडन के सहयोगी इस बात से अवगत हैं कि ट्रम्प को एक पोर्न अभिनेता को गुप्त धन के भुगतान में उनकी भूमिका के लिए आरोपित किया गया है। बाइडन का आंतरिक राजनीतिक दायरा पहले दिन से अभियान की रणनीति पर अमल करने की योजना बनाई है। बाइडन के सलाहकारों का मानना है कि फिलहाल, बाइडन के सामने कोई महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक प्रतिद्वंदी नहीं है। अटलांटा, शिकागो और न्यूयॉर्क के तीन अंतिम शहरों के बीच अगले साल का डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन कहां आयोजित किया जाएगा, यह भी बाइडन को तय करना है।

तीन साल बाद चीन पहुंचे जापान के विदेश मंत्री

जापानी बिजनेसमैन की रिहाई का मुद्दा उठेगा, फुकुशिमा के जहरीले पानी पर भी होगी चर्चा

बीजिंग , एजेंसी। जापान के विदेश मंत्री योशीमासा हायाशी तीन साल बाद चीन के विदेश मंत्री से बीजिंग में मुलाकात करेंगे। उनकी ये मुलाकात ऐसे वक्त में होगी जब चीन और जापान के बीच टकराव स्थिति बनी हुई है। दरअसल, हाल ही में जापान के एक बिजनेसमैन को चीन में हिरासत में लिया था। चीन ने उस पर जासूसी करने का आरोप लगाया था। इसकी वजह से दोनों देशों में तनाव है। वहीं, सेंकाकू द्वीप और फुकुशिमा पावर प्लांट के पानी को लेकर भी दोनों देशों के बीच काफी समय से टकराव चल रहा है। माना जा रहा है कि इस पर भी दोनों देशों के बीच बात हो सकती है।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने बैंकॉक में नवंबर में हुई बैठक में हयाशी की चीन यात्रा पर सहमति बनी थी। अपने इस दौरे पर जापान के विदेश मंत्री हायासी चीनी विदेश मंत्री किन गैंग से मिलेंगे। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपनी इस मुलाकात में हयाशी चीन से 2011 की सुनामी में तबाह हो चुके फुकुशिमा पावर प्लांट के जहरीले पानी पर भी चर्चा करेंगे। दरअसल, जापान साल 2011 में आई सुनामी में खराब हो चुके अपने न्यूक्लियर पावर प्लांट में रखे गए 1 मिलियन टन यानी 2 हजार करोड़ लीटर से ज्यादा पानी को पैसिफिक महासागर में छोड़ेगा। इस पानी का इस्तेमाल जापान ने न्यूक्यर पावर प्लांट में रिएक्टर्स को ठंडा रखने के लिए करता था। ये पानी फिलहाल

न्यूक्लियर पावर प्लांट की साइट पर बने टैंक्स में स्टोर किया हुआ है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें अभी भी ट्राइटियम के कण हैं। ट्राइटियम एक रेडियो एक्टिव मैटिरियल होता है। जिन्हें पानी से अलग करना काफी मुश्किल होता है। इससे कैंसर जैसी बीमारियां हो सकती हैं। पानी के जहरीले होने की वजह से चीन और साउथ कोरिया ने इसे पैसिफिक महासागर में छोड़ने का विरोध किया है।

चीन और जापान के बीच का सेंकाकू द्वीप मुद्दा क्या है?: जापान का चीन और ताइवान के साथ ईस्ट चाइना सी के सेंकाकू द्वीप समूह पर विवाद है। 2020 में जापान की एक स्थानीय परिषद ने इस क्षेत्र में स्थित कुछ द्वीपों के नाम और प्रशासनिक स्थिति बदलने वाले एक विधेयक को मंजूरी दी थी। इससे जापान के नियंत्रण वाले सेंकाकू द्वीप समूह के एक द्वीप टोनोशीरो और दियोयस द्वीप का नाम बदलकर टोनोशीरो सेंकाकू हो गया था। इसके बाद चीन और जापान में विवाद बढ़ गया था। चीन इस क्षेत्र को अपना हिस्सा मानता है। तब चीन का कहना था कि जापान ने ऐसा करके चीन की क्षेत्रीय संप्रभुता का उल्लंघन किया है। साथ ही धमकी देते हुए चीन ने अपनी संप्रभुता की रक्षा किसी भी तरह से करने की बात कही थी। इसके साथ ही तब चीन ने द्वीपों के आसपास के क्षेत्र में 'जहाजों के बेड़े' भी भेजे थे।

दरअसल, सेंकाकू पूर्वी चीन सागर में स्थित आठ द्वीपों का समूह है। इन पर कोई नहीं रहता है हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल 7 वर्ग किलोमीटर है। ये ताइवान के उत्तर-पूर्व, चीनी मुख्य भूमि के पूर्व में और जापान के दक्षिण-पूर्व प्रांत में स्थित है।

छंटनी के बाद गूगल ने लिया बड़ा फैसला

कर्मचारियों पर होने वाला है असर

वाशिंगटन, एजेंसी। कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के बाद अब गूगल कॉस्ट कटिंग को लेकर भी तैयारी में है। कंपनी ने इसको लेकर कुछ अहम मसलों पर काम करने के बारे में फैसला किया है। साथ ही वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर काम करना कंपनी की प्राथमिकता होगी। एक रिपोर्ट में

इस संबंध में दावा किया गया है। बता दें कि कुछ वक्त पहले ही गूगल ने 12000 लोगों को नौकरी से निकालने का फैसला किया है। जानकारी के मुताबिक गूगल ने कॉस्ट कटिंग को लेकर एक मेमो जारी किया है। बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के मुताबिक मेमो में कंपनी ने कहा है कि मौजूदा ग्रोथ और चुनौतीपूर्ण आर्थिक हालात को देखते हुए यह काम बेहद अहम है। इसको देखते हुए एआई टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाने के लिए निवेश करना हमारे लिए बड़ा मौका होगा। इस मेमो पर गूगल के मुख्य वित्तीय अधिकारी प्रभाकर राघवन और कंपनी के सर्च लीड के साइन हैं। साथ ही कंपनी कर्मचारियों को अन्य सुविधाओं के साथ कैफे और माइक्रो किचन की सुविधा जारी रखने की बात भी कही है। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ने कहा है कि इन बदलावों से खाने की बर्बादी पर भी रोक लगेगा। साथ ही यह पर्यावरण के लिए भी अच्छा होगा। मेमो में कहा गया है कि हम ऑफिस की सेवाओं को नए हाइब्रिड वर्कवीक के आधार पर एडजस्ट कर रहे हैं। कैफे, माइक्रोकिचन और अन्य सुविधाएं इसी के हिसाब से इस्तेमाल में रहेंगी। मेमो में कहा गया है कि यह फैसला आंकड़ों के आधार पर लिया जाएगा। इसे उदाहरण देकर भी समझाया गया है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129, 9430990555